▸▸ वर्ष 72 ▸▸ अंक 342 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 09 सितंबर, 2025
▸▸ आश्विन कृष्ण पक्ष 02, विक्रम संवत् 2082
▸▸ नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"जब अमीर और ताकतवर लोग गरीब और कमजोर लोगों की कीमत पर खुद को और अधिक संपन्न और सशक्त बनाने के लगें, तो हमारे पास सार्वभौमिक स्वतंत्रता के नाम पर विरोध दर्ज करने की जिम्मेदारी है।

– नेल्सन मंडेला

ऑफ बीट

बढ़ती-घटती रहती है एफिल टॉवर की हाइट

लोहे से बना यह टावर फ्रांस की राजधानी पेरिस में सीन नदी के किनारे स्थित है। ये सन् 1887 से 1889 के बीच बना था। एफिल टावर को गुस्ताव एफिल ने बनाया था। गर्मियों में पेरिस के एफिल टॉवर की हाइट बढ़ जाती है और सर्दियों में ये हाइट कम हो जाती है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में एफिल टावर की हाइट 15 सेंटीमीटर, लगभग 6 इंच, बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि एफिल टावर पूरा का पूरा लोहे से बना है और गर्मियों के मौसम में ज्यादा गर्मी पड़ने से धातुएं फैलती हैं। जिसे हम थर्मल एक्सपेंशन कहते हैं। इसके पीछे का साइंस यह कहता है कि गर्मी के मौसम में तापमान के बढ़ने से धातु के परमाणु तेजी से हिलते हैं, जिससे उनके बीच की दूरी बढ़ जाती है और धातु फैलने लगते हैं; ऐसे में टावर की ऊंचाई लगभग 15 सेंटीमीटर तक बढ़ जाती है।

एशिया कप आज से, टीम इंडिया का मुकाबला कल

दुबई, जेएनएन। एशिया कप की शुरुआत मंगलवार 9 सितंबर से होने जा रही है। भारत की मेजबानी में यूएई में खेले जा रहे इस टी-20 टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत के साथ ग्रुप-ए में पाकिस्तान, ओमान और यूएई शामिल है। टूर्नामेंट का पहला मैच अबू धाबी में अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच रात आठ बजे से खेला जाएगा, जबकि भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से यूएई के खिलाफ करेगा।

(विस्तृत खबर खेल पेज पर)

सोशल मीडिया बैन से भड़की आग, भ्रष्टाचार विरोध तक पहुंची, गृहमंत्री ने दिया इस्तीफा

22 मौतों के बाद इंटरनेट किया बहाल, तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश

नेपाल में 'जेन जी' विद्रोह

ऐतिहासिक: करीब 12 हजार युवा नेपाली संसद के गेट पर पहुंच गए। यह पहली बार है जब संसद भवन की सुरक्षा दीवारें टूट गईं। सुरक्षाबलों ने आंसू गैस, लाठीचार्ज और सीधी फायरिंग की।

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल में सोशल मीडिया बैन के खिलाफ उठी युवाओं की आवाज अब बड़े राजनीतिक और सामाजिक संकट में बदल चुकी है। राजधानी काठमांडू समेत सात बड़े शहरों में हिंसक विरोध-प्रदर्शन ने पूरे देश को हिला दिया है। अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है और 400 से अधिक लोग घायल हैं। हालात काबू से बाहर होते देख काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी कर दिए। इसी बीच गृह मंत्री रमेश लेखक ने इस्तीफा देकर पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी अपने सिर ली है।

नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और व्हाट्सऐप समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगा दिया था। सरकार का कहना था कि इन कंपनियों ने रजिस्ट्रेशन और डेटा-साझेदारी से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया। 28 अगस्त को आदेश जारी कर इन्हें 7 दिन की मोहलत दी गई थी, जो 2 सितंबर को खत्म हो गई। टिकटॉक और वाइबर जैसी कंपनियों ने नियम मान लिए, इसलिए वे चालू रहीं, लेकिन बाकी प्लेटफॉर्म ब्लॉक कर दिए गए। यह फैसला युवाओं के गुस्से की वजह बना। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार भ्रष्टाचार रोकने के बजाय उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला कर रही है।

हिंसा में 22 लोगों की मौत हो चुकी है। इटहरी, झापा, पोखरा, चितवन, बुटवल और विराटनगर जैसे शहरों से भी मौतों और घायलों की खबर आई है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 14 मौतों की पुष्टि की है और कहा है कि सरकार को मृतकों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए तथा घायलों का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करना चाहिए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने घुटनों से ऊपर निशाना साधकर अंधाधुंध गोलीबारी की। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने साफ कर दिया है कि सोशल मीडिया पर बैन हटाने का सवाल ही नहीं उठता। कैबिनेट बैठक में उन्होंने कहा कि सरकार को 'जनरेशन-जी के उपद्रवियों' के आगे ■ शेष पृष्ठ 7 पर

संसद की दीवार फांदकर घुसे 12 हजार प्रदर्शनकारी

सोमवार को सुबह से ही काठमांडू में प्रदर्शनकारी जुटने लगे। देखते ही देखते करीब 12 हजार युवा संसद भवन तक पहुंच गए। सरकार के आदेशों की परवाह किए बिना युवाओं ने संसद भवन के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस, वॉटर कैनन और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। लेकिन भीड़ बैरिकेड्स तोड़कर, गेट और दीवारें फांदकर परिसर में घुस गई। युवाओं ने संसद परिसर में गाड़ियों पर चढ़कर नारेबाजी की, वहीं कई ने वाहनों और सड़क किनारे खड़ी कारों को आग के हवाले कर दिया।

गृह मंत्री का इस्तीफा

स्थिति बिगड़ते देख गृहमंत्री रमेश लेखक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कैबिनेट ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। लेखक ने कहा कि हिंसक झड़पों में मौतों की नैतिक जिम्मेदारी उनकी है। इससे पहले नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गोविंदा राज पोखरेल ने उनकी बर्खास्तगी की मांग की थी।

सात शहरों में कर्फ्यू: काठमांडू के अलावा बीरगंज, भैरहवा, बुटवल, पोखरा, इटहरी और दमक में कर्फ्यू लगाया गया है। बड़े नेताओं के आवासों और पार्टी दफ्तरों के आसपास भी सुरक्षा बढ़ाई है। यूएमएल और नेपाली कांग्रेस के मुख्यालयों को भी सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है।

परीक्षाओं पर असर: सरकार ने 9 से 11 सितंबर तक होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। देशभर में स्कूल और कॉलेजों को दो दिन के लिए बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया है।

सोशल मीडिया सेवाएं बहाल

शाम होते-होते नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया सेवाएं बहाल कर दीं। दोपहर 3.15 बजे से फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और बाकी सभी प्लेटफॉर्म बिना वीपीएन चलने लगे। लेकिन प्रदर्शनकारी मानते हैं कि यह आंदोलन सिर्फ इंटरनेट बहाली के लिए नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार, महंगाई और मनमानी शासन प्रणाली के खिलाफ है।

भारत के लिए चिंताएं कम नहीं

नेपाल में यह हिंसक उबाल भारत के लिए भी चिंता का विषय है। तराई क्षेत्र और भारत की खुली सीमा पर कर्फ्यू से दोनों देशों के बीच आवागमन प्रभावित हो सकता है। नेपाल में लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है, और अब जब युवा पीढ़ी सड़कों पर है, तो इसका असर सीमा पार के इलाकों में भी देखने को मिल सकता है। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और रणनीतिक पड़ोसी है। अगर असंतोष लंबा खिंचता है, तो भारतीय निवेशकों और व्यवसायों पर सीधा असर पड़ेगा। भारत सरकार ने अब तक स्थिति पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन दक्षिण ब्लॉक में इसे गहराई से मॉनिटर किया जा रहा है। नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता से चीन को फायदा हो सकता है, जो वहां आर्थिक और रणनीतिक दखल बढ़ाने की कोशिश करेगा।

क्या है जेन जी: जेन जी वह पीढ़ी है जो लगभग 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई। इसे डिजिटल जेनरेशन कहा जाता है, क्योंकि यह इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के दौर में पली-बढ़ी। इनकी सोच खुली, तकनीक-आधारित और बदलाव की ओर झुकी मानी जाती है। यह पीढ़ी पारदर्शिता और अभिव्यक्ति की आजादी को अहम मानती है।

जागरण रीवा

रीवा, 09 सितम्बर 2025

www.dainikjagranmpcg.com

एशिया कपः खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत (पेज - 11)

संत नामदेव की आरती व विचार संगोष्ठी संपन्न

जागरण, रीवा। नामदेव विकास परिषद द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी सोमवार को शिक्षक हरगोविंद नामदेव के निज निवास रतहरा तालाब के सामने डुग्गु किराना स्टोर में संत शिरोमणि नामदेव महाराज की आरती का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से किया गया। अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ भैयालाल नामदेव व कुंज बिहारी नामदेव ने की। इस दौरान अतिथि व समाज के एड. मनोज नामदेव, राकेश नामदेव, परिशद के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र नामदेव, संध्या नामदेव प्रदेश महासचिव संतोष नामदेव आदि ने संबोधित कर समाजजनों को मिलजुलकर चलने की बात कही। इस दौरान समान के नरेश नामदेव, महेश नामदेव, वाल्मिकी नामदेव, आशीष नामदेव, सहित समाज की महिलाएं व बच्चे उपस्थित थे।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

आम जनता का नहीं रहा अटल पार्क, अब 5 साल के लिए 'आराध्या श्रीराम' का हुआ

5.21 करोड़ में ठेके पर दिया, पार्क विहार के लिए चुकानी होगी काफी कीमत

जागरण, रीवा। शहर में सिविल लाइन के पुराने सरकारी आवासों को तोड़कर दस एकड़ में निर्मित किये गये अटल पार्क को 5 साल के लिए ठेके पर दे दिया गया। इसका ठेका आराध्या श्रीराम प्राइवेट लिमिटेड को मिला है। यह आम जनता का नहीं रहा अगले पांच साल तक अब अटल पार्क एवं इसके साथ लगी 20 दुकानों का संचालन एवं संधारण काम आराध्या श्रीराम फर्म करेगी। इससे नगर निगम को पांच साल में 5.21 करोड़ रुपये की आमदनी होगी। नगर निगम द्वारा इसके लिए जुलाई माह में ऑनलाइन निविदा निकाली गई थी। निविदा डालने की तारीख 28 जुलाई से 29 अगस्त तक थी। मजे की बात यह है कि निगम ने पार्क की बेस बोली केवल 1.16 करोड़ रखी गई थी लेकिन ठेकेदार ने 5.21 करोड़ बोली लगाया। इससे साबित होता है कि पार्क विहार करने जाने वालों को अपनी जेब ज्यादा गर्म रखना होगा। अटल पार्क का टेंडर खुलने के साथ अब पांच साल के लिए यह पार्क आराध्या श्रीराम प्राइवेट लिमिटेड का हो गया। इसके संचालन एवं संधारण की पूरी जिम्मेदारी इसी कंपनी की रहेगी। अटल पार्क के अलावा इसी से लगी पार्किंग एवं 20 दुकानें भी इसी कंपनी के जिम्मे रहेंगी। ठेके की शर्तों के मुताबिक पार्क में शादी विवाह के कार्यक्रम बिलकुल भी नहीं होंगे। पार्क में फूड जोन विकसित करने के साथ ही बच्चों के मनोरंजन के लिए इस्टूमेंट लगाये जाएगे। इसके अलावा आराध्या श्रीराम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अटल पार्क में प्रवेश की दरें भी निर्धारित की जाएंगी।

इन फर्मों ने भी अजमाया था भाग्य

टेंडर प्रक्रिया में 14 फर्मों ने भाग लिया था। जिसमें 8 फर्मों द्वारा अपनी-अपनी दरें प्रस्तुत की गई थी। टेंडर खुलने पर आराध्या श्रीराम प्राइवेट लिमिटेड की दरें सबसे अधिक होने के कारण टेंडर उसके हाथ लग गया। आराध्या श्रीराम प्राइवेट लिमिटेड ने अटल पार्क की सर्वाधिक बोली 5.21 करोड़ रुपये लगाई थी। अटल पार्क के लिए दूसरी सबसे अधिक बोली लगाने वाली फर्म स्काईलार्क पोली इंडस्ट्रीज प्रा.लि. रही, जो तीन लाख से चूक गई। उसके द्वारा टेंडर में 5.18 करोड़ की दर प्रस्तुत की गई थी। इसके अलावा एसबी मल्टीसर्विस ने 4.52 करोड़, ऐस सिकोरिटी सर्विस प्रा. लि. ने 3.57 करोड़, कृष्णाकांत सेहगौरा ने 2.37 करोड़, ग्लैक्सी कांस्ट्रक्शन इंफ्रा प्रोजेक्ट ने 2.23 करोड़, समदरिया बिल्डरर्स प्रा.लि. ने 2.07 करोड़ तथा निर्मला एसोसिएट्स ने 1.85 करोड़ रुपये की दरें प्रस्तुत की थी।

रैलियों में भीड़ मंगा लिया, नहीं दिया पैसा

बस ऑपरेटरों ने भुगतान के लिए ली कोर्ट की शरण

चुनाव ड्यूटी और शासकीय कार्यक्रमों में अधिग्रहित बसों के भुगतान पेंडिंग रहने से थे परेशान

जागरण, रीवा। बस ऑपरेटरों ने चुनाव सहित शासकीय कार्यक्रम में अधिग्रहित बसों का भुगतान नहीं मिलने पर अब कोर्ट को दरवाजा खटखटाया है। बताया जा रहा है कि 2022 से अब तक करीब 10 करोड़ से अधिक का भुगतान बकाया है, जिससे उन्होंने उच्च न्यायालय में अपील की है। बताया जा रहा है कि राजनीतिक कार्यक्रमों को सुसज्जित करने के लिए किराए की भीड़ एकत्रित करने के बाद चुनावी दंगल तो फतह हो गया, लेकिन अब भुगतान के लिए बस ऑपरेटर कई सालों से चक्कर काट रहे हैं। रीवा जिले में वर्ष 2022 से लेकर अब तक कई बार राजनीतिक सभाओं से लेकर शासकीय योजनाओं के उद्घाटन सहित चुनाव ड्यूटी तक बसों का आधिग्रहण किया गया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। बस ऑपरेटर ने कहा कि प्रशासन स्तर पर उनका भुगतान रुका हुआ है, लेकिन टैक्स लेने में 1 दिन की देरी होती है तो पेनॉल्टी लगा दी जाती है। आरोप है कि भुगतान वर्ष 2022 से लेकर अब तक लंबित हैं, इसमें कई ऐसे आयोजन हैं जिसमें भीड़ एकत्रित करने के लिए ग्राम पंचायत से लेकर शहर तक के लोगों को ढोया गया, सभाएं सुसज्जित हुई, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। दरअसल इसकी शुरुआत 26 जून 2022 से हुई जहां त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव के लिए बसों का अधिग्रहण किया गया, इसके बाद सतना में गृह प्रवेश कार्यक्रम, शहडोल में हवाई पट्टी, राज्य स्तरीय बिरसा मुंडा जयंती, मोहनिया घाटी टनल का लोकार्पण, जल जीवन मिशन कार्यक्रम, शबरी माता जयंती, लाडली बहना सम्मेलन सहित दो दर्जन से अधिक कार्यक्रम में बसों का अधिग्रहण किया गया लेकिन भुगतान नहीं हुआ। बस एसोसिएशन के द्वारा कई बार सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई और अब बस ऑपरेटर न्यायालय की शरण में है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के सामने की दीवार में पड़ी दरार

जागरण, रीवा। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के मुख्य द्वार में बनी दीवार में कोने में दरार पड़ गई है, वहीं दीवार से सटा पिलर यानी आधार भी बीच से चटक कर अलग हो गया है जिससे भवन की दीवार में पड़ी दरार कब बढ़ जाए कहा नहीं जा सकता। अस्पताल में इन दिनों मौसमी बीमारियों के अलावा हृदय रोगी सहित अन्य बीमारियों का उपचार करवाने प्रतिदन हजारों मरीज व उनके परिजन एकत्र हो रहे हैं, ओपीडी में अस्पताल खुलने के पूर्व ही मरीजों का आना शुरू हो जाता है। भवन की दीवार फटने से यहां आने वाले मरीजों को कब इस दीवार से खतरा हो जाए कहा नहीं जा सकता।

निर्माण के दौरान गणुवत्ता का नहीं रखा ध्यान : शासकीय भवनों के निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है, अस्पताल की दीवार फटना इसी का नतीजा है। अस्पताल भवन करोड़ों रुपया खर्च करके निर्मित करवाया गया है, किन्तु इसमें जिम्मेदारों ने गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा, जिससे यहां आने वाले मरीजों की जान सांसत में आ गई है। दीवार में उपर से नीचे तक दरार पड़ गई है, पिलर भी तड़क गया है, जिससे यहां आने वाले मरीजों के साथ ही स्टाफ भी उक्त घटना से भयभीत हैं, अधिकारी, कर्मचारियों की यहां प्रतिदिन आना मजबूरी है, जबकि उपचार करवाने मरीजों को भी न चाहते हुए अस्पताल आना पड़ता है। अस्पताल में उपचार करवाने मरीज जहां भवन निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की जांच की मांग कर रहे हैं वहीं दबी जुबान में अस्पताल के अधिकारी, कर्मचारी भी निर्माण में की गई धांधली की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई किए जाने की बात कह रहे हैं।

तीन बोरी यूरिया के लिए अन्नदाता को बनाया चकरघिन्नी

करहिया में टोकन, 12 किमी दूर चोरहटा गुरुकुल में खाद

टोकन लेने उमड़ी किसानों की भीड़, मण्डी के गेट किए बंद

जागरण, रीवा। रीवा में अन्नदाता के साथ मजाक किया जा रहा है। तीन बोरी यूरिया के लिए उसे चकरघिन्नी बना दिया गया। पहले करहिया में टोकन के लिए बुलाया फिर 12 किमी दूर चोरहटा गुरुकुल जहां रिजर्व वाहन के अलावा कुछ नहीं जाता वहां खाद के लिए भेज दिया। सैकड़ों किसान मनदुखी कर वापस चले गए। इसलिए कि आटो वाले केवल गुरुकुल पहुंचाने के लिए ही दो सौ मांग रहे थे। खाद लेकर आने पर 400, इस तरह तीन बोरी खाद के लिए किसानों को 6 सौ रुपए भाड़ा चुकाना पड़ रहा है। आखिर प्रशासन किसानों के साथ इस तरह का व्यवहार कर क्यों रहा है? समझ से परे है। जो तरीका अपनाया जा रहा इससे सरकार की छवि प्रभावित हो रही है। हुआ यह कि शहर की करहिया मण्डी में सोमवार से यूरिया वितरण की सूचना मिलने पर सैंकड़ों महिला-पुरुष कृषक रविवार शाम से ही मण्डी में कतार लगा कर बैठ गए। सोमवार सुबह तक तो पूरा मण्डी परिसर किसानों से खचाखच भर गया। किसानों की बढ़ रही भीड़ को देखते हुए मण्डी के दोनों ओर के गेट बंद कर दिए गए। जिससे मण्डी में अनाज विक्रय करने आए किसान परेशान होते रहे वहीं खाद के लिए चक्कर काट रहे किसानों को भी अंदर नहीं जाने दिया, धूप में खड़े किसान पसीना बहाते रहे। किसानों को करहिया मण्डी से टोकन दिए गए, जबकि खाद लेने उन्हें चोरहटा वेयर हाउस जाना पड़ा, इस परिवर्तन से भी काफी किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा, किसी के पास वाहन नहीं था तो कोई ऑटो से चोरहटा वेयर हाउस खाद लेने पहुंचा।

सुबह सवा 11 बजे लगाए गए टेण्ट, तब तक धूप में तपते रहे किसान : करहिया मण्डी में सोमवार से खाद वितरण किए जाने की सूचना पूर्व से कर दी गई थी, लेकिन यहां जिम्मेदारों ने किसानों के कतार में खड़े रहने टेण्ट तक की व्यवस्था नहीं की, करीब सवा 11 बजे यहां किसानों को छाया मिले इसके लिए टेण्ट लगाए गए। वहीं प्यास बुझाने के लिए अन्नदाताओं को मण्डी परिसर में बनी पेयजल टंकी पर ही निर्भर रहना पड़ा, कुछ किसान अपने घरों से पानी की बोतल लेकर आए थे। मण्डी में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम शिवशंकर शुक्ला, सीएसपी राजीव पाठक, उप संचालक कृषि विकास विभाग यूपी बागरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे, जो बार-बार किसानों को शांति बनाए रखने की अपील कर रहे थे। किसानों को बताया कि थोड़ा समय लगा जाएगा, लेकिन खाद से कोई वंचित नहीं रहेगा। पर्याप्त खाद आ गई है। किसानों को टोकन वितरण कर चोरहटा से खाद लेने के निर्देश मिले।

एक कतार लगवाई, अन्य कतार नहीं लगाने दी : किसानों को टोकन मिलने के बाद भी यहां किसानों की भीड़ कम होती नजर नहीं आ रही थी। जैसे-जैसे टोकन प्राप्त करने वाले किसान जाते रहे, वैसे-वैसे अन्य किसान यहां जमा होते रहे। प्रशासनिक अधिकारी व तैनात पुलिस बल ने किसानों की एक लाइन लगवाई, जो लाइन लगवाई थी उस लाइन के अलावा अन्य लाइन न लगाने की भी हिदायत दी गई। इस बार दोनों काउंटर पर पुरुषों की कतार लगी थी, जबकि कई महिला व पुरूष कृषकों को शेड के नीचे बैठाया गया था, यहां पर भी टोकन का वितरण किया गया।

एक किसान को तीन बोरी खाद, नैनो लेने पर पांच बोरी

किसानों ने बताया कि उन्हें जो जानकारी मिली है उसके अनुसार प्रति किसान को तीन बोरी खाद देना बताया जा रहा है, वहीं नैनो लेने पर पांच बोरी प्रदाय की जा रही है। जिन किसानों की भूमि कम है उनमें से किसी को एक बोरी तो किसी को दो बोरी खाद प्रदाय की गई। हालांकि यूरिया शहर में लगातार आ रही है, चोरहटा वेयर हाउस में सोमवार को यूरिया से भरे चार-पांच ट्रक खाली किए जा रहे थे, वहीं वेयर हाउस के अंदर भी यूरिया का पर्याप्त भण्डारण है। करहिया मण्डी के गादाम में भी पर्याप्त का भण्डारण किया गया है।

हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित करें: सीएम

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की। मुख्यमंत्री ने बालाघाट, उमरिया, देवास, पांढुर्णा, भिंड, पन्ना, शहडोल, टीकमगढ़, कटनी तथा दमोह जिले के आवेदकों के प्रकरणों की सुनवाई की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पात्र हितग्राही को समय पर शासन की योजनाओं का लाभ दें। इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। लंबित छात्रवृत्ति का एक माह में भुगतान कराएं। नलजल योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायत और पीएचई विभाग मिलकर करें। गरीबों के लिए बनाए गए आवासों का समय पर आवंटन करें। आवासों में अवैध कब्जे पर कड़ी कार्यवाही करें। पुलिस विभाग बेटियों के गुमने की घटनाओं पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्यवाही करे तथा बेटियों को उनके परिजनों के पास सुरक्षित पहुंचाएं।

मऊगंज की राजकुमारी के गांव अब पहुंच रहा पानी : समाधान ऑनलाइन में मऊगंज जिले की आवेदिका राजकुमारी साकेत द्वारा नल से पानी की आपूर्ति न होने की शिकायत की गई थी। इस संबंध में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि नलजल योजना ग्राम पंचायत को हैंडओवर होने के बाद पंप तथा वाल्व ऑपरेटर द्वारा लापरवाही बरती गई जिससे ग्राम नीवी शिवरतन के 10 घरों में पानी नहीं पहुंच रहा था। इस कमी को दूर करके अब पानी की नियमित आपूर्ति की जा रही है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर कार्यालय से कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, अपर कमिश्नर नीतू माथुर तथा कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्पताल में लगातार बढ़ रही मरीजों की भीड़

शहर में गंदगी का अंबार, कई जगह जमा पानी व कचरा, नहीं हो रहा दवा का छिड़काव

जागरण, रीवा। शहर के विभिन्न अस्पतालों में मौसमी बीमारियों से ग्रसित लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। कभी बारिश तो कभी उमस, तेज धूप के कारण शहर में बीमारियों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। जिसका कारण मौसम तो है साथ ही शहर स्वच्छता के जिम्मेदार भी लोगों को बीमारियां बांटने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे, कई जगह बरसात का पानी जमा है, शहर केअधिकतर वार्डों से नियमित कचरा नहीं उठ पाता, जिससे मच्छरों को पनपने में सहायता मिल रही है। शहर में प्रतिवर्ष वर्षाकाल के दौरान कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किए जाने का प्रावधान है, किन्तु रीवा शहर में कहीं पर भी कीटनाशक दवा का छिड़काव नहीं हुआ। सोमवार को संजय गांधी अस्पताल कीओपीडी खचाखच भरी रही। बुखार, सर्दी, खांसी सहित अन्य बीमारियों से पीड़ित कई मरीज समय से पूर्व यहां पहुंच गए ताकि उनका नंबर जल्द लग जाए और उनका उपचार हो सके। सोमवार को यहां समय से पूर्व मरीजों का जमावड़ा हो गया, अस्पताल खुलने के समय तक तो पूरा ओपीडी परिसर मरीज व उनके साथ आए परिजनों से भर गया। जिसको जहां छोटी कतार नजर आई वह कतार में लगता गया। जो मरीज अधिक समय तक खड़े नहीं रह सकते उनके स्थान पर उनके परिवार वाले कतार में लगे रहे। लंबी कतार होने से पर्ची काटने में भी काफी समय लग गया, जिसके चलते किसी मरीज को डॉक्टर नहीं मिल पाए तो किसी का नंबर अस्पताल बंद होने के समय पर आया, जिनका उपचार पूर्ण रूप से नहीं हो पाया।

सेवा पखवाड़ा मनाने को लेकर भाजपा ने की कार्यशाला

मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक होंगे अनेकों कार्यक्रम

रीवा। अटल कुंज भाजपा कार्यालय में एक बैठक जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में मनगवां विधायाक नरेन्द्र प्रजापति व प्रदेश मंत्री राजेश पाण्डेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा। इसमें सभी को बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना है। 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक अनेकों कार्यक्रम रखे जायेंगे जिसमें से रक्तदान शिविर, नमो मैराथन, स्वाथ्य शिविर में प्रधानमंत्री जी का लाइव सम्बोधन सुनना, प्रदेश के विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, नमो वन, नमो पार्क, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी, सांसद खेल प्रतिगिता आदि सम्पन्न किये जायेंगे। विशिष्ट अतिथि मनगवां विधायक ने कहा कि सेवा पखवाड़ा अभियान तहत हमें स्वच्छता अभियान के विषय में घर घर लोगों को जागृत करना एवं साफ सफाई हेतु प्रेरित करना है। संचालन कार्यक्रम संयोजक विवेक गौतम ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश सह मीडिया प्रभारी डॉ. अनिल पटेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेन्द्र पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष कमलेश्वर सिंह, विद्याप्रकाश श्रीवास्तव, डॉ. अजय सिंह, महाबली गौतम, राजेन्द्र ताम्रकार, जिला महामंत्री ममता गुप्ता, अशोक सिंह गहरवार, रामजी प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर पटेल, माया सिंह, रीतेश मिश्रा, साधना गुप्ता, नजमा बेगम, श्रीमती विमलेश मिश्रा, राजेश यादव, मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी, रविराज विश्वकर्मा, नरेन्द्र शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आईजीओटी प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित करें : डॉ सोनवणे

रीवा। जिले में विभिन्न विभागों में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदा में कार्य करने वालों का शासन के निर्देशों के अनुसार आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीयन कराया गया है। पंजीकृत शासकीय सेवकों को आईजीओटी पोर्टल तथा ऐप के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया है। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने कहा है कि शासन के निर्देशों के अनुरूप 15 से 19 सितम्बर तक कर्मयोगी आईजीओटी पोर्टल पर सीखें सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवधि में सभी पंजीकृत अधिकारी पोर्टल के माध्यम से दिए जा रहे कम से कम दिए जा रहे दो प्रशिक्षणों में अनिवार्य रूप से शामिल रहें। अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को भी आईजीओटी प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित करें। प्रभारी कलेक्टर ने कहा है कि विभाग द्वारा आईजीओटी पोर्टल पर प्रशिक्षण देने के लिए 12 सितम्बर तक सभी अधिकारी अधीनस्थों को समुचित निर्देश जारी करें।

विन मेडिसेल फार्मा - हेल्थ केयर
जनरल फिजीशियन एवं स्त्री रोग चिकित्सक (MBBS)
Fees: 100/-
• बुखार
• थकावट
• सर्दी-जुखाम
• बहुत तेज ठण्ड लगना
• सिर, हाथ, पैर दर्द एवं बदन दर्द
बार बार बुखार आना डेंगू और मलेरिया के लक्षण हो सकते हैं
कैशलेस एवं आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार
दवाइयों की फ्री होम डिलीवरी (मिनिमम ऑर्डर 500रू.)
समयः सायं 04 बजे से सायं 06 बजे तक
आज ही संपर्क करें 7898391090, 8085222741
नियर विकास आटा चक्की, मझियार रोड, नीम चौराहा, रीवा

भाजपा ने चुनाव आयोग को वश में करके की वोट चोरी: बाबा

रीवा। शहर कांग्रेस कमेटी रीवा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ढेकहा के संयुक्त आयोजकत्व में वार्ड 04 चोरहटा में वार्ड की जन समस्या को लेकर रीवा महापौर श्री अजय मिश्रा बाबा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महापौर श्री मिश्रा ने वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा बुलंद किया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग चुनाव आयोग को अपने वश में करके पूरे देश एवं प्रदेश में वोट चोरी कर अपनी सरकार बना रहे हैं, इन्होंने आज तक जितनी भी सरकारें बनाई है वह सारी सरकारें वोट चोरी की सरकार है। उन्होंने आगामी 17 सितंबर को पद्मधर पार्क में आयोजित श्रीयुत शताब्दी पर्व में सभी से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। इस दौरान कइयों ने महापौर के हाथों कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मंच संचालन ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश द्विवेदी काकू ने तथा आभार प्रदर्शन ब्लॉक महामंत्री प्रमोद मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में राजेश चतुर्वेदी, जगबहोर गौतम, रवि नाथ मिश्रा, मुरारी पयासी, जल सागर शुक्ला, पड़रा मण्डलम अध्यक्ष राजेश द्विवेदी राजू, राजेश तिवारी पप्पी उपध्यक्ष, शिवशरण मिश्रा, अनूप त्रिपाठी, कमल नयन पाण्डेय, राजेंद्र चतुर्वेदी, बल्मीक गौतम, सीता राम शुक्ला, अशोक चतुर्वेदी, अंकुर मिश्रा, जितेंद्र त्रिपाठी, जयदीप मिश्रा, राजेंद्र उर्मिलिया, राकेश मिश्रा, किशन मिश्रा, शुभ मिश्रा, अमित द्विवेदी, एस बी पाण्डेय, राजेंद्र द्विवेदी, रवि मिश्रा शारदा चौबे, अच्छे लाल साकेत, बाबूलाल साकेत, विराट साकेत, सूर्यबली मिश्रा, सन्नू मिश्रा, अभिलाष त्रिपाठी, दीपक मिश्रा, वेद प्रकाश मिश्रा, विनोद शुक्ला, तानिश तिवारी, अभी गौतम ओम पाण्डेय, सावित्री साकेत, शीला साकेत, अंजू साकेत, सविता यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
पता- नया बस स्टैण्ड के पास, श्रीचन्द्र हार्डवेयर के बगल से, शारदापुरम रोड, रीवा
आयुष्मान एवं मेडिक्लेम द्वारा निःशुल्क इलाज
फोन नं.: 07662-314775, मोबा.- 7771000668

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 72 ▸ अंक 342 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 09 सितंबर, 2025
आश्विन कृष्ण पक्ष 02, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

www.dainikjagranmpcg.com

हम तीन तरीकों से ज्ञान हासिल कर सकते हैं। पहला, मनन से- जो सबसे श्रेष्ठ है; दूसरा, अनुकरण से- जो सबसे सरल है; और तीसरा, अनुभव से- जो सबसे कड़वा है।
-कन्फ्यूशियस

संक्षिप्त खबरें

फ्रांस की सरकार गिरी

पीएम फ्रांस्वा अविश्वास प्रस्ताव हारे, इस्तीफा

पेरिस, जेएनएन। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को सोमवार को बड़ा राजनीतिक झटका लगा, जब प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बैरू संसद में अविश्वास प्रस्ताव हार गए। संसद में 364 बनाम 194 मतों से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। बैरू को पद संभाले महज आठ महीने हुए थे। अब वे मंगलवार सुबह राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौंपेंगे। 74 वर्षीय बैरू दो साल में तीसरे पीएम हैं, जिन्हें पद छोड़ना पड़ा। इससे पहले मिशेल बार्नियर दिसंबर 2024 में अविश्वास मत हारकर महज तीन महीने में इतिहास के सबसे कम कार्यकाल वाले फ्रांसीसी पीएम बने थे। उनसे पहले गैब्रिएल अटाल भी केवल आठ महीने टिक पाए थे। लगातार पीएम बदलने की स्थिति मैक्रों की अल्पमत सरकार की अस्थिरता को उजागर करती है।

नीतीश कटारा हत्याकांड

विकास को बेल के लिए हाईकोर्ट जाने का निर्देश

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नितीश कटारा हत्याकांड में दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि अब वे दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आगे की राहत मांगें। यह आदेश यादव के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उनकी मौजूदा अंतरिम जमानत 9 सितंबर, मंगलवार को खत्म हो रही है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की दो सदस्यीय पीठ ने यह आदेश दिया। सुनवाई के दौरान यादव के वकील ने दलील दी कि शीर्ष अदालत ही जमानत विस्तार पर सुनवाई करे, लेकिन कोर्ट ने यह मांग ठुकरा दी और कहा कि उन्हें हाईकोर्ट का रुख करना होगा। विकाश यादव 2002 के चर्चित नितीश कटारा हत्याकांड में 25 साल की सजा काट रहे हैं। अब तक सुप्रीम कोर्ट ने कई बार उनकी अंतरिम जमानत मेडिकल और पारिवारिक आधार पर बढ़ाई थी। हाल में, 24 अप्रैल को मां की तबीयत का हवाला देते हुए 8 मई तक जमानत दी थी। साथ ही निर्देश दिया था कि उनकी मां का एआईआईएमएस में मेडिकल परीक्षण कराया जाए।

एएसआई ने बार बाला संग लगाए ठुमके, दो सस्पेंड

जागरण, दतिया। प्रदेश के दतिया जिले से खाकी वर्दी को शर्मिंदा करने वाला घटनाक्रम सामने आया है। दतिया के सिविल लाइन थाने में पदस्थ एक एएसआई का बार बाला के साथ अश्लील डांस का वीडियो सामने आया है। वीडियो में एएसआई संजीव गौड़ दो महिलाओं के साथ फिल्मी गानों पर अश्लील हरकत करते दिखाई दे रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी सूरज वर्मा ने एएसआई और एक आरक्षक को सस्पेंड कर दिया है। घटना 2 सितंबर की बताई जा रही है। इस दिन सिविल लाइन थाने में पदस्थ आरक्षक राहुल बौद्ध की बर्थडे पार्टी एक होटल में रखी गई थी। इस दौरान दो बार बालाओं को भी बुलाया गया था। इसी पार्टी का एक वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें एएसआई संजीव गौड़ और कुछ अन्य युवक दोनों महिलाओं के साथ फिल्मी गानों पर डांस करते हुए अश्लील हरकतें करते दिखे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमा हरकत में आया। दतिया एसपी ने फौरन कार्रवाई करते हुए एएसआई संजीव गौड़ और आरक्षक राहुल बौद्ध को सस्पेंड कर दिया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव आज: विपक्ष बोला- यह विचारधारा की लड़ाई, लगाया 'क्रॉस वोटिंग' का आरोप

एनडीए को बढ़त; बीजद-बीआरएस का मतदान से दूर रहने का ऐलान

नई दिल्ली, जेएनएन। देश का राजनीतिक माहौल मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर पूरी तरह गर्म हो गया है। संसद भवन में होने वाले मतदान से पहले सत्तारूढ़ एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) और विपक्षी इंडिया गठबंधन दोनों ही अपनी-अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं। संख्याबल के लिहाज से एनडीए की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, लेकिन विपक्ष ने 'क्रॉस वोटिंग' की आशंका जताते हुए मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। चुनाव में असली उलटफेर तब हुआ जब ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की पार्टी बीजद और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस ने मतदान से दूर रहने का ऐलान कर दिया।

बीजद ने स्पष्ट किया कि वह राष्ट्रीय स्तर पर एनडीए और इंडिया दोनों से समान दूरी बनाए रखना चाहती है। बीआरएस ने कहा कि वह किसानों के मुद्दों पर दोनों ही राष्ट्रीय दलों की विफलता से नाराज है और इसी कारण चुनाव से दूरी बनाएगी। बीजद का यह रुख भाजपा के लिए राहत भरा माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि बीजद ने विरोध न करके अप्रत्यक्ष रूप से एनडीए का ही समर्थन किया है। वहीं कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मतदान से परहेज करना दरअसल भाजपा की मदद करना है। संयुक्त विपक्ष की ओर से जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी उम्मीदवार हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने चुनाव प्रबंधन को व्यवस्थित करने के लिए तीन वरिष्ठ सांसदों को पोलिंग एजेंट नियुक्त किया है। इनमें कांग्रेस सांसद डॉ. नसीर हुसैन, डीएमके के तिरुचि शिवा और टीएमसी के सुदीप बंदोपाध्याय शामिल हैं।

सोमवार को डॉ. नसीर हुसैन ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए विपक्षी खेमे में सेंध लगाकर क्रॉस वोटिंग कराने की कोशिश कर रहा है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि भले ही संख्याबल उनके खिलाफ है, लेकिन वे इस चुनाव को विचारधारात्मक लड़ाई के रूप में पेश करेंगे।

एनडीए की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन उम्मीदवार हैं। सोमवार को उन्होंने जदयू संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया। जदयू, एनडीए की अहम सहयोगी पार्टी है और उसके वोट भाजपा खेमे के लिए निर्णायक माने जा रहे हैं। एनडीए के पास 425 सांसदों का समर्थन सुनिश्चित है। इसके अलावा, वाईएसआर कांग्रेस और कुछ अन्य दलों के समर्थन से यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इसी आधार पर एनडीए को उम्मीद है कि उपराष्ट्रपति पद ■ शेष पृष्ठ 7 पर

सीपी राधाकृष्णन

बी सुदर्शन रेड्डी

संख्या का गणित

- संसद में कुल 781 सांसद हैं। बीजद और बीआरएस के मतदान से दूर रहने के बाद अब वोट डालने वालों की संख्या घटकर 770 रह गई है। इस हिसाब से बहुमत का आंकड़ा 386 है।
- एनडीए के पास 436 सांसदों का समर्थन है, यानी जीत उसके पक्ष में लगभग तय है।
- विपक्षी इंडिया गठबंधन के पास संख्याबल कम है, लेकिन वह क्रॉस वोटिंग की संभावना पर दांव लगा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष भले ही यह चुनाव न जीत पाए, लेकिन यदि उसे अपेक्षा से ज्यादा वोट मिले तो यह 2029 की राजनीति के लिए संकेतक होगा।

शाम पांच बजे तक होगा मतदान

उपराष्ट्रति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सांसदों द्वारा गुप्त मतदान से किया जाता है। मतदान मंगलवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इसके बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति भी होता है, इसलिए इस पद का राजनीतिक महत्व काफी अधिक है। उपराष्ट्रपति चुनाव हमेशा से सत्ता और विपक्ष के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न रहे हैं।

- **2002** में भाजपा समर्थित भैरोंसिंह शेखावत ने जीत दर्ज की थी।
- **2007** में कांग्रेस के हामिद अंसारी जीते और 2012 में भी पुनः निर्वाचित हुए।
- **2017** में एनडीए उम्मीदवार एम. वेंकैया नायडू उपराष्ट्रपति बने।
- **2022** में भाजपा समर्थित जगदीप धनखड़ ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की।
- इन नतीजों से स्पष्ट है कि जब-जब केंद्र में किसी गठबंधन का संख्याबल मजबूत रहा, उपराष्ट्रपति का पद उसी के पास गया।

इंदौर, जबलपुर सहित पांच जिलों के कलेक्टर बदले

दीपक नए जनसंपर्क आयुक्त खाड़े बने इंदौर संभागायुक्त

दीपक सक्सेना

सुदाम खाड़े

आशीष सिंह

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार ने सोमवार को देर शाम भारतीय प्रशासनिक सेवा के 14 अधिकारियों के तबादले कर दिए। इसमें पांच जिलों के कलेक्टर भी बदले गए है। जबलपुर के कलेक्टर रहे दीपक सक्सेना को नया जनसंपर्क आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा इंदौर और मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन के संभागायुक्तों को भी बदला गया है। जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम पंढरीनाथ खाड़े को इंदौर संभाग की कमान सौंपी गई है। वे इंदौर संभागायुक्त की जिम्मेदारी संभालेंगे। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को उज्जैन संभागायुक्त बनाया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में इंदौर, जबलपुर, कटनी, बड़वानी और आगर -मालवा के कलेक्टर बदले गए है। जबलपुर के कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना को विकअ सह आयुक्त जनसंपर्क मध्यप्रदेश तथा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश माध्यम (अतिरिक्त प्रभार) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर आगर-मालवा के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह को पदस्थ किया गया है। वे अब जबलपुर के नए कलेक्टर होंगे। इसी तरह कटनी कलेक्टर दिलीप कुमार यादव को इंदौर नगर निगम के आयुक्त के साथ अपर प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कंपनी लिमिटेड ■ शेष पृष्ठ 7 पर

सिंहस्थ को लेकर हुई जमावट

सोमवार को देर शाम हुई प्रशासनिक सर्जरी में इंदौर -उज्जैन पर ज्यादा फोकस रखा गया। विशेष कर सिंहस्थ को ध्यान में रखकर अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है। इस फेरबदल में इंदौर में सबसे ज्यादा बदलाव किया गया है। यहां के संभागायुक्त, कलेक्टर, निगमायुक्त और इंदौर विकास प्राधिकरण में नए अधिकारियों की पदस्थापना की गई है। सीएम इंदौर के पालक मंत्री भी हैं। पिछले दिनों आशीष सिंह को सिंहस्थ 2028 के मेला अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। तभी से यह माना जा रहा था कि सिंह की उज्जैन में वापसी होगी। दरअसल उज्जैन सिंहस्थ 2028 को लेकर सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। माना जा रहा है कि इंदौर-उज्जैन भेजे गए अधिकारी ही सिंहस्थ के दौरान कमान संभालेंगे। इनमें से अधिकांश अधिकारी सीएम के भरोसे के माने जा रहे हैं। कुछ अधिकारियों को उनके बेहतर कार्यों की वजह से अच्छी जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुछ को मंशानुरुप पोस्टिंग भी मिली है। हालांकि कुछ को जिलों से हटाकर मंत्रालय भेजा गया है।

आधी रात में 30 और आईपीएस के ट्रांसफर

प्रदेश सरकार ने सोमवार आधी रात के बाद 30 और आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। गृह विभाग से जारी आदेश में 13 जिलों के एसपी बदले गए हैं। इससे पहले सोमवार शाम को जारी आदेश में 20 आईपीएस अफसरों को इधर से उधर किया गया था। इस सूची में 2 जिलों के एसपी बदले गए थे। इस तरह सोमवार को दो आदेश में सरकार ने कुल मिलाकर 50 आईपीएस अफसरों के थोकबंद तबादले किए है।

(आईएएस और आईपीएस के तबादलों की सूची और 'राज्य सेवा के 16 अफसरों को आईएएस अवॉर्ड'- देखें- पेज 7एवं 9 पर)

सीएम ने गौसंवर्धन बोर्ड की बैठक में अधिकारियों को दिए लक्ष्य

विकसित करें स्वावलंबी गौशालाएं पशु चिकित्सकों की कमी होगी दूर

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर गौशालाओं से जहां राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, तो वहीं रोजगार भी उपलब्ध होते हैं। प्रदेश में स्वावलंबी गौशालाएं विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सीएम सोमवार को मंत्रालय में गौसंवर्धन बोर्ड की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में देसी नस्ल के गोपालन को प्रोत्साहित करने के लिए गिर, साहीवाल, मालवी और नागौरी नस्ल के पशुधन को प्रोत्साहित किया जाए. प्रदेश के जनजातीय अंचलों में भी गोपालन गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आवश्यक नवाचार किए जाएं। उन्होंने कहा कि गौ-शालाएं गोबर, गोमूत्र जैसे अपशिष्ट से धन अर्जित किया जा सकता है. इसलिए स्वावलंबी गौशालाएं विकसित की जाये और इन गौशालाओं में दुग्ध उत्पादों सहित गोमूत्र-गोबर आदि से निर्मित सामग्री की बिक्री की व्यवस्था की जाए. उन्होंने गौशालाओं की खाली जगहों का उपयोग करके सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन पर भी जोर दिया। डॉ. यादव ने कहा प्रदेश में पशुपालन-कृषि-उद्यानिकी तथा नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में समन्वित रूप से कार्य करने से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी और दुग्ध उत्पादन की दिशा में भी प्रदेश, देश के शीर्षस्थ राज्यों में शामिल हो सकेगा। सीएम ने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध पशुधन के अनुपात में पशु चिकित्सकों की संख्या कम है। गौवंश के बेहतर प्रबंधन और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए पशु चिकित्सकों की संख्या में बढ़ोतरी आवश्यक है।

गौशाला समितियों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही राशि

बैठक में जानकारी दी गई कि गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा गौशाला समितियों के बैंक खातों में राज्य स्तर से सीधे राशि अंतरित की जा रही है। बोर्ड द्वारा 937 नवीन गौशालाओं की स्थापना उपरांत पंजीयन किया गया है, जिसमें एक लाख 10 हजार गौवंश को आश्रय प्राप्त है।

जम्मू-कश्मीर का मामला

पहला विधायक पीएसए के तहत हिरासत में

जम्मू, जेएनएन, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी (आप) के इकलौते विधायक मेहराज मलिक को सोमवार को पुलिस ने पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत गिरफ्तार कर एक साल के लिए भद्रवाह जेल भेज दिया। यह पहली बार है जब प्रदेश में किसी मौजूदा विधायक को पीएसए के तहत हिरासत में लिया गया है। मलिक के खिलाफ 18 एफआईआर और 16 डेली डायरी रिपोर्ट दर्ज हैं। उन पर आरोप है कि वे लगातार लोक व्यवस्था भंग कर रहे थे। खासकर उन पर आरोप है कि बारिश और बाढ़ राहत कार्यों में उन्होंने अव्यवस्था फैलाने का काम किया।

बीयू का दीक्षांत समारोह: राज्यपाल ने विद्यार्थियों को डिग्री और स्वर्ण पदक दिए

मुख्यमंत्री बोले- सभी राज्यों में बोली जाने वाली भाषाएं ही हमारी राष्ट्र भाषा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे देश में कई तरह की भाषाएं बोली जाती है। सभी भाषाओं के अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी राज्यों की बोली जाने वाली भाषाएं हमारी राष्ट्रभाषा हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने राष्ट्रभाषा हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई कराने की पहल की है, जिसे काफी सराहना मिल रही है।

मुख्यमंत्री सोमवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल नौकरियों से न जोड़ा जाए, यह समाज में ज्ञान के सतत प्रसार का माध्यम है। राज्य में कुलपति को कुलगुरु की नई संज्ञा मिली है, जिसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली ने भी अपनाया है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में नवाचारों के साथ कृषि संकाय और फैशन डिजाइनिंग जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराई जा रही है। प्रदेश में प्राइवेट कॉलेज और शासकीय विश्वविद्यालयों को मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने के लिए सरकार पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है। इस मौके पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि यह केवल डिग्री प्राप्त करने का उत्सव नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और गुरुजनों के सफल मार्गदर्शन का प्रतिफल है। राज्यपाल ने समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री और स्वर्ण पदक प्रदान किए। कुलगुरु प्रो सुरेश कुमार जैन ने कहा कि आप कही भी जाएं अपने विश्वविद्यालय और अपने शहर को कभी न भूलें।

बीयू के दीक्षांत समारोह में सीएम और राज्यपाल ने दी डिग्रियां।

चोकसी को आर्थर रोड जेल में मिलेंगी 14 सुविधाएं

13850 करोड़ के पीएनबी घोटाले के आरोपी के प्रत्यर्पण के लिए केंद्र ने बेल्जियम को भेजा भरोसे का पत्र

नई दिल्ली, जेएनएन। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के 13,850 करोड़ के घोटाले के आरोपी और भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। केंद्र सरकार ने बेल्जियम सरकार को पत्र लिखकर भरोसा दिलाया है कि प्रत्यर्पण होने पर चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा, जहां उसे मानवीय आधार पर सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी।

चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। भारतीय एजेंसियों ने उसके प्रत्यर्पण की अपील की थी, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। चोकसी और उसका भतीजा नीरव मोदी इस घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। नीरव मोदी लंदन में है और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी जारी है। दोनों 2018 में भारत छोड़कर फरार हो गए थे। पत्र के अनुसार, जेल की कोठरियों में नियमित रूप से झाड़ू-पोंछा और पेस्ट कंट्रोल किया जाता है। नगरपालिका की ओर से नियमित पानी सप्लाई होती है। हर कोठरी में अटैच्ड टॉयलेट और बाथरूम है। कोठरी के भीतर नहाने की सुविधा भी मौजूद है। कैदियों को डॉक्टरों की सिफारिश पर विशेष आहार की सुविधा दी जा सकती है। जेल कैंटीन से फल और नाश्ते का विकल्प भी उपलब्ध है। कैदी आंगन में एक्सरसाइज कर सकते हैं और बोर्ड गेम्स तथा बैडमिंटन जैसे इनडोर खेलों का लाभ उठा सकते हैं। योग, मेडिटेशन और लाइब्रेरी की सुविधा भी मौजूद है। आर्थर रोड में 24 घंटे मेडिकल सेवाएं उपलब्ध हैं। यहां छह मेडिकल ऑफिसर, नर्स, फार्मासिस्ट और लैब टेक्नीशियन तैनात रहते हैं। जेल अस्पताल में 20 बिस्तरों का आईसीयू है।

बैरक नंबर-12 की स्थिति

गृह मंत्रालय ने बेल्जियम को भेजे पत्र में कहा है कि बैरक नंबर-12 में छह कैदियों की क्षमता वाली कोठरियां हैं। वर्तमान में इनमें से दो खाली हैं। कोठरियों में ग्रिल वाली खिड़कियां, वेंटिलेटर और सीलिंग फैन लगे हैं। मुंबई का मौसम अपेक्षाकृत संतुलित रहता है, इसलिए एयर कंडीशनर की व्यवस्था नहीं है।

तकनीक | सबसे पतला आईफोन कल लॉन्च करेगी एपल, फोल्डेबल फोन के लिए अभी और इंतजार

स्टीव जॉब्स के बाद इनोवेशन में पिछड़ रही एपल!

न्यूयॉर्क सिटी, जेएनएन। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक एपल मंगलवार 9 सितंबर को अपना वार्षिक लॉन्च इवेंट 'ऑव ड्रॉपिंग' आयोजित करेगी। इस इवेंट में आईफोन 17 सीरीज पेश की जाएगी। माना जा रहा है कि इस बार कंपनी अपना अब तक का सबसे पतला फोन आईफोन 17 एयर पेश करेगी। हालांकि, फोल्डेबल आईफोन का इंतजार इस साल भी लंबा खिंच गया है। यही वजह है कि सवाल उठ रहे हैं कि क्या स्टीव जॉब्स के निधन के बाद एपल इनोवेशन के मामले में पीछे रह गया है?

कई टेक विशेषज्ञ मानते हैं कि स्टीव जॉब्स (1976-2011) के दौर में एपल ने टेक्नोलॉजी की दुनिया को कई बार बदल दिया।

2001 में आईपॉड ने म्यूजिक इंडस्ट्री को डिजिटल किया। 2007 में पहला टचस्क्रीन आईफोन आया जिसने मोबाइल फोन की परिभाषा बदल दी। 2010 में आईपैड लॉन्च हुआ जिसने टैबलेट मार्केट बनाया।

जॉब्स का मंत्र था, 'लोगों को वो चीज दो जिसकी उन्हें जरूरत है, लेकिन वे अभी नहीं जानते।'

स्टीव जॉब्स के निधन के बाद टिम कुक ने कंपनी की कमान संभाली। उनके नेतृत्व में एपल की वैल्यूएशन 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंची। लेकिन इनोवेशन के मामले में कंपनी को क्रांतिकारी सफलता नहीं मिली। 2014 में एपल वॉच, 2016 में एयरपॉड्स और 2023 में विजन प्रो आए। ये प्रोडक्ट सफल जरूर रहे, लेकिन आईफोन या आईपैड की तरह 'रिवोल्यूशनरी' नहीं कहे गए। आईफोन और मैकबुक अब हर साल छोटे अपडेट्स- बेहतर कैमरा, तेज चिप, या नई स्क्रीन के साथ आते हैं।

2010 के दशक की शुरुआत में एपल मोबाइल इंडस्ट्री का बेताज बादशाह था। लेकिन आज सैमसंग, ओप्पो और शाओमी जैसे ब्रांड तेजी से इनोवेशन ला रहे हैं।

आईडीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की दूसरी तिमाही में सैमसंग ने 19.7 फीसदी ग्लोबल मार्केट शेयर हासिल किया, जबकि एपल 15.7 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

ऑव ड्रॉपिंग: इवेंट की खासियतें

एपल इस इवेंट में चार मॉडल पेश कर सकती है। इनमें आईफोन 17, आईफोन 17 एयर, आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स शामिल हो सकते हैं। इनके साथ एपल वॉच सीरीज 11 और नया आईओएस 26 भी लॉन्च होने की संभावना है।

सबसे पतला आईफोन: आईफोन 17 एयर एपल का अब तक का सबसे स्लिम फोन होगा। इसे आईफोन एक्स के बाद का सबसे बड़ा डिजाइन बदलाव माना जा रहा है।

कैमरा अपग्रेड: इस बार सभी मॉडल्स में 24एमपी सेल्फी कैमरा दिया जाएगा। प्रो मॉडल्स में पहली बार 8के वीडियो रिकॉर्डिंग मिल सकती है।

बैटरी और चार्जिंग: आईफोन 17 मैक्स प्रो में 5000एमएएच से ज्यादा बैटरी, 35डब्ल्यू वायर्ड और 25डब्ल्यू वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट मिलेगा।

एआई फीचर्स: एपल इंटैलिजेंस के साथ अपडेटेड सिरी, एआई-बेस्ड फोटो/वीडियो एडिटिंग और जेनमोजी जैसे नए फीचर्स आएंगे।

कीमत: भारत में आईफोन 17 की शुरुआती कीमत लगभग 79,900 रुपए और टॉप मॉडल मैक्स प्रो की कीमत 1,64,900 रुपए तक हो सकती है।

एपल के पिछड़ने के दो बड़े कारण

फोल्डेबल फोन्स में देरी: सैमसंग ने 2019 में पहला फोल्डेबल फोन लॉन्च किया। आज उसका इस मार्केट में 35.4 फीसदी ग्लोबल शेयर है। एपल अब तक फोल्डेबल फोन नहीं ला पाया।

एआई में धीमी रफ्तार: सैमसंग का गैलेक्सी एआई रियल-टाइम ट्रांसलेशन और स्मार्ट एडिटिंग जैसे फीचर्स के साथ भारत जैसे बाजार में हिट हो चुका है। एपल का एपल इंटैलिजेंस अभी शुरुआती स्टेज में है और सीमित फीचर्स ही देता है।

बड़ी चूक: सात साल की सजा, 11 साल जेल में रखा

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश: सरकार दे 25 लाख रुपए का मुआवजा

भोपाल, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार को बड़ी फटकार लगाते हुए एक बलात्कार के दोषी को 7 साल की सजा के बजाय 11 साल 6 महीने तक जेल में रखने के लिए 25 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने इसे 'गंभीर प्रशासनिक चूक' करार देते हुए कहा कि किसी भी हाल में नागरिक को अतिरिक्त अवधि तक जेल में रखना असंवैधानिक है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूरी फाइल, सजा कैलकुलेशन शीट, पैरोल-रिमिशन और आदेशों के पालन की जानकारी मांगी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि यह गंभीर प्रशासनिक विफलता है और इससे संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों का हनन हुआ है।

यह है मामला

यह केस सागर जिले के सोहन सिंह उर्फ बबलू से जुड़ा है। 2004 में ट्रायल कोर्ट ने उसे बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ सोहन सिंह ने हाईकोर्ट में अपील की। अक्टूबर 2007 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सजा घटाकर 7 साल कर दी। कानूनी प्रक्रिया के अनुसार उसकी रिहाई 2021 में हो जानी चाहिए थी, लेकिन लापरवाही के चलते वह जेल में ही रहा।

लीगल एड के जरिए वरिष्ठ अधिवक्ता महफूज ए. नाजकी ने यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाया। उनकी पैरवी के बाद यह तथ्य सामने आया कि सोहन सिंह को 4 साल 7 महीने अतिरिक्त जेल में रखा गया। जून 2025 में वह आखिरकार रिहा हुआ। इसके बाद उसने मुआवजा मांगने की याचिका दायर की।

ग्लैमर और प्रलोभन से दूर रहें भावी पत्रकारः अतुल तारे

एमसीयू में हुआ छात्र संपादक संवाद

रीवा। पत्रकारिता कोई व्यवसायिक चकाचौंध नहीं, यह समाज के प्रति उत्तरदायित्व का तप है। यह विचार वरिष्ठ पत्रकार अतुल तारे ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर में आयोजित छात्रों से संवाद कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भावी पत्रकारों को ग्लैमर और प्रलोभन के मायाजाल से बचना चाहिए। पत्रकारिता में प्रवेश का कारण बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर से उठने वाली सच्चाई की साध होनी चाहिए। अतुल तारे ने छात्रों से कहा कि पत्रकारिता पेशा नहीं, बल्कि एक पवित्र मिशन है। उन्होंने विशेष रूप से ग्राउंड रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित कहा कि सकारात्मक प्रयासों को मुखर करना, और आमजन की आवाज को खबरों के माध्यम से मंच प्रदान करना, पत्रकार का प्रथम धर्म है। दूसरे वक्ता के रूप में अनुराग उपाध्याय ने कहा कि पत्रकारिता में सफलता का प्रथम आधार निरंतर अध्ययन है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जब गहन अध्ययन और शोध के साथ निकलेंगे, तो उद्योग और संस्थान उनके स्वागत को तत्पर खड़े मिलेंगे। श्री उपाध्याय ने पत्रकारिता के सामाजिक सरोकारों को रेखांकित करते हुए कहा कि पत्रकार केवल समाचार संप्रेषक नहीं, बल्कि समाजसेवी भी होता है। पत्रकार की दृष्टि इतनी पैनी और निर्भीक होनी चाहिए कि कभी-कभी वह जाँच एजेंसियों के लिए भी सहायक सिद्ध हो जाती है। विश्विद्यालय के एडजंक्ट प्रोफेसर जयराम शुक्ल ने कहा कि भावी पत्रकारों के लिए सतत अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। पत्रकार के पास सबसे बड़ा साधन उसका शब्दकोष होता है, और यह शब्द-संपदा केवल निरंतर अध्ययन से ही विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में आभार ज्ञापन करते हुए डॉ. सत्येन्द्र डेहरिया ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भविष्य में भी ऐसे आयोजन विश्वद्यालय परिसर में निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और प्रेरणा मिलती रहे। इस दौरान शिक्षक डॉ.बृजेश पाण्डे, डॉ नवीन तिवारी, प्रो.आरती श्रीवास्तव, डॉ सुनील सिंह, डॉ अजीत मिश्रा, डॉ.नीति मिश्रा, प्रो.शैलेन्द्र द्विवेदी, प्रो. कनिष्क तिवारी, अतिथि विद्वान अखण्ड प्रताप सिंह, समेत विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेडिकल नशे की बिक्री करने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई

रीवा। लगातार बढ़ते हुए मेडिकल नशा के विरोध में हिंदू उत्सव समिति परिवार के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक के नाम संबोधित ज्ञापन डीएसपी हिमाली पाठक को सौंपा। इस अवसर पर समिति के आजीवन संरक्षक सुनील अग्रवाल एवं नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा ने कहा कि इस माह नवरात्रि का पावन पर्व प्रारंभ होगा। इस दौरान नगर के विभिन्न वार्डों व मोहल्लों में माता रानी के पंडाल सजेंगे तथा मंदिरों में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे। साथ ही रीवा शहर में कई बड़े सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। ऐसे समय में यह आवश्यक है कि लोग बिना भय और शांति से उत्सव में शामिल हो सकें। इसके लिए जरूरी है कि मेडिकल नशे की बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। वर्तमान समय में अधिकतर अपराध चोरी, राहजनी, लूट, चैन स्नैचिंग और मारपीट की घटनाएं इसी नशे की वजह से बढ़ रही हैं। नशे की चपेट में आने के कारण युवाओं का भविष्य चौपट हो रहा है और उनके परिवारजन बेहद परेशान हैं। ज्ञापन सौंपने में समिति के संस्कृति सचिव राजमणि तिवारी, भोला युवा शाखा अध्यक्ष राजीव वर्मा गुड्डू, नगर उपाध्यक्ष मनीष साहू, नगर युवा शाखा अध्यक्ष राजेश साहू, ब्लॉक प्रमुख (चिरहुला) पवन कुशवाहा, ब्लॉक प्रमुख (महामृत्युंजय) मोतीलाल नामदेव, ब्लॉक प्रमुख (लक्ष्मण बाग) शिव यादव, ब्लॉक प्रमुख (पचमठा) राजेश नामदेव, वार्ड अध्यक्ष आशीष विश्वकर्मा, प्रवीण गुप्ता, पुनीत वर्मा, प्रिंस प्रधान, शनि यादव, आर्यन ताम्रकार, प्रकाश सोनी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग

रीवा। रवींन्द्र भवन भोपाल में ऊर्जा विभाग द्वारा सभी संगठनों को आमंत्रित किया गया था किंन्तु विद्युत पेंशनर्स संगठन के साथ भेदभाव व उपेक्षा पूर्ण रवैया एवं अनदेखी करने के विरोध में प्रदेश के विभिन्न शाखाओं के साथ शाखा रीवा से ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष अनिल पाण्डेय, प्रांतीय सचिव शोभनाथ पटेल, सचिव अशोक मिश्रा, एडमिन वैदेहीशरण चतुर्वेदी, अभिमन्यु सिंह, यामिन खांन, आरके तिवारी, मुरारीलाल मिश्रा, रामावतार सोनी, अशोक शुक्ला, एसपी तिवारी, आरके शुक्ला, उग्रसेन पटेल के साथ सदस्यों में आर के सिंह, राममनोहर द्विवेदी, घनश्याम प्रसाद मिश्रा, आरबी सिंह, आर एन चतुर्वेदी, राजेंन्द्र सिंह, बृजेंन्द्र सिह बघेल एवं संतोष कुमार त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री का ज्ञापन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

जिले में अब तक 760.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज : रीवा। जिले में एक जून से अब तक 760.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने जिले की औसत वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

आम इश्तहार

(सार्वजनिक सूचना)

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि भूमि खसरा नं. 1336/2, 1337/2, 1338/2, 1339/2 कुल रकवा 2.04 ए. स्थित ग्राम बुढ़िया, हल्का 13 तहसील रायपुर कर्चुलियान, जिला रीवा के संबंध में तृतीय व्यवहार न्यायालय वरिष्ठ खण्ड रीवा (श्री पन्ना नागेश) के समक्ष व्यवहारवाद प्रकरण क्रमांक 732ए/2024 कु. नीलम सिंह बनाम केनरा बैंक व अन्य विचाराधीन है। उपरोक्त आराजियात का स्वत्व बावत् विवाद न्यायालय के समक्ष विचाराधीन होने से इन आराजियात के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म द्वारा कोई क्रय विक्रय या अन्य सम्व्यवहार किया जाता है तो वह स्वयं दायित्वाधीन होगा सो सूचित रहे।

रीवा, दिनांक:-

भवदीय
प्रेम सागर उपाध्याय एड.
जिला न्यायालय रीवा

RN-84527

आम इश्तहार

(सार्वजनिक सूचना)

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि भूमि खसरा नं. 3/20/2 रकवा 1320 स्थित मौजा पड़रा, हल्का ढेकहा, तहसील हुजूर नगर, रीवा जिला रीवा के संबंध में तृतीय व्यवहार न्यायालय वरिष्ठ खण्ड रीवा (श्री पन्ना नागेश) के समक्ष व्यवहारवाद प्रकरण क्रमांक 662ए/2024 रज्जन सिंह बनाम नीतू सिंह व केनरा बैंक वगैरह विचाराधीन है। उपरोक्त आराजियात का स्वत्व बावत् विवाद न्यायालय के समक्ष विचाराधीन होने से इन आराजियात के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म द्वारा कोई क्रय विक्रय या अन्य सम्व्यवहार किया जाता है तो वह स्वयं दायित्वाधीन होगा सो सूचित रहे।

रीवा, दिनांक:-

भवदीय
प्रेम सागर उपाध्याय एड.
जिला न्यायालय रीवा

RN-84528

Ministry of Youth Affairs and Sports

Government of India

National Youth Award 2024

With reference to the advertisement published on **25th August, 2025, the last date for submission of applications for the award has been extended to 30th September, 2025.**
Website: https://awards.gov.in/
All other details of the advertisement remain unchanged.
cbc47107/11/0010/2526

उप नाम सुधार सूचना

मै कल्पना गौतम पति श्री राम करन गौतम उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम बीरखाम तहसील सिरमौर जिला रीवा म.प्र की निवासी हूँ। शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि आधार नं. 7638 1957 8661 है। मेरा विवाह हिन्दू वैदिक रीत-रिवाज के अनुसार राम करन गौतम के साथ सम्पन्न हुई है। विवाह के बाद पत्नी अपने पति के नाम एवं सरनेम से जानी व पहचानी जाती है। विवाह के पूर्व मेरा नाम कल्पना शुक्ला पुत्री आलोपी प्रसाद शुक्ला था। वर्तमान में मेरा नाम कल्पना गौतम पति श्री राम करन गौतम हो गया है। अत: सभी अभिलेखों में मेरा नाम कल्पना शुक्ला की जगह कल्पना गौतम नाम लिखा, पढा व माना जाय।

RN-82786 — **कल्पना गौतम**

उत्तर मध्य रेलवे

खुली निविदा संख्या : JHS-RCNK-M-BIO-24-25-14R2

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से अनुभवी / इच्छुक ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम : आरसीएनके/झांसी में संबद्ध उपकरणों के प्रावधान के साथ- साथ पोर्टेबल केबिन की स्थापना और कमीशनिंग के साथ बायो-टॉयलेट लैब की स्थापना।

कार्य की लागत : Rs. 25,28,378.65/- (18% जीएसटी सहित) | **अग्रिम राशि** : Rs. 50,600/-

कार्य पूरा होने का समय : बारह महीने / **ऑनलाइन निविदा समापन तिथि एवं समय** : **26.09.2025 समय 11:00 बजे तक**

निविदा एवं निविदा प्रारूप के बारे में विस्तृत जानकारी **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। **1611/25 (D)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.: C/JHS/158/Catg/JHS/PMBJKs/VGLJ — **दिनांक:** 04.09.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) - झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है :-

श्रेणी : पी.एम.बी.जे.के. | **केटलोग संख्या** : PMBJK-VGLJ-05

एसेट्स डिटेल्स: 03 वर्ष की अवधि के लिए वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) का रखरखाव और संचालन।

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय : दिनांक 18.09.2025 को समय- 10:30 बजे से

ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय : दिनांक 18.09.2025 को समय- 11:00 बजे तक

नोट- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेवसाइट- **www.ireps.gov.in** के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **1608/25 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.:- 5220252026 — **दिनांक: 03.09.2025**

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **29.09.2025** को **13:30** बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।:-

निविदा नं.: 146, **कार्यों का विवरण:** वरिष्ठ मण्डल इन्जीनियर/प्रथम/प्रयागराज के क्षेत्राधिकार में झाँसी मण्डल के बरूआ सागर डिपो में (प्रयागराज मण्डल के उपयोग हेतु) मशीन के द्वारा तोड़ी गई 65 एम. एम. गेज की 100000 घनमीटर हार्ड स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति चट्टा लगाकर एवं रेलवे वैगनों/हापरो तथा के.सी. वैगनों में लदान करने का कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 8,74,15,000/- | **बयाने की रकम (₹)** : ₹ 5,87,100/-

कार्य समापन की अवधि: 12 माह | **निविदा खुलने की तिथि:** 29.09.2025

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: सप्लाई आफ मशीन क्रस्ड स्टोन बैलास्ट/स्टोन एग्रेगैटस

नोट: (1) आनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। **1609/25 (MG)**

North central railways | @ CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

MP POORV KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.

BLOCK NO.7, SHAKTI BHAWAN, RAMPUR, JABALPUR (M.P.)
Tel No:0761 2702473, Fax No.0761-2660048
CIN: U40109MP2002SGC015120

No. SE/O&M/SNI/PUR/2025-26/TS-85/2854 — **TENDER NOTICE** — Seoni, dtd: 02.09.2025

Online Tenders are invited for The following works under (O&M) Circle MPPKVVCL Seoni:-

Sr. No.	T.S. No. (For e-Tendering) DISCOM/EZ/PUR	Particular of work	APPROX VALUE (in Rs. Lakhs)	TENDER FEE Including GST (in Rs)	Due date & times of Opening of Tender Online From 12:30 P.M.
1.	SE/O&M/SNI/PUR/2025-26/TS-85/2854 dt. 02.09.2025, ET-2025_PKVVC_448618_1	Award of Contract for system strengthening works for survey, installation, 5MVA/8MVA 33/11kv Substation under different schemes in awarded area under Seoni Circle.	46.00	2360.00	22.09.2025

*Other details can be seen in the complete tender documents available on e-portal https://mptenders.gov.in.
SAVE ENERGY FOR BETTER TOMORROW — S.E. (O&M) Seoni
"विद्युत अनियमितता संबंधी शिकायत के लिए वी मित्र ऐप डाउनलोड करें और पाएं रू.50,000 तक का इनाम।"

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस"

कार्यालय प्राचार्य - छत्रसाल शासकीय अग्रणी स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना (म.प्र.)
(नैक द्वारा ग्रेड- B++ प्रदत्त)
Off. 07732-252020 E-Mail: hegcpgcpan@mp.gov.in
Website: https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=305

क्रमांक/ 2207/स्था./पुस्तकालय/2025 — दिनांक: 08.09.2025

पुस्तकें एवं स्टेशनरी क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना 2025-2026

म.प्र. शासन द्वारा अनुसूचति जति एवं अनुसूचित जनजाति के नियमित विद्यार्थियों को नि:शुल्क पुस्तके एवं स्टेशनरी प्रदाय योजनान्तर्गत आवंटित राशि एवं महाविद्यालय के विभिन्न मदो से आवश्यकतानुसार ग्रंथालय पुस्तकें एवं स्टेशनरी क्रय हेतु पुस्तकालय विभाग प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में पंजीकृत प्रतिष्ठानों / फर्मो से निर्धारित शर्तो के अधीन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाकार महाविद्यालय द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्र को भरकर निविदा के साथ अमानत राशि रु 6000 (छ हजार रूपये) का डिमांड ड्राफ्ट जो प्राचार्य छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के नाम देय हों को फर्म का पंजीयन प्रमाण पत्र के साथ मुहरबंद लिफाफे में केवल स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित करे। जो दिनांक 29.09.2025 को सायं 05:00 बजे तक महाविद्यालय में अनिवार्यत: प्राप्त हो जानी चाहिये। निविदा प्रपत्र में किसी भी तरह का परिवर्तन स्वीकार नहीं होगा उक्त तिथि के पश्चात प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। निविदा के संबंध में प्राचार्य का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। निविदा हेतु निविदा प्रपत्र, नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी महाविद्यालय में कार्यालयीन समय तथा महाविद्यालय की बेबसाईट https://highereducation.mp.gov.in/\orgid=305 से प्राप्त की जा सकती है। एफ.ओ.आर. शासकीय महाविद्यालय पन्ना तथा सम्बंधित महाविद्यालय देय होगा।

विपिन कुमार, ग्रंथपाल — पुस्तकालय प्रभारी — डॉ. एस.डी. चतुर्वेदी, प्राचार्य

उत्तर मध्य रेलवे

सं-C/JHS/158/GWL-ORAI/WVMs/e-Auction/2025 — **दिनांक** -04.09.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)- झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई -नीलामी आमंत्रित की जाती है :-

श्रेणी : Misc- Static- Service- Water Vending Machines

केटलोग संख्या : WVM- JHS-05

एसेट्स डिटेल्स

झाँसी मंडल के ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर वाटर वेडिंग मशीन के ठेके हेतु ई-नीलामी

यूनिट्स (स्टेशन) :03-यूनिट-(ग्वालियर रेलवे स्टेशन)

प्लेटफार्म एवं लोकेशन

1. प्लेटफॉर्म-1- एक मशीन आउट्वर्ड पार्सल ऑफिस के निकट आगरा छोर। 2. प्लेटफॉर्म-2/3- एक मशीन वाटर बूथ एवं ओ.एस.ओ.पी के मध्य आगरा छोर। 3. प्लेटफॉर्म-4 एक मशीन वाटर सी.ओ.पी स. 8 एवं सी.ओ.पी स. 9 के मध्य वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी छोर।

यूनिट्स (स्टेशन) :02-यूनिट-(उरई रेलवे स्टेशन)

प्लेटफार्म एवं लोकेशन

1. पिलर नंबर 1241/26 और 1241/24 के बीच-कानपुर (CNB) छोर प्लेटफॉर्म संख्या 01.
2. पिलर नंबर 1241/20 और 1241/21 के बीच-झाँसी (JHS) छोर प्लेटफॉर्म संख्या 01.

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय : दिनांक -18.09.25 को समयः - 11:15 से

ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय : दिनांक -18.09.25 को समयः - 11:55 तक

नोट:- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट- **www.ireps.gov.in** के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **1607/25(DG)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

चोर कहने वाले खुद भ्रष्ट, इनको जेल भेंजेः इंजी.दिवाकर

रीवा। श्री जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजी.दिवाकर सिंह ने जारी बयान में कहा है कि समाज हित में काम करने वाले उद्योगपतियों को चोर कहने वाले खुद भ्रष्ट हैं। जमानत पर जेल से बाहर घूमने वाले इन नेताओं की नए सिरे से जांच की जाय। माननीय न्यायालयों से अपील है कि इन चोरों की जमानतें रद्द कर जेल भेजा जाय। संवैधानिक संस्थाएं देश की जनता के विश्वास की धरोहर हैं जिन पर गंदे आरोप लगा अपराधी देश की महानता को निज स्वार्थ के लिए दांव पर लगा रहे हैं। इन्हें जल्द से जल्द जेल भेजने की कार्यवाही माननीय न्यायालय करे। संविधान की शुचिता व मर्यादा खत्म करने की आजादी किसी को नहीं है।

सहकारिता के क्षेत्र में जीएसटी में कमी सराहनीय कदमः गौतम

जागरण, रीवा। जीएसटी काउंसिल की बैठक में जीएसटी की दरों में भारी कमी कर भारतीय नागरिकों को महंगाई से बड़ी राहत प्रदान की गई है। सहकारिता के क्षेत्र में जीएसटी में कमी केन्द्र सरकार का सराहनीय कदम है। सहकार भारती के केके गौतम ने पूरे सहकारिता जगत की ओर से केन्द्र सरकार के सराहनीय निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इस निर्णय से औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार, रोजगार सृजन, व्यापार में वृद्धि तथा घरेलू खपत को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रकार भारत में निर्मित उत्पादों और सेवाओं की खरीद के प्रति नागरिकों को सामर्थ्य, प्रेरणा प्राप्त होगी। इस अर्थव्यवस्था से नई ऊर्जा और उंचाई मिलेगी, ऐसा सहकार भारती को विश्वास है। जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा सेवाओं में छूट के कारण नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु लड़की एवं महिलाओं की आवश्यकता है। वेतन 5,000 से 10,000+कमीशन बोनस उम्र 18 वर्ष से 35 वर्ष
पता-न्यू बस स्टैंड रीवा मध्यप्रदेश
संपर्क नं.-9752075387
आर-84258 (3/10)

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रॉक : बी.46पी/अन्तिम भुगतान/पेंशन अदालत — **दिनांक : 03.09.2025**

अधिसूचना

वैगन मरम्मत कारखाना, झॉसी उत्तर मध्य रेल, द्वारा दिनांक 15 दिसम्बर 2025 को पेंशन अदालत का आयोजन।

रेलवे बोर्ड के **निर्देशानुसार** वैगन मरम्मत कारखाना झॉसी द्वारा **दिनांक 15.12.2025 (सोमवार)** को **समय 11.00 बजे** मुख्य कारखाना प्रबन्धक कार्यालय के मीटिंग हॉट में **पेंशन अदालत** आयोजित की जायेगी। सेवानिवृत्त कर्मचारी/मृतक कर्मचारियो के आश्रित, यदि उन्हे सेवानिवृत्ति देय या पेंशन से सम्बन्धित कोई शिकायत है, तो अपना आवेदन विहित रूप में दिनांक 30.09.2025 तक कार्यालय में रखी गई पेटिका में डाले या निम्नलिखित पते पर डाक द्वारा भेज सकते है।

पता किस पर आवेदन भेजना हैं।	आयोजन-स्थल
वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, वैगन मरम्मत, कारखाना उत्तर मध्य रेल, झॉसी ।	मीटिंग हॉल, मुख्य कारखाना प्रबन्धक, कार्यालय।

वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी
वैगन मरम्मत कारखाना, झॉसी

आवेदन का प्रारूप

01. आवेदन/ आवेदिका का नाम-
02. भूतपूर्व कर्मचारी का नाम-
03. टिकट संख्या/कर्मचारी संख्या-
04. पदनाम एवं अन्तिम कार्यस्थल
05. पूर्व कर्मचारी के साथ आवेदक/ आवेदिका का सम्बन्ध-
06. वर्तमान पता-
07. सेवानिवृत्ति तिथि-
08. सेवा निवृत्ति का प्रकार (सामान्य / स्वैच्छिक/अनिवार्य)-
09. पी.पी.ओ. संख्या (छाया प्रति संलग्न की जाये)
10. अन्तिम वेतन एवं वेतनमान-
11. शिकायत का विस्तृत विवरण-
12. मोबाईल नं0 एवं सम्बन्धित पे ग्रुप संख्या-

आवेदक/आवेदिका के हस्ताक्षर

नोट- कृपया लिफाफे के पेंशन अदालत दिसम्बर-2025 का उल्लेख करें तथा आवेदन 03 प्रतियों में समस्त प्रपत्रों सहित उपलब्ध करायें ।

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in — **1626/25 (C)**

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म0प्र0)

N.I.T क्र. 04(E.T.)/Revenue/न.पा.नि./2025-26 — सतना, दिनांक 29.08.2025

-:: निविदा आमंत्रण सूचना (पंचम काल) ::-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सतना के क्षेत्रान्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना उतैली एवं अन्य स्थल की निर्माणाधीन दुकानों को विक्रय हेतु लम्प-सम्प दर पर निविदा बुलायी जा रही है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	एन.आई.टी. क्र. व दि.	टे.क्र.	नाम / स्थान	दुकान क्रमांक	साईज वर्गमीटर	निर्धारित प्रीमियम	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	आरक्षण की स्थिति
01	04/01 29.08.2025	2025_UAD _448060_1	प्रधानमंत्री आवास योजना उतैली	11	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	विधवा महिला
02	04/02 29.08.2025	2025_UAD _448063_1		14	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
03	04/03 29.08.2025	2025_UAD _448065_1		15	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जन जाति महिला
04	04/04 29.08.2025	2025_UAD _448066_1		16	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
05	04/05 29.08.2025	2025_UAD _448068_1		18	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
06	04/06 29.08.2025	2025_UAD _448069_1		19	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
07	04/07 29.08.2025	2025_UAD _448071_1		24	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
08	04/08 29.08.2025	2025_UAD _448072_1		25	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति
09	04/09 29.08.2025	2025_UAD _448073_1		26	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
10	04/10 29.08.2025	2025_UAD _448074_1		27	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति
11	04/11 29.08.2025	2025_UAD _448080_1		28	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
12	04/12 29.08.2025	2025_UAD _448082_1		32	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
13	04/13 29.08.2025	2025_UAD _448083_1	प्रधानमंत्री आवास योजना उतैली	35	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	दिव्यांग
14	04/14 29.08.2025	2025_UAD _448084_1		39	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग महिला
15	04/15 29.08.2025	2025_UAD _448085_1		40	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति
16	04/16 29.08.2025	2025_UAD _448086_1		52	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति
17	04/17 29.08.2025	2025_UAD _448087_1		53	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
18	04/18 29.08.2025	2025_UAD _448088_1		55	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति
19	04/19 29.08.2025	2025_UAD _448090_1		56	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जन जाति
20	04/20 29.08.2025	2025_UAD _448092_1		57	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनुसूचित जाति महिला
21	04/21 29.08.2025	2025_UAD _448093_1		58	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
22	04/22 29.08.2025	2025_UAD _448094_1		60	15.00	7,00,000/-	1,75,000/-	1,000/-	अनारक्षित
23	04/23 29.08.2025	2025_UAD _448096_1	सी.एम.एच.ओ. कार्यालय के पीछे धवारी (अष्ठम काल)	05	93.61	5,86,285/-	1,46,571/-	1,000/-	अनुसूचित जाति महिला
24	04/24 29.08.2025	2025_UAD _448097_1	नजीराबाद थोक मत्स्य सह मीट मार्केट की निर्मित दुकान (तृतीय काल)	15	83.82	10,84,730/	2,71,183/-	1,000/-	अनारक्षित

शर्तें-:

1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 04.09.2025 समय 17:30 से दिनांक 04.10.2025 समय 17:30 बजे तक आनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा में संसोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संसोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी।
3. वार्षिक पट्टा भाटक प्रथम 10 वर्ष हेतु स्वीकृति प्रीमियम का 0.5 प्रतिशत एवं आगामी 20 वर्षो हेतु स्वीकृत प्रीमियम का 2 प्रतिशत होगा।

सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)

सीएम संकल्प: जीईसी में कोडिंग लैब का दिया प्रशिक्षण

जागरण,रीवा। शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय में सीएम संकल्प योजना के अंतर्गत कोडिंग लैब के फेज-1 में फाउंडेशन कोर्स की 40 घंटे का प्रशिक्षण एवं फेज-2 में एडवांस कोर्स का 60 घंटे का प्रशिक्षण शासकीय पालीटेक्निक कॉलेज के छात्रों को दिया गया। कोडिंग लैब के प्रशिक्षण का कार्य संस्था के प्राचार्य डॉ आर.पी. तिवारी एवं कोडिंग लैब समन्वयक डॉ एके दोहरे (विभागाध्यक्ष- इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर साइंस) के मार्गदर्शन में कॉलेज के कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट की फैकल्टी द्वारा पूर्ण किया गया। यह प्रशिक्षण कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट की फैकल्टी ने सुबह प्रतिदिन दो घंटे अतिरिक्त समय देकर पूरा किया। कोडिंग लैब के प्रशिक्षण उपरांत संस्था के प्राचार्य डॉ आरपी तिवारी एवं कोडिंग लैब समन्वयक डॉ एके दोहरे द्वारा सभी छात्रों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गये, तथा इस योजना का मुख्य उद्देश्य भी छात्रों को बताया गया। कोडिंग लैब प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमाण पत्र वितरण समारोह के आयोजन को सफल बनाने में प्रो.मनोज चौहान, प्रो.यशवंत पुरी गोस्वामी, शरद मिश्रा, अनिरूद्ध सिंह, इच्छा श्रीवास्तव, स्मिता मिश्रा, रितु सिंह, संजय वर्मा, प्रीति वर्मा, सौम्या पाण्डेय तथा प्रतिमा सिंह ने अपना योगदान देकर सराहनीय कार्य किया।

डॉ.दीपक कुलश्रेष्ठ को मिला आचार्य सुश्रुत पुरस्कार

आयुर्वेद कॉलेज के प्राध्यापकों सहित अन्य ने दी शुभकामनाएं

रीवा। विंध्य क्षेत्र के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ.दीपक कुलश्रेष्ठ को भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में आचार्य सुश्रुत पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर कुलश्रेष्ठ रीवा स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य भी है। बताया गया है कि एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा गत 7 सितंबर को आचार्य सुश्रुत पुरस्कार 2025 के पुरस्कारों की घोषणा की गई। मध्य प्रदेश के पांच आयुर्वेद चिकित्सकों को यह पुरस्कार जिनका शल्य तंत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है उनको दिया गया है। इसके लिए रीवा के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ दीपक कुलश्रेष्ठ को इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। जो कि विगत 30 वर्षों से आयुर्वेद शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे है। उनके द्वारा बवासीर, भगंदर के लिए क्षारसूत्र चिकित्सा, लीच थैरेपी, अग्निकर्म आदि का प्रयोग किया जाता है। पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र, शॉल श्रीफल, नगद राशि प्रदान की गई। पुरस्कार से पूरे विंध्य क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। आयुर्वेद महाविद्यालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं द्वारा बधाई एवं हर्ष व्यक्त किया गया है।

ज्ञान विज्ञान तथा संस्कृति महोत्सव में सरस्वती दीनदयाल के छात्रों ने फहराया परचम

रीवा। सरस्वती विद्यालय दीनदयाल धाम के प्रतिभावान छात्रों ने जिला स्तरीय ज्ञान विज्ञान वैदिक गणित तथा संस्कृति महोत्सव की विभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय के आयुष चतुर्वेदी गणित प्रयोग प्रथम स्थान, अनिरुद्ध सिंह तिवारी वैदिक गणित पत्र वाचन में प्रथम स्थान, वर्षा तिवारी गणित प्रदर्शन में द्वितीय स्थान, हिमांशी कुशवाहा विज्ञान पत्र वाचन में प्रथम स्थान, अमित साहू गणित प्रयोग में प्रथम स्थान, आरोही सेन विज्ञान प्रदर्शन में प्रथम स्थान, सिद्धि सोनी विज्ञान प्रदर्शन में प्रथम स्थान, हिमांशु कुशवाहा विज्ञान प्रथम स्थान, तथा संस्कृति महोत्सव में आराध्या मिश्रा एकल भजन में प्रथम स्थान, श्रृति पांडे व्यक्तिगत गीत में प्रथम स्थान, रेशम पाल शास्त्रीय गायन में प्रथम स्थान, अंशिका पांडे सिद्धि शुक्ला, ज्ञानू पांडे सरस्वती वंदना में प्रथम स्थान, ऋषिका श्रीवास्तव व्यक्तिगत गीत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। समिति के पदाधिकारी संस्थापक संरक्षक डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, सत्य नारायण दुबे सरस्वती गुप्ता बिहारी लाल गर्ग रामगोपाल विश्वकर्मा, प्राचार्य संतोष कुमार पटेल एवं समस्त आचार्य व दीदी ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल शालेय खेल प्रतियोगिता 22 से 26 सितम्बर तक

500 से अधिक खिलाड़ी और स्टाफ आएंगे, व्यवस्था में जुटा विभाग

जागरण,रीवा

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 22 से 26 सितम्बर तक रीवा में राज्य स्तरीय शालेय खेल वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसको लेकर विभाग तैयारियों में जुटा है। सोमवार को प्रशासनिक बैठक भी आयोजन के संबंध में की गई ताकि किसी प्रकार की कोई लापरवाही आयोजन को लेकर न हो। 17 वर्ष तक की आयु के बालक और बालिका वर्ग में वालीबॉल की प्रतियोगिता होगी। जिसमें करीब 500 खिलाड़ी व स्टाफ रीवा पहुंचेंगे। सभी मैच शासकीय उत्कृष्ट मार्तण्ड उमावि क्रमांक एक और क्रमांक तीन के मैदान में खेले जाएंगे। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि प्रतियोगिता से जुड़े विभिन्न विभाग के विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी अधिकारी सौंपी गई जिम्मेदारी के अनुसार आवश्यक प्रबंध करें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि नगर निगम द्वारा प्रतियोगिता स्थल में साफ-सफाई तथा पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रतियोगिता के दौरान मेडिकल टीम आवश्यक दवाओं के साथ तैनात रखें। प्राचार्य मार्तण्ड उमावि प्रतियोगिता के लिए मैदान तैयार कराएं। जिला शिक्षा अधिकारी प्रतियोगिता के आयोजन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करें। प्रतियोगिता के उद्घाटन और समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराएं। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों तथा खेल प्रशिक्षकों के ठहरने तथा भोजन और आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

10 संभागों से आएंगी टीमें

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्गों में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, जबलपुर, सागर, ग्वालियर, शहडोल तथा रीवा संभाग की टीमें एवं जनजातीय कार्य विभाग की टीम शामिल होगी। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए नवीन उत्कृष्ट बालक छात्रावास तथा नवीन उत्कृष्ट बालक छात्रावास में व्यवस्था की गई है। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए खेल प्रशिक्षक, रेफरी एवं अन्य अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ 22 सितम्बर को होगा। समारोह में सेंट्रल एकेडमी स्कूल तथा ज्ञानस्थली स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गीतांजलि में हुई संभाग स्तरीय कुश्ती एवं बुशू प्रतियोगिता

रीवा। गीतांजलि पब्लिक स्कूल में संभाग स्तरीय कुश्ती एवं बुशू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें रीवा संभाग के सभी जिलों के प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। कुश्ती के रीवा से 13, सतना से 9 एवं सीधी जिले के 8 विद्यार्थियों ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान बनाया। वही बुशू प्रतियोगिता में भी 15 विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के संस्थापक शिवप्रसाद प्रधान व अरुणा प्रधान रहे। इस भव्य समारोह में विभिन्न जिलों से जिला खेल शिक्षकों के अतिरिक्त एम के मिश्रा, जिला सीधी शीलध्वज सिंह पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी, शैलेन्द्र सिंह, संदीप शर्मा, प्रवीन मिश्रा खेल शिक्षक गीतांजलि पब्लिक स्कूल उपस्थित रहे। खेल प्रतियोगिता में उपस्थित दर्शकों ने प्रतिभागियों का करतल ध्वनि से उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को खेल का महत्व समझाते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है, अतः खेल खेलना जरूरी है। विद्यालय के संचालक वरुण प्रधान ऋतिका प्रधान ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेडिकल शिक्षा के सर्वे के बाद बदल सकती है अध्ययन की तस्वीर

मप्र मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी ने कॉलेजों को जारी किए निर्देश

जागरण, रीवा। मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी से संबद्धता प्राप्त श्यामशाह मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के सभी महाविद्यालयों को ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन (एटीएसएचई) पोर्टल पर 15 सितंबर तक कॉलेजों का रजिस्ट्रेशन कर डेटा प्रविष्टि के निर्देश दिए गए हैं। यह सर्वेक्षण उच्चतर शिक्षा के विकास के लिए नीतिगत निर्णय लेने में सहायक होगा। कॉलेजों को सत्र 2024-25 पर जाकर पंजीयन कराना होगा। यह निर्देश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा भेजे गए पत्र के संदर्भ में जारी हुए हैं। मेडिकल यूनिवर्सिटी ने संबद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य और अधिष्ठाता को निर्देशित किया है कि एटीएसएचई पोर्टल सत्र डीसीएफ 2024-25 पर नवीन महाविद्यालय रजिस्ट्रेशन कर एवं पूर्व से संचालित महाविद्यालयों से संबंधित समस्त जानकारी अनिवार्य रूप से 15 सितंबर तक प्रविष्टि करें।

नोडल अधिकारी होंगे जिम्मेदार

फॉर्म सबमिट करने के बाद पोर्टल से प्राप्त प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से भेजना सुनिश्चित करें। सत्र 2024-25 में संबद्ध ऐसे महाविद्यालय जो पोर्टल में पंजीकृत नहीं हुए हैं वह पोर्टल में कोड हेतु सत्र 2024-25 का संबद्धता पत्र संलग्न कर रिक्वेस्ट करें एवं कोड प्राप्त करने के पश्चात फॉर्म भरना सुनिश्चत करें। निर्देश हैं कि महाविद्यालय के नोडल ऑफिसर द्वारा फॉर्म जमा करना सुनिश्चित किया जाए। महाविद्यालय स्तर पर कार्यवाही न होने की स्थिति में संस्था, शासन या विश्वविद्यालय की ओर से होने वाली किसी भी कार्यवाही हेतु महाविद्यालय एवं महाविद्यालय के नोडल अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

नीतिगत निर्णय लेने में उपयोगी है पोर्टल

जानकारी के अनुसार शिक्षा मंत्रालय द्वारा अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण के माध्यम से उच्चतर शिक्षण संस्थानों के शिक्षक-छात्र नामांकन, परीक्षा-परिणाम, शिक्षा-वित्त, बुनियादी ढांचे जैसे मापदंडों का डेटा एकत्र किया जाता है। इस डेटा से सकल नामांकन अनुपात, छात्र शिक्षक अनुपात, लिंग-समानता सूचकांक आदि की गणना की जाती है, जो उच्चतर शिक्षा के विकास के लिए नीतिगत निर्णय लेने तथा अनुसंधान में उपयोगी है। इससे देश-विदेश में प्रदेश के उच्चतर शिक्षण संस्थानों के शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन होता है।

तिमाही की परीक्षा में 'प्रदर्शन' तय करेगा पढ़ाई की तकनीक

सरकारी स्कूलों का वार्षिक परिणाम बेहतर रखने की कवायद

जागरण,रीवा। जिले के सरकारी स्कूलों में 9वीं से 12वीं तक आयोजित तिमाही परीक्षा में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर आगामी शैक्षणिक तकनीक निर्धारित होगी। जिन छात्र-छात्राओं का परिणाम कमजोर रहेगा, उनके लिए विशेष कक्षाएं आदि लगाने की भी तैयारी है। ताकि वे आगामी छमाही परिणाम में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बता दें कि दोनों ही परीक्षाओं के दस-दस फीसदी अंक वार्षिक परीक्षा परिणाम में अनिवार्य रूप से जोड़े जाते हैं।

10 फीसदी जुड़ते हैं अंक

सरकारी स्कूलों में 9वीं और 11वीं कक्षा की त्रैमासिक और अर्धवार्षिक परीक्षा के आनुपातिक अंक फाइनल के रिजल्ट में भी जुड़ेंगे। दोनों ही परीक्षाओं में छात्रों को मिले कुल प्राप्तांक की जानकारी डीपीआई के विमर्श पोर्टल पर अपलोड की जाती है। जब वार्षिक परीक्षा का परिणाम बनता है तो पोर्टल ऑटोमैटिक ही विद्यार्थियों के त्रैमासिक व छमाही के प्राप्तांकों में से दस फीसदी अंक ले लेता है।

दो कक्षाएं निपटीं, दो बाकी

बताया गया कि 9वीं व 11वीं की तिमाही परीक्षाएं 4 सितंबर को समाप्त हो गई हैं। उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन भी शुरू हो गया है। जबकि 10वीं-12वीं की परीक्षाएं 9 सितंबर को संपन्न होंगी। इसके बाद इनकी भी कॉपियां जांचने का क्रम शुरू होगा। मूल्यांकन के बाद वास्तविक रूप से पता चलेगा कि आखिर विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर कैसा है। जरूरी नहीं है कि वर्तमान में जो विद्यार्थी पढ़ने लिखने में बेहतर रहा हो, उसका प्रदर्शन परीक्षा में भी उसी स्तर का हो। इसलिए परिणाम में जो विद्यार्थी जिस विषय या समूचे मूल्यांकन में कमजोर दिखेगा, उसके लिए विशेष कक्षाओं के साथ ही पढ़ाने के लिए शिक्षकीय तौर-तरीकों में भी बदलाव किया जाएगा। ताकि छमाही परीक्षा में वह बेहतर प्रदर्शन कर सकें और वार्षिक परिणाम में उनका रिजल्ट बेहतर हो सके।

गलतियों का उल्लेख होना जरूरी

जानकारी के अनुसार तिमाही परीक्षा के लिए मंडल की ओर से सैंपल पेपर जारी किए गए थे। इसमें मार्किंग स्कीम भी दी गई थी। इसी आधार पर स्कूलों ने अलग-अलग विषयों के पेपर तैयार कराए हैं। बोर्ड की मुख्य परीक्षा की तरह मंडल ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के दौरान शिक्षकों को परीक्षार्थियों की गलतियों का उल्लेख कर सुझाव दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इसका मकसद विद्यार्थियों की ओर से की जाने वाली सामान्य गलतियों को जानकर उन्हें दूर करने के प्रयास करना है। बहरहाल, तिमाही परीक्षा संपन्न होने के बाद 15 दिन में परिणाम जारी किए जाएंगे।

सरस्वती स्कूल निरालानगर ने मंच और मैदान दोनों में किया कमाल

रीवा। सरस्वती विद्यालय, निरालानगर, रीवा के छात्रों ने हाल ही में विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विगत 05,06,07 सिंतम्बर को सम्पन्न इन प्रतियोगिताओं में खेल, विज्ञान और बौद्धिक क्षेत्रों में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा ने उन्हें सफलता दिलाई। खेल प्रतियोगिता, जो सागर में आयोजित की गई थी, में छात्रों ने अपनी ताकत और खेल भावना का परिचय देते हुए 14 गोल्ड मेडल के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद दीनदयाल धाम में आयोजित विज्ञान प्रतियोगिता में छात्रों ने अपने वैज्ञानिक ज्ञान और नवाचार से सभी को प्रभावित करते हुए 08 (आठ) छात्र प्रथम एवं 01 (एक) छात्र द्वितीय स्थान पर रहे। सरस्वती स्कूल निरालानगर में ही संपन्न हुई बौद्धिक प्रतियोगिता में भी 17 छात्रों ने प्रथम तथा 07 छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों की इन सफलताओं पर विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इन प्रतियोगिताओं की तैयारी कराने में क्रीड़ा प्रभारी राजेश तिवारी, विज्ञान प्रभारी विजय तिवारी एवं बौद्धिक प्रमुख रमाकांत तिवारी का विशेष प्रयास रहा।

विद्यार्थियों को प्रतिदिन कुछ नया सीखने की मिली प्रेरणा

विवि के एमबीए विभाग में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

जागरण,रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के व्यवसायिक प्रशासन विभाग द्वारा एमबीए के 37वें बैच का दीक्षारंभ कार्यक्रम गरिमामय ढंग से आयोजित हुआ। विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. अतुल पांडेय ने विषय प्रवेश कराया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विभाग के पुरा छात्रों के संघटन एरोमा के अध्यक्ष एवं बद्रिका समूह के चेयरमैन सुनील सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि प्रबंधन शिक्षा तभी सार्थक होती है, जब विद्यार्थी इसे उद्योग और समाज के विकास में उपयोग करें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि इन दो वर्षों में आपको निर्धारित करना है कि आप किसी के कक्ष के बाहर खड़े होकर अंदर आने की आज्ञा मांगेंगे कि अन्य लोग आपके कक्ष के बाहर खड़े होकर आपसे ये आज्ञा मांगेंगे। आमंत्रित वक्ता प्रख्यात चिकित्सक एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. पीयूष श्रीवास्तव ने उत्साहवर्धक शब्दों से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण किसी भी विद्यार्थी की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने और आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ.राजेन्द्र कुड़रिया ने विद्यार्थियों को प्रेरक संदेश दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि प्रबंधन शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों को समाज में सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार का वाहक बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कौशल का विकास करने और समाज के लिए कुछ सार्थक करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो.एनपी पाठक ने की और कहा कि यह आयोजन केवल विद्यार्थियों का स्वागत नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरणादायी शुरुआत है। कुलसचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों से नियमित उपस्थिति का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी मेहनत कर अच्छे पदों पर प्रतिष्ठित हो और विश्वविद्यालय एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करें। दीक्षारंभ का यह कार्यक्रम एक सप्ताह तक लगातार चलेगा, जिसमें देश विदेश से प्रख्यात प्राध्यापको, उद्योगपति, प्रबंधकों एवं पुरा छात्रों के उद्बोधन आयोजित किये जायेंगे। इसी कड़ी में आईआईएम लखनऊ के प्राध्यापक प्रो.मृत्युंजय तिवारी, प्रेरक वक्ता डॉ. पीयूष श्रीवास्तव एवं विश्वविद्यालय के ही आचार्य प्रो. सुनील तिवारी द्वारा छात्रों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ.दीपा सक्सेना द्वारा किया गया जबकि आभार डॉ. ईशा कौर राखड़ा ने किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

अच्छा कार्य

'आधार, अब विद्यालय के द्वार' अभियान के तहत 2074 बच्चों के आधार अपडेट

पालक और विद्यार्थियों को मिली राहत, पोस्ट ऑफिस के काट रहे थे चक्कर

जागरण,रीवा। स्कूली विद्यार्थियों को आधार कार्ड के अपडेट में होने वाली परेशानी को लेकर शासन के निर्देश पर विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान ने बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों को राहत प्रदान की है। अभियान के दौरान अब तक 2074 विद्यार्थियों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट हो चुका है। नोडल अधिकारी नियमित तौर पर आधार अपडेट कार्य की समीक्षा करते हैं। यह अभियान सतत् जारी है। रीवा और मऊगंज जिले के सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुविधा के लिए आधार नामांकन और अपडेट शिविर अभी भी लगाए जा रहे हैं।

सभी विकासखंडों में लग रहे शिविर : नोडल अधिकारी एपीसी अरविंद तिवारी ने बताया कि स्कूलों में लग रहे आधार अपडेट शिविर के माध्यम से अब तक रीवा जिले में 1337 व मऊगंज जिले में 737 आधार कार्डों को अपडेट कराया जा चुका है। इसके लिए सभी विकासखंड मुख्यालय में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिससे छात्रों को राहत मिली है और वह आसानी से अपने आधार कार्ड अपडेट कर रहे हैं।

योजनाओं के लिए यह अनिवार्य : अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों की 100 प्रतिशत आपार आईडी बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। आपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट, जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहित, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है। शिक्षा जगत में छात्र के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। आपार आईडी के लिए एक महत्वपूर्ण बात यह है कि स्कूलों द्वारा आपार आईडी बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले पोर्टल में दर्ज छात्र का नाम, आधार कार्ड में नाम से मेल खाना चाहिए।

यूआईडीएआई के साथ समन्वय

इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ समन्वय किया है। शासन के नियमों के अनुसार यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। इसमें उनके आधार में अंगुलियों के निशान, आइरिस स्कैन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। पहला एमबीयू 5 से 7 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क रखा गया है। विद्यार्थी के उम्र 7 वर्ष की आयु से अधिक होने के बाद शुल्क लागू होगा। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है जब विद्यार्थी 15 वर्ष का हो जाएगा। तीसरा एमबीयू से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क है लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होगा।

> छात्रों के आधार कार्य अपडेट कराए जाने के लिए रीवा और मऊगंज जिले के प्रत्येक विकासखंड स्तर पर शिविर लगाया जा रहा है। अब तक रीवा जिले में 1337 व मऊगंज जिले में 737 छात्रों के आधार अपडेट कराए गए हैं। रोजाना इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है और जानकारी शासन स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही है।
>
> **अरविंद तिवारी, एपीसी रीवा।**

जिला आयुष कार्यालय में बड़ी लापरवाही आई सामने

42 दिन बाद भी ज्वॉइनिंग के लिए भटक रहे योग प्रशिक्षक, पदस्थापना भी स्पष्ट नहीं

28 जुलाई को होनी थी ज्वॉइनिंग, जिला अधिकारी भी दे रहीं गोलमोल जवाब

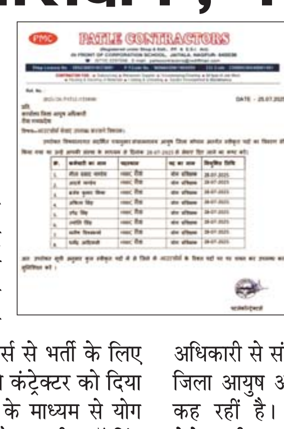

जागरण,रीवा। मप्र आयुष विभाग के निर्देशानुसार जिले के हेल्थ एडं वेलनेस सेंटरों में योग प्रशिक्षक की नियुक्ति की जानी थी, जिसको लेकर प्रदेश स्तर से आउटसोर्स से भर्ती के लिए ठेका नागपुर की एजेंसी पाटले कंट्रेक्टर को दिया गया है। कंपनी ने साक्षात्कार के माध्यम से योग प्रशिक्षकों की भर्ती कर ली और उनकी ज्वॉइनिंग के लिए जिला आयुष कार्यालय को पत्र भी लिखा लेकिन रीवा जिला आयुष कार्यालय में कंपनी का यह पत्र धूल खा रहा है। वजह जिला आयुष अधिकारी द्वारा इस पत्र पर कोई कार्यवाही ही नहीं की जा रही है। चयनित अभ्यर्थी भी जिला आयुष कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। इतना नहीं उनको कोई ठोस जवाब भी नहीं दिया जा रहा है। जिससे वह असमंजस की स्थिति में हैं, चयनित अभ्यर्थियों को आटसोर्स कंपनी जिला आयुष अधिकारी से संपर्क करने के लिए कह रही है और जिला आयुष अधिकारी उन्हें आज-कल की बात कह रहीं है। ऐसे में चयनित अभ्यर्थियों की बेरोजगारी बरकरार है और वह साक्षात्कार से चयनित होने के बाद भी भटक रहे हैं।

सतना में हो गई ज्वॉइनिंग : बताया गया कि जो पत्र पाटले कांट्रेक्टर ने जिला आयुष अधिकारी कार्यालय को लिखे दिया है उसमें सभी योग प्रशिक्षकों के आगे पदस्थापना एचडब्लयूसी रीवा लिखा हुआ है, जबकि रीवा अंर्तगत कई एचडब्ल्यूसी है, उसमें स्पष्ट उल्लेख किया जाना चाहिए। वहीं सतना में पाटले कांट्रेक्टर ने 10 योग सहायक की पदस्थापना के लिए जिला आयुष अधिकारी सतना को पत्र लिखा है, उनके आगे पदस्थापना स्थान में एचडब्ल्यूसी के आगे स्थान का उल्लेख भी है।

28 जुलाई से होनी थी ज्वॉइनिंग

बता दें कि पाटले कांट्रेक्टर द्वारा जिला आयुष अधिकारी कार्यालय रीवा को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि संचालनालय आयुष जिला भोपाल अंर्तगत स्वीकृत पदो का विवरण प्रेसित किया गया था। जिन्हें जिला आयुष कार्यालय के माध्यम से 28 जुलाई 2025 से सेवाएं दिए जाने का कष्ट किया जाए। पत्र में नियुक्ति तिथि भी 28 जुलाई 2025 लिखी हुई है। जारी पत्र में चयनित अभ्यर्थी में गीता प्रसाद पांडेय, आदर्श पांडेय, बृजेश कुमार मिश्रा, अंकिता सिंह, उपेन्द्र सिंह, ज्योति सिंह, मनीष विश्वकर्मा व धर्मेन्द्र आदिवासी को चयनित किया गया है लेकिन अभी तक इनको ज्वाइनिंग नहीं दी गई है। यह अभ्यर्थी बीते 42 दिनों ने इनको ज्वॉइनिंग नहीं दी गई है।

मनमानी कार्यप्रणाली की चर्चा

बता दें कि 42 दिन बाद भी ज्वॉइनिंग नहीं होने पर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं, कहा जा रहा है कि जिला आयुष अधिकारी शारदा मिश्रा की मनमानी कार्यप्रणाली के कारण ज्वॉइनिंग नहीं हो रही है और चयनित भटक रहे हैं। वहीं इसको आर्थिक लाभ लेने की बात से भी जोड़ा जा रहा है। चर्चा में कहा जा रहा है कार्यालय से प्रति चयनित अभ्यर्थी राशि निर्धारित की गई है और वह नहीं देने पर मामला अटका हुआ है। हालांकि इन चर्चाओं में कितनी सत्यता है यह तो जांच के बाद ही सामने आएगा लेकिन ज्वॉइनिंग न होना कई बड़े सवाल खड़े कर रहा है। इस मामले को लेकर जिला आयुष अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन नहीं हो सका।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

किसानों पर बरसी लाठियां प्रशासनिक विफलता

भिंड जिले की लहार तहसील में खाद के लिए घंटों से कतार में लगे किसानों पर चली पुलिस की लाठियां, कानून-व्यवस्था की मामूली घटना नहीं बल्कि यह प्रदेश की खाद वितरण व्यवस्था की विफलता का एक नमूना है। अभी कुछ समय पूर्व रीवा में भी खाद की मांग कर रहे किसानों को पुलिस बल प्रयोग का सामना करना पड़ा था। प्रदेश के अलग-अलग कोनों से खाद के किल्लत की खबरें एक ही कहानी कह रही हैं – मध्य प्रदेश का किसान परेशान है, व्यवस्थाएं चरमरा रही हैं और संवाद की जगह लाठियां ले रही हैं।

दरअसल, यह संकट बहुस्तरीय है और इसकी जड़े प्रशासनिक विफलता, मांग-आपूर्ति के असंतुलन और नीतिगत खामियों में निहित हैं। रबी के मौसम की शुरुआत किसानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। गेंहू, चना और सरसों जैसी प्रमुख फसलों की बुवाई के लिए डीएपी और यूरिया जैसे उर्वरकों की समय पर उपलब्धता फसल के भविष्य को तय करती है। किसान अपनी मेहनत की कमाई और उम्मीदों को खेत में बोने के लिए तैयार खड़ा होता है, लेकिन जब उसे सबसे जरूरी चीज, यानी खाद के लिए सहकारी समितियों के बाहर रात-रात भर जागना पड़े या फिर बरसात और धूप में लंबी कतार में खड़ा होना पड़े, तो यह व्यवस्था पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

सरकार भले ही खाद की पर्याप्त उपलब्धता के दावे करती रहे, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के ठीक उलट है। सहकारी समितियां, जो किसानों तक खाद पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम हैं, खुद कई समस्याओं से जूझ रही हैं। कहीं समय पर खाद का रैक नहीं पहुंच रहा, तो कहीं वितरण में पारदर्शिता का अभाव है। इसका सीधा फायदा कालाबाजारी करने वाले उठा रहे हैं। खबरें आम हैं कि जो खाद समिति में 800-1200 रुपये में मिलनी चाहिए, वही खुले बाजार में दोगुनी-तिगुनी कीमत पर बिक रही है। छोटा और सीमांत किसान, इस लूट का सबसे आसान शिकार बनता है। उसके पास घंटों और दिनों तक लाइन में लगने के सिवा कोई चारा नहीं बचता।

जब किसान इस अव्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाता है, तो प्रशासन का रवैया स्थिति को और भी बिगाड़ देता है। भिंड और रीवा की घटनाएं इसी प्रशासनिक असंवेदनशीलता का प्रमाण हैं। किसानों की भीड़ को नियंत्रित करने, उनसे संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का समाधान निकालने की बजाय, उन पर बल प्रयोग करना सबसे आसान रहा है। यह विडंबना है कि जो किसान देश का पेट भरता है, उसे अपने हक के लिए अपमानित और प्रताड़ित होना पड़ रहा है। एक प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर देना महज एक तात्कालिक और प्रतीकात्मक कार्रवाई है, यह उस बीमारी का इलाज नहीं है जिसने पूरी व्यवस्था को जकड़ रखा है।

इस संकट का प्रभाव केवल किसानों की शारीरिक और मानसिक पीड़ा तक सीमित नहीं है, इसका सीधा असर प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। खाद की कमी या देरी से बुवाई का मतलब है उत्पादन में गिरावट। कम उत्पादन न केवल किसान की आय को प्रभावित करेगा, बल्कि यह प्रदेश के कुल कृषि उत्पादन के आंकड़ो पर भी नकारात्मक असर डालेगा। मध्य प्रदेश, जिसे कई बार 'कृषि कर्मण पुरस्कार' से नवाजा गया है, के लिए यह स्थिति किसी भी नजरिए से अच्छी नहीं कही जा सकती।

लहार और रीवा में किसानों पर हुआ लाठीचार्ज महज भीड़ को तितर-बितर करने की घटना नहीं, बल्कियह सरकार और किसान के बीच टूटते भरोसे का प्रतीक है। यह संकट केवल खाद की कुछ बोरियों का नहीं, बल्कि नीति, नीयत और प्रबंधन का है। सरकार को तत्काल इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेना होगा। केवल आंकड़ों में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के बजाय, उसे अंतिम किसान तक समय पर और सही दाम पर पहुंचाना सुनिश्चित करना होगा। वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाना, कालाबाजारी पर सख्त अंकुश लगाना और सहकारी समितियों की कार्यप्रणाली को सुधारना सबसे पहली जरूरत है।

जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्र से कम होगी आयात पर निर्भरता

जैव प्रोद्योगिकी नीति

डॉ. निवेदिता शर्मा

> भारत 21वीं सदी में केवल सूचना प्रौद्योगिकी या अंतरिक्ष विज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा, यह जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी महाशक्ति बनने का इरादा रखता है। बायो ई3 नीति का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है, यह सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्मार्ट प्रोटीन, टिकाऊ कृषि, कार्बन कैप्चर, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और कोशिका एवं जीन थेरेपी जैसे क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करेंगे बल्कि भारत को आयात पर निर्भरता से भी मुक्त करेंगे।

भारत अब केवल अपनी जैव विविधता की धरोहर पर गर्व करने वाला देश नहीं रह गया है, उसने उस धरोहर को विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की शक्ति में बदलना शुरू कर दिया है। देश में जैव प्रौद्योगिकी अर्थव्यवस्था का नया इंजन बन रही है। पर्यावरणीय संतुलन, रोजगार सृजन और सामरिक स्वतंत्रता का भी प्रमुख आधार बनती जा रही है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायो ई3 नीति के अंतर्गत उच्च-निष्पादन वाले जैव-विनिर्माण प्लेटफार्मों का शुभारंभ किया। एक नजरिए से देखें तो यह कदम स्पष्ट संकेत देता है कि भारत 21वीं सदी में केवल सूचना प्रौद्योगिकी या अंतरिक्ष विज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा, यह जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी महाशक्ति बनने का इरादा रखता है। समीक्षात्मक रूप से देखें तो दुनिया के कई देशों के बीच भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी जैव विविधता है। यह विश्व के 17 मेगाडायवर्स देशों में शामिल है। यहां लगभग पैंतालीस हजार से अधिक पौधों की प्रजातियाँ और नब्बे हजार से अधिक पशु प्रजातियाँ पाई जाती हैं। हिमालय की जड़ी-बूटियों से लेकर अंडमान-निकोबार के समुद्री संसाधनों तक, यह जैव संपदा बायोटेक्नोलॉजी के लिए अमूल्य स्रोत है। यही कारण है कि कृषि, औषधि, खाद्य प्रसंस्करण और समुद्री अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से अग्रणी भूमिका निभा रहा है। परंपरागत आयुर्वेद और औषधीय पौधों का ज्ञान आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर वैश्विक स्वास्थ्य समाधान प्रस्तुत कर रहा है।

इस क्षेत्र में भारत की प्रगति पिछले एक दशक में असाधारण रही है। 2014 में देश की जैव-अर्थव्यवस्था लगभग दस अरब डॉलर के आसपास थी। 2023 तक यह बढ़कर डेढ़ सौ अरब डॉलर तक पहुंच गई और मार्च 2025 तक इसका आकार लगभग एक सौ पैंसठ अरब डॉलर हो गया। यह अब भारत की जीडीपी में चार प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है और पिछले चार वर्षों में औसतन अठारह प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक इसे तीन सौ अरब डॉलर तक ले जाया जाए। यह लक्ष्य अब अवास्तविक नहीं लगता क्योंकि बायोटेक स्टार्टअप्स की संख्या ही गवाही दे रही है। जहां 2014 में इनकी संख्या मात्र पचास थी, वहीं 2024 तक यह बढ़कर दस हजार से अधिक और 2025 में ग्यारह हजार तक पहुँच गई। इन स्टार्टअप्स को देश भर में सौ से अधिक इनक्यूबेटर और बीआईआरएसी जैसी संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है।

इस सब के सार्थक परिणाम यह है कि भारत अब वैश्विक मानचित्र पर भी अपनी छाप छोड़ रहा है। विश्व की 121 प्रमुख जैव कंपनियों में से 21 भारत में स्थित हैं। यह उपलब्धि उस देश के लिए विशेष महत?व रखती है जिसे कभी तकनीकी अनुसरणकर्ता माना जाता था। हैदराबाद का नाम दुनिया के सात सबसे बड़े लाइफ-साइंसेज क्लस्टर्स में शामिल हो चुका है जहां पचपन हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है और दो लाख से अधिक नए रोजगार बने हैं। कर्नाटक राज्य ने अकेले ही तीस अरब डॉलर का बायो-आर्थिक योगदान दिया है और निकट भविष्य में तीस हज़ार अतिरिक्त रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। असम पहला राज्य है जिसने बायो ई3 पहल को पूरी तरह से अपनाया है और पूर्वोत्तर को जैव प्रौद्योगिकी का नया केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

यहां समझ लीजिए कि बायो ई3 नीति का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है, यह सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्मार्ट प्रोटीन, टिकाऊ कृषि, कार्बन कैप्चर, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और कोशिका एवं जीन थेरेपी जैसे क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करेंगे बल्कि भारत को आयात पर निर्भरता से भी मुक्त करेंगे। पेट्रोलियम आयात को घटाने के लिए ईथेनॉल मिश्रण का प्रयास इसका उदाहरण है। 2014 में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण मात्र डेढ़ प्रतिशत था जो 2024 में पंद्रह प्रतिशत तक पहुँच गया। इसके कारण लगभग सत्रह मिलियन टन कच्चे तेल के आयात से बचाव हुआ और करीब एक लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई। इस साल के अंत के बाद जो आंकड़े आएंगे, उम्?मीद है कि यह पंद्रह प्रतिशत से बढ़कर ही आएंगे।

जैव प्रौद्योगिकी का महत्व कोविड-19 महामारी के दौरान और भी स्पष्ट हो गया जब भारत ने रिकॉर्ड समय में वैक्सीन विकसित कर पूरी दुनिया को आपूर्ति की। जिन देशों ने समय पर वैक्सीन प्राप्त की, उनमें भारत की भूमिका निर्णायक रही। इससे यह स्पष्ट हो गया कि जैव प्रौद्योगिकी आज विज्ञान से आगे भू-राजनीतिक शक्ति का भी स्रोत बन चुका है। फिर भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। अभी भी वेक्टर और प्लास्मिड जैसे आवश्यक बायोलॉजिकल इनपुट्स का उत्पादन देश में सीमित है। प्रोबायोटिक्स जैसे क्षेत्रों में नियामकीय बाधाएँ उद्यमियों को परेशान करती हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए निजी निवेश और विदेशी सहयोग को और बढ़ाना होगा। कॉन्ट्रैक्ट ड्रग मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत के सामने बड़ा अवसर है परंतु चीन जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा के लिए लागत और नीति में लचीलापन आवश्यक होगा।

शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को गहरा करना भी अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों में जो ज्ञान उत्पन्न होता है, उसे तभी सार्थक बनाया जा सकता है जब वह उद्योग और समाज तक पहुँचे। स्टार्टअप्स को केवल शुरुआती समर्थन ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश, वैश्विक साझेदारियाँ और मजबूत नैदानिक मान्यता भी चाहिए। सरकार का कार्य बीज बोना है परंतु उद्योग जगत को उसे फलने-फूलने योग्य बनाना होगा।

वर्तमान में भारत की जैव विविधता, उसकी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और आधुनिक वैज्ञानिक क्षमता मिलकर एक ऐसा परिदृश्य रच रहे हैं जिसमें भारत आत्मनिर्भर होगा ही साथ ही वह वैश्विक नेता भी बनेगा। अफ्रीका और एशिया के विकासशील देशों के लिए भारत टिकाऊ कृषि, सस्ती दवाएं और पर्यावरणीय समाधान उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की छवि केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग का अग्रणी देश भी बनेगा।

बायोई3 नीति की प्रमुख विशेषताओं में अनुसंधान एवं विकास तथा उद्यमिता को नवाचार-संचालित समर्थन प्रदान करना शामिल है। इससे जैव-निर्माण एवं प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण में तेज़ी आएगी। कुल मिलाकर, यह नीति नेट ज़ीरो कार्बन अर्थव्यवस्था और सर्कुलर बायोइकोनॉमी को बढ़ावा देकर भारत को त्वरित हरित विकास के पथ पर अग्रसर करेगी।

हमारा वर्तमान युग, जलवायु परिवर्तन शमन, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य जैसे कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के समाधान हेतु जीव विज्ञान के औद्योगीकरण में निवेश करने का एक उपयुक्त समय है। यदि हम अपनी विविधता को जिम्मेदारी से प्रौद्योगिकी और नवाचार में बदल सकें तो जैव प्रौद्योगिकी वास्तव में विकसित भारत की आधारशिला बन सकती है। जैसे 1990 के दशक में सूचना प्रौद्योगिकी ने भारत की वैश्विक छवि को बदला था, वैसे ही आज जैव प्रौद्योगिकी उसी परिवर्तन का नया साधन बनने जा रही है। आने वाले वर्षों में बीटी यानी बायोटेक्नोलॉजी वह शब्द होगा जो भारत की विकासगाथा को परिभाषित करेगा। यह स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और कूटनीति सभी को प्रभावित करेगा। इन सभी तथ्यों के प्रकाश में आप कह सकते हैं कि स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते भारत के लिए यही वह क्षेत्र है जो विकसित भारत के सपने को साकार करने की शक्ति रखता है।

भिक्षावृत्ति से मुक्ति के लिए केंद्रीय कानून की जरूरत

सामाजिक सरोकार

विनोद पाठक

> भारत ही नहीं, दुनिया के कई देश भिखारियों की समस्या से जूझ रहे हैं। आज किसी भी नगर या महानगर के करीब-करीब प्रत्येक चौराहे, भीड़भाड़ वाले बाजारों, मंदिरों या अन्य प्रार्थना स्थलों के बाहर भिखारियों को देख सकते हैं। विडंबना यह है कि भिखारियों को लेकर देश में कोई विशेष कानून नहीं है, लेकिन अब मध्यप्रदेश, मिजोरम ने इस दिशा में पहल की है, लेकिन सख्ती से अमल कराने के लिए केंद्रीय नीति की जरूरत महसूस की जा रही है।

भारत में भीख मांगना कोई नई समस्या नहीं है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में करीब 4 लाख भिखारी थे। हालांकि, वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता समेत अधिकांश बड़े शहरों में भीख मांगना धंधा बन चुका है। फिल्म निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर ने वर्ष 2007 में ट्रैफिक सिग्नल नाम की फिल्म बनाई थी। फिल्म भिखारियों के नेटवर्क पर आधारित थी। फिल्म में बखूबी दिखाया गया कि कैसे मुंबई के एक व्यस्त चौराहे के ट्रैफिक सिग्नल पर अलग-अलग तरीकों से भीख मांगी जाती है। दरअसल, भारत ही नहीं, दुनिया के कई देश भिखारियों की समस्या से जूझ रहे हैं। आज किसी भी नगर या महानगर के करीब-करीब प्रत्येक चौराहे, भीड़भाड़ वाले बाजारों, मंदिरों या अन्य प्रार्थना स्थलों के बाहर भिखारियों को देख सकते हैं। विडंबना यह है कि भिखारियों को लेकर देश में कोई विशेष कानून नहीं है, लेकिन अब मिजोरम ने अब राह दिखाई है।

उत्तर पूर्व के छोटे से राज्य मिजोरम ने अपने यहां भीख मांगने को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया है। मिजोरम भिक्षावृत्ति निषेध विधेयक 2025 का मकसद केवल भीख मांगने पर रोक लगाना नहीं, बल्कि भिखारियों का पुनर्वास एवं उन्हें स्थाई आजीविका उपलब्ध कराना भी है। इसी तरह कुछ माह पहले मध्य प्रदेश में भी भीख मांगने और देने पर रोक लगाई गई थी, लेकिन अमल पर ढिलाई के चलते यह ज्यादा असरकारक नजर नहीं आई।

भारत में भीख मांगना कोई नई समस्या नहीं है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में करीब 4 लाख भिखारी थे। हालांकि, वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता समेत अधिकांश बड़े शहरों में भीख मांगना धंधा बन चुका है। कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया है कि बड़े शहरों में एक भिखारी प्रतिदिन 500 से 1500 रुपए तक कमा लेता है। कई शहरों में भीख मांगना एक संगठित उद्योग का रूप ले चुका है। ऐसी भी रिपोर्ट्स आई हैं कि भिखारियों को नियंत्रित करने वाले गिरोह उन्हें क्षेत्र बांटकर देते हैं।

भारत में इस समस्या को लेकर कोई केंद्रीय कानून मौजूद नहीं है। हालांकि, राज्यों ने भिक्षावृत्ति रोकने के लिए अपने-अपने एक्ट बनाए हैं। इनमें सबसे प्रमुख बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ बेगिंग एक्ट, 1959 है, जिस पर कई राज्यों ने अपने कानून आधारित किए हैं, जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगना अपराध माना गया है।

दोषी को जुर्माना या जेल की सजा दी जा सकती है। कई बार भिखारी को सुधारगृह भेजा जाता है। केंद्र और राज्य सरकारें भिखारियों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कुछ योजनाएं भी चला रही हैं। ऐसे समाचार भी हैं कि सरकार भिखारियों का डाटाबेस तैयार कर रही है, जिससे उन्हें आधार, जन-धन खाता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जा सके। वैसे, देश की अदालतों की भिक्षावृत्ति को लेकर अलग राय है। वर्ष 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट ने अपना एक फैसला सुनाते हुए कहा था कि भीख मांगना अपराध नहीं है, बल्कि यह गरीबी और बेरोजगारी जैसी गहरी समस्याओं का परिणाम है।

अदालत ने दिल्ली और मुंबई में भीख को अपराध मानने वाले प्रावधानों को असंवैधानिक करार दिया। अदालत का स्पष्ट कहना था कि भिक्षावृत्ति की समस्या का समाधान दंड नहीं, बल्कि पुनर्वास है।

दुनिया के दूसरे देशों में भिक्षावृत्ति पर कानूनों की बात करें तो सबसे ताकतवर राष्ट्र अमेरिका के कुछ राज्यों में आक्रामक भीख मांगना अपराध है। हालांकि, यहां भी अदालतें इसे फ्रीडम ऑफ स्पीच मानती हैं। ब्रिटेन में वेग्रन्सी (आवारागर्दी) एक्ट 1824 अब ढीला कर दिया गया है। जर्मनी और फ्रांस में शांतिपूर्वक भीख मान्य है, लेकिन आक्रामक रूप से ऐसा करना अपराध है।

नॉर्वे और स्वीडन में स्थानीय स्तर पर भीख मांगने पर पाबंदी है। सऊदी अरब, यूएई एवं कतर में यह पूरी तरह गैर कानूनी है। दोषी पाए जाने पर जेल और विदेशी नागरिक होने पर देश से निष्कासन होता है। पड़ोसी देश चीन में भीख मांगने वालों को सुधारगृह भेजा जाता है। जापान में तो सामाजिक सुरक्षा इतनी मजबूत है कि भीख मांगना लगभग न के बराबर है।

न्यूजीलैंड में शांतिपूर्वक भीख वैध है, लेकिन धमकी या जबरदस्ती अपराध है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में 20 लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति में शामिल हैं। कराची, लाहौर, फ़ैसलाबाद, इस्लामाबाद जैसे बड़े शहरों में भीख एक संगठित कारोबार बन चुका है। वहां प्रोफेशनल भिखारी शब्द आम हो गया है, यानी ऐसे लोग जिनके लिए भीख एक स्थायी पेशा है। विडंबना यह है कि जिन चौराहों, मंदिरों, सड़कों या बाजारों में भिखारी घूम रहे हैं, वहां से सरकार के जिम्मेदार लोग रोजाना गुजरते हैं। वो इस समस्या को देखकर भी अनदेखा करते हैं। हालांकि, मिजोरम की राजधानी आइजोल में मात्र 30 से कुछ अधिक भिखारी हैं, जिनमें से अधिकतर गैर स्थानीय हैं। छोटे राज्य में एक बार को यह ऐसा कानून लागू करना संभव हो सकता है, लेकिन उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में नए सिरे से इस समस्या के निदान को लेकर कुछ हटकर सोचना होगा।

भिक्षावृत्ति को लेकर केंद्रीय कानून बनाना और उसे सख्ती से लागू कराना न केवल देशहित में है, बल्कि यह समय की मांग भी है। भिखारियों

प्रसंगवश

गड़बड़ियों को ठीक करने आयोग दिखाए सक्रियता

> कर्नाटक में अलंद निर्वाचन क्षेत्र से मिले तथ्यों से चेतावनी की घंटी बजनी चाहिए। अधिकारियों ने शरारती तत्वों द्वारा दाखिल हजारों फॉर्म-7 आवेदनों का पता लगाया है, जिनमें से ज्यादातर का मकसद सूचियों से वैध मतदाताओं का नाम हटवाना था।

बिहार में निर्वाचक सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने चिंता खड़ी कर दी है, क्योंकि कुछ इलाकों में जनसांख्यिकीय पैटर्न और सांख्यिकीय अनुमानों के विपरीत विलोपन हुए हैं। विपक्ष ने देश भर में सूचियों को लेकर गंभीर मसलों के दावे किये हैं, लेकिन किसी राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने के लिए कपटपूर्ण जोड़-तोड़ के स्पष्ट सबूत अब भी उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, कर्नाटक में अलंद निर्वाचन क्षेत्र से मिले तथ्यों से चेतावनी की घंटी बजनी चाहिए। अधिकारियों ने शरारती तत्वों द्वारा दाखिल हजारों फॉर्म-7 आवेदनों का पता लगाया है, जिनमें से ज्यादातर का मकसद सूचियों से वैध मतदाताओं का नाम हटवाना था। इस मामले में समय पर हस्तक्षेप स्थानीय राजनीतिक नेताओं की तत्परता से संभव हो सका, न कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की पहल से। आवेदन कपटपूर्ण थे, इसकी पुष्टि करने वाली स्वतंत्र जांच अटक गयी है, क्योंकि आयोग ने उस टेक्निकल रिकॉर्ड तक पहुंच देने से इनकार कर दिया है जिसके बगैर जांच की यह कवायद डाइनामिक आईपी एड्रेसों और डिस्पोजेबल फोन नंबरों की धुंध में गुम हो जाती है। इसके बावजूद, बिहार एसआईआर और अलंद आपस में दो मुद्दों के जरिए जुड़े हुए हैं- सत्यापन योग्य ब्योरों का अभाव और निर्वाचन आयोग का अग्र-सक्रियात्मक के बजाय प्रतिक्रियात्मक रुख।

अलंद में, जांच की नियति अब उस चुनाव निकाय के विवेक पर निर्भर करती हैं जिसकी प्रणालियों की शुचिता से समझौता किया गया। बिहार में, आयोग ने नामों और उन्हें हटाये जाने के कारणों को तब तक एक ऐसे फॉर्म में, जिसका बाह्य सत्यापन हो सके, जारी नहीं किया, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए बाध्य नहीं किया।

आयोग के आधिकारिक दावों के स्वतंत्र परीक्षण को संभव बनाने वाली प्रक्रियाओं का अभाव वह भ्रंशरेखा है जिसने राजनीतिक दलों और आयोग के बीच विश्वास का संकट बढ़ाया है। राजनीतिक दलों के लिए, सूचियों में हर बदलाव चुनावी मैदान में बदलाव लाता है। बिहार में कई सीटें करीबी मुकाबले वाली हैं, ऐसे में अलंद में पिछले चुनाव में 700 से कम वोटों से जीत के अंतर ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है, क्योंकि वहां साल 2023 में

लगभग 6000 वोटरों का नाम जालसाजी करके हटाने की कोशिश की गयी। जब स्पष्टीकरण आंशिक होते हैं या बड़ी मशक्कत से हासिल होते हैं, तो सहज उपलब्ध डेटा द्वारा हल हो सकने वाले विवाद स्वाभाविक रूप से ऐसे पूर्वाग्रहों में बदल जाने के खतरे का सामना करते हैं, जिनका सत्यापन कठिन होता है। बिहार में न्यायिक हस्तक्षेप केंद्रीय भूमिका में आ चुका है। इसने शिकायतों का निवारण सुगम बनाया है, लेकिन यह भी उजागर किया है कि जब तक अदालती आदेश नहीं आया जरूरी कदम नहीं उठाये गये। खुलासे (डिसक्लोजर्स) हासिल करने के लिए अदालतों पर निर्भरता प्राधिकार के संतुलन को बदलती है और आयोग की प्रक्रियाओं को सवालों के घेरे में लाती है। भले ही प्रत्येक मामले को तकनीकी विफलता या प्रशासनिक चूक से व्याख्यायित कर दिया जाए, लेकिन एक साथ मिलकर वे दिखाते हैं कि कैसे सत्यापन-योग्य साक्ष्यों का अभाव प्रक्रियागत चिंताओं को व्यवस्थागत संदेह में बदल देता है। इन चिंताओं को दूर करने की जिम्मेदारी सीधे-सीधे आयोग पर है। इस लिहाज से, एक और न्यायिक हस्तक्षेप का इंतजार करने के बजाय, आयोग को अलंद से उठे आरोपों को गंभीरता से लेना चाहिए और जांच में मदद करनी चाहिए। उसे फॉर्म-7 का दुरुपयोग रोकने, खासकर प्रॉक्सी के जरिए मतदाता विलोपन को अवरुद्ध करने के लिए भी कदम उठाने चाहिए।

॥गीता॥

श्लोक

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

भावार्थ

कोई भी काम कड़ी मेहनत के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है सिर्फ सोचने भर से कार्य नहीं होते है, उनके लिए प्रयत्न भी करना पड़ता है। कभी भी सोते हुए शेर के मुंह में हिरण खुद नहीं आ जाता उसे शिकार करना पड़ता है।

जीवन दर्शन

भीतर की क्षमता को पहचानें और औसत से ऊपर उठें

अपने जीवन में जीनियस बहुत कम बन पाते हैं, जबकि अधिकतर औसत दर्जे के ही रह जाते हैं। औसत रहने वाले लोग सोचते हैं कि शायद उनकी आई क्यू लेवल कम है, इसलिए वो औसत हैं, पर ऐसा नहीं है। असल में अधिकतर लोग औसत जीवन इसलिए जीते हैं क्योंकि वे अपने भीतर की क्षमता को पहचान नहीं पाते और उनके जीवन में दूरदर्शिता का अभाव होता है। आचार्य चाणक्य के अनुसार, औसतपन मनुष्य की कमजोरियों का परिणाम है और इसे केवल आत्मविकास के माध्यम से ही पार किया जा सकता है। लोगों का औसत बने रहने का मुख्य कारण आत्मसंयम की कमी, आलस्य और अवसर चूकना है। उच्च लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और आत्मसंयम बनाए रखना, जीवन में असाधारण बनने के लिए आवश्यक हैं। निरंतर ज्ञान प्राप्त करना और अपनी कमजोरियों को पहचानकर सुधारना, व्यक्ति के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में औसत नहीं बने रहना चाहता है, लेकिन हर कोई इस औसत के लेवल से आगे बढ़ भी नहीं पाता। लोग इसका जिम्मेदार अपने दिमाग को और इंटेलीजेंस को मानते हैं, जबकि प्रसिद्ध रणनीतिकार आचार्य चाणक्य का मानना था कि औसतपन कोई नियति नहीं, बल्कि मनुष्य की कमजोरियों का परिणाम है। अधिकतर लोग जीवन में औसत इसलिए रह जाते हैं क्योंकि वे आत्मविकास की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करते और कुछ विशेष मानसिक बाधाएँ उन्हें आगे बढ़ने से रोकती हैं। जो व्यक्ति अपने भीतर की कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का साहस करता है, वही जीवन में ऊँचाई प्राप्त करता है।लोग औसत क्यों रह जाते हैं? प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकरों का मानना है कि अगर कोई व्यक्ति औसत है, तो उसका मूल कारण है आत्मसंयम की कमी। संयम न होने से ऊर्जा व्यर्थ होती है और महान उपलब्धियाँ अधूरी रह जाती हैं। दूसरा मुख्य कारण है – आलस्य और अवसर चूकना। इसके अलावा लक्ष्यहीनता, दृढ़ निश्चय और साहस की कमी भी मुख्य कारण हैं। कई सारे लोग हैं जो कठिनाइयों से डरकर पीछे हट जाते हैं और यह औसतपन का सबसे बड़ा कारण है। ऐसा व्यक्ति सांसारिक सुखों और मोह में उलझकर अपनी ऊँचाइयों तक नहीं पहुँच पाता, जबकि औसत के दर्जे से ऊपर उठने के लिए व्यक्ति में भूख होनी चाहिए। जीवन में क्या प्राप्त करना है, उसका निर्णय करें। लक्ष्य छोटा नहीं, ऊँचा होना चाहिए। साथ ही अनुशासन और आत्मसंयम रखें। आचार्य चाणक्य का कहना था कि बिना अनुशासन वाला मनुष्य अपने शत्रुओं को नहीं, बल्कि खुद को ही हारता है। नींद, भोजन, समय और वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। चाणक्य के अनुसार विद्यार्थी जीवन कभी समाप्त नहीं होना चाहिए। जो निरंतर ज्ञान प्राप्त करता है, वही आगे बढ़ता है। उनका यह भी मानना था कि जीवन में जोखिम उठाना और कठिन परिस्थितियों का सामना करना ही महानता की कुंजी है। क्षणिक सुख के बजाय दीर्घकालिक लाभ और नीति पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा अपने दोषों को पहचानें और सुधारें। रोज़ कुछ नया सीखें, शास्त्रों और अनुभवों से ज्ञान लें। सद्गुणी और ज्ञानी लोगों की संगति करें क्योंकि संगति का प्रभाव गहरा होता है।

– चंदा कुमारी

संक्षिप्त खबरें

मेट्रो के निरीक्षण के लिए तैयारियां तेज

जागरण संवाददाता, भोपाल। सितंबर में होने वाले कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी निरीक्षण से पहले एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मंगलवार को एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी एस कृष्ण चैतन्य सिविल कार्यों का जायजा लेने के लिए सुभाष नगर डिपो पहुंचे। इस दौरान डिपो में एडमिन बिल्डिंग मे कंट्रोल रूम, डिपो मेन गेट सिक्योरिटी एवं टाइम ऑफिस, फायर एनओसी जैसे कामों का जायजा लिया। साथ ही इन्स्पेक्शन-बे लाइन, रिपेयर बे लाइन, विभिन्न सिस्टम रूम, टेस्ट ट्रैक, ऑग्जिलियरी सब-स्टेशन, ट्रैक्शन सब-स्टेशन, प्रमुख सिस्टम के सभी काम तेजी से पूरे करने को कहा। डिपो रोड, रैम्प एरिया, अनलोडिंग-बे, बॉउन्ड्री वॉल, ट्रैनिंग बिल्डिंग, पम्प रूम के बचे हुए सिविल वर्क को भी इसी हफ्ते पूरा करने के निर्देश दिए। सिविल वर्क के साथ अंदर और बाहर सौंदरीयकर्ण के काम भी इसी हफ्ते करने को कहा है।

श्रमिक परिवारों के खातों में 175 करोड़ अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 सितम्बर को मंत्रालय भोपाल में संबल योजना अंतर्गत, अनुग्रह सहायता के 7953 प्रकरणों में 175 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक से हितग्राहियों के खातों में अंतरित करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उपस्थित रहेंगे। संबल योजना के अंतर्गत प्रारम्भ से अब तक 7 लाख 60 हजार 866 प्रकरणों में 7046 करोड़ रूपये से अधिक के हितलाभ वितरित किये जा चुके है। संबल योजना, प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। अनुग्रह सहायता के अंतर्गत दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपये और अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार प्रदान किये जाते हैं। संबल योजना में महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार, श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा का सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

सीएम मोहन यादव से मिले सिंगर मीका सिंह

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव से गायक मीका सिंह मिले। मीका सिंह रविवार शाम को भोपाल पहुंचे, जहां उन्होंने डीबी सिटी मॉल की चौथी मंजिल पर स्थित स्टूडियो के मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसक मौजूद थे और माहौल बहुत शानदार और जोशीला था। अगले दिन, सोमवार को, मिका सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने के लिए समत्व भवन, मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें शॉल पहनाकर सम्मानित किया और मध्य प्रदेश में उनका स्वागत किया। दोनों के बीच गर्मजोशी से बातचीत हुई। मीका सिंह ने मुख्यमंत्री से राज्य की सांस्कृतिक विरासत और संगीत के प्रति अपने लगाव के बारे में बात की।

बुंदेली समागम शुरू

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि बुंदेली की संस्कृति और विरासत प्राचीनकाल से समृद्ध रही है। युवाओं को बुंदेली विरासत की जड़ों से जोड़ने में कामयाब होगा बुंदेली समागम। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह सोमवार को रवीन्द्र भवन में तीन दिवसीय बुंदेली समागम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से भोपाल में बुंदेली समागम का आयोजन जनसामान्य में काफी लोकप्रिय हुआ है। समागम में युवाओं की बढ़ती भागीदारी प्रसन्नता का विषय है।

मंत्रियों की शिकायतों पर अब जल्द नहीं हटेंगे अफसर

पहल: अधिकारियों को हटाने की जगह मंत्रियों के साथ बनाया जाएगा तालमेल

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में मंत्रियों की शिकायतों पर अब विभागीय अधिकारियों को जल्द नहीं बदला जाएगा, अलबत्ता उनका मंत्रियों के साथ तालमेल बनाने के प्रयास किए जाएंगे। इसकी पहल मुख्य सचिव द्वारा की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों कई मंत्रियों ने अपने विभाग के प्रमुख अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित दूसरे फोरम तक में शिकायत की थी। इसके अलावा कई विधायकों और भाजपा से जुड़े दूसरे जनप्रतिनिधियों में भी ऐसे अधिकारियों को लेकर अंसतोष होने की बात सामने आई थी। जिस पर पिछले दिनों राज्य सरकार द्वारा कुछ अधिकारियों को बदला भी गया, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो सरकार अधिकारियों के दायित्व बदलने से ज्यादा उनका विभागीय मंत्री के साथ बेहतर तालमेल बनाने का प्रयास करेगी। बताया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रशासनिक गलियारे में एक तरह का नवाचार करने की तैयारी कर रहे है। इसमें मंत्रियों और अधिकारियों के बीच परस्पर सामंजस्य बेहतर बनें और अधिकारियों को विभागीय

योजनाओं को जमीन तक मूर्त रुप देने के लिए समय मिल सके। जानकारों का कहना है कि सीएम विभाग प्रमुख अधिकारियों को बार-बार बदलने के पक्ष में नहीं है। उनका मानना है कि हमें अधिकारियों को समय देना होगा,तभी हम उनकी कार्यक्षमता का पता कर पाएंगे और उनसे परिणाम मांग सकेंगे। कई बार मंत्रियों और अधिकारियों के बीच किसी छोटे से मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाती,जिससे उनके बीच दूरियां शुरु हो जाती है,जो शिकायतों तक पहुंचती है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान विभागीय योजनाओं पर पड़ता है। जिसे रोकने के लिए नई पहल प्रारम्भ की जाएगी।

मंच से लेकर बैठकों तक में उठता है मामला

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में पिछले कुछ सरकारों के कार्यकाल के दौरान सार्वजनिक तौर पर अधिकारियों पर मंत्रियों की बात नहीं सुनने के मामले सामने आते रहे है। संघ से जुड़ी बैठकों और भाजपा संगठन की बैठकों में भी इस तरह के आरोप निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और संगठन पर बैठे पदाधिकारियों द्वारा लगाए जाते रहे हैं। इससे जहां सरकार की किरकिरी हुई है, तो विपक्षी दलों ने भी सरकार और भाजपा को सियासी हमले किए है। जिससे पार्टी और सरकार की छवि प्रभावित हुई है। कहा जा रहा है कि इसे लेकर कई बार शीर्ष नेतृत्व सरकार और संगठन से ऐसी स्थिति से बचने की बात कह चुका है। लेकिन इस पर नियंत्रण नहीं लग पा रहा है।

एक-दूसरे का पूरक बनाने का प्रयास

मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री चाहते हैं कि विभागीय मंत्री और उनके अधिकारी एक दूसरे के पूरक बनें। दोनों का लक्ष्य अपनी योजनाओं को पूरी तरह से जमीन पर उतारने का हो। जानकारों का कहना है कि अब सप्ताह में विभागीय मंत्री अपने विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव के साथ कम से कम दो घंटे अकेले में बैठकर विभागीय योजनाओं के बारे में मंत्रणा करेंगे और एक दूसरे के सुझावों का आदर करेंगे। इस बैठक में योजनाओं के साथ-साथ विभाग के दूसरे अधिकारियों और मैदानी अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर भी रिव्यू किया जाएगा। ऐसी बैठक कैबिनेट की बैठक से एक दिन पहले संभव हो सकती है।

सेवानिवृत्त इंजीनियरों की वार्षिक पेंशन वृद्धि निरस्त

विसं भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में अनुशासनहीनता और अनियमितताओं के मामलों में आयुक्त संकेत भोंडवे ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में वर्ष 2022 में उज्जैन नगर पालिक निगम में भवन निर्माण अनुज्ञा जारी करने के मामले में अनियमितताएं सामने आने पर कार्रवाई की गई है। प्राप्त शिकायतों और जांच के आधार पर यह पाया गया कि तत्कालीन अधीक्षण यंत्री जीके कठिल एवं तत्कालीन कार्यपालन यंत्री एल. डी. दोराया द्वारा गंभीर अनियमितताएं की गई थीं। दोष सिद्ध होने के बाद दोनों अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। दोषी पाए गए दोनों अधिकारी वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मध्यप्रदेश राज्य नगरीय यांत्रिकी सेवा नियमों के अंतर्गत उनकी वार्षिक वेतनवृद्धि (पेंशन वृद्धि) को निरस्त कर दिया गया है। आयुक्त संकेत भोंडवे ने स्पष्ट किया है कि विभाग को प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

राज्य सेवा के 16 अफसरों को आईएएस अवार्ड

प्रमोशन में पति-पत्नी भी शामिल, बीते साल जांच की वजह से अटके अफसरों को भी एंट्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा के 16 भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत किए गए हैं। इसके लिए केंद्रीय कार्मिक विभाग ने सोमवार को नोटिफिकेशन जारी कर किया है। पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में राकेश कुमार कुशरे और नंदा भलावे कुशरे पति-पत्नी हैं। वहीं सूची में बीते वर्ष जांच की वजह से पदोन्नति नहीं पाने वाले दो अधिकारियों को भी आईएएस कैडर में एंट्री दी गई है। गौरतलब है कि इन पदों के लिए पिछले दिनों पदोन्नति प्रक्रिया शुरू की गई थी। पिछले महीने 2023 और 2024 की अलग-अलग विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) बैठकों में इन अधिकारियों के नामों पर अंतिम मुहर लगाई गई। जानकारी के अनुसार, 2023 की डीपीसी में 8 अधिकारियों को आईएएस कैडर में पदोन्नति मिली। इतने ही वर्ष 2024 की डीपीसी में भी अधिकारियों को यह पदोन्नत किया गया है। इस तरह कुल 16 अफसर अब राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पहुंच गए हैं।

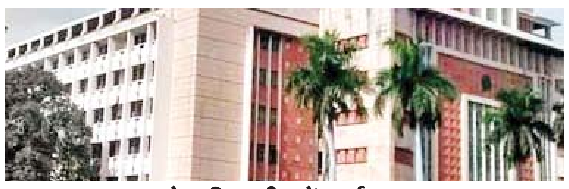

ये अधिकारी बनें आईएएस

वर्ष 2023 बैच के लिए जिन 8 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है, उनमें नारायण प्रसाद नामदेव, डॉ. कैलाश बुंदेला, नंदा भलावे कुशरे, अनिल कुमार डामोर, सविता झानिया, सारिका भूरिया, कमल सोलंकी और जितेन्द्र सिंह चौहान शामिल हैं।

ये होंगे वर्ष 2024 बैच के आईएएस

डीपीसी में जिन राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आईएएस बनाया गया है। उनमें संतोष कुमार टैगौर, निशा डामर, राकेश कुशरे, शैली कनाश, रोहन सक्सेना, कबिता बाटला, सपना अनुराग जैन और आशीष कुमार पाठक है।

क्लीन चिट मिलने के बाद हुए पदोन्नत

विभागीय जांच के चलते नारायण प्रसाद नामदेव और डॉ. कैलाश बुंदेला पिछली डीपीसी में पदोन्नत से वंचित रह थे। लेकिन जांच में क्लीनचिट मिलने के उपरांत उन्हें पदोन्नत कर दिया गया है।

ये अधिकारी रहे वंचित

जानकारी के अनुसार राज्य प्रशासनिक सेवा के आईएएस बनाने पिछले दिनों बनाई गई सूची में कई 8 ऐसे अधिकारियों के नाम भी शामिल थे, जिन्हें विभागीय जांच और निर्धारित आयु सीमा 56 साल से अधिक होने पर पदोन्नत से वंचित किया गया है। इनमें राज्य प्रशासनिक सेवा के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में विवेक सिंह और पंकज शर्मा का नाम शामिल हैं। इन्हें अधिक आयु होने की वजह से पदोन्नत होने से वंचित रहना पड़ा। इनके अलावा कमल चंद नागर, द्वारका प्रसाद वर्मन, कमलेश पुरी, सरोधन सिंह को भी विभागीय जांच और आयु सीमा अधिक होने की वजह से पदोन्नत होने का मौका नहीं मिल सका है।

ग्रेड-2 अधिकारी की भर्ती कर रहा ईएसबी, जीएडी तक पहुंची शिकायत

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। कर्मचारी चयन मंडल मप्र (ईएसबी) का विवादों से नाता नहीं छूट रहा है। मंडल पर भर्ती से पहले ही गड़बड़ी के आरोप लग गए हैं। शासन के विभिन्न विभागों के तृतीय श्रेणी के लिए भर्ती परीक्षा का आयोजन अक्टूबर में किया जाना है। भर्ती से पहले आया विज्ञापन विवादों में घिर गया है। इस विज्ञापन को लेकर अधिवक्ता जितिन राठौर ने सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव और ईएसबी कंट्रोलर को आपत्ति दर्ज कराई है। राठौर ने ईएसबी पर नगर निगम भोपाल के सहायक यंत्रियों की अवैधानिक तरीके से भर्ती परीक्षा आयोजित करने का आरोप लगाया है। अपने आपत्ति पत्र में उन्होंने लिखा है कि ईएसबी द्वारा जारी विज्ञापन में तृतीय श्रेणी के पदों का उल्लेख करते हुए नगर निगम भोपाल में सहायक यंत्री (द्वितीय श्रेणी पद) के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। अधिनियम अनुसार ईएसबी सिर्फ तृतीय एवं चर्तुथ श्रेणी के पदों की भर्ती परीक्षा का आयोजन कर सकता है। इस विज्ञापन में अन्य विभागों के तृतीय श्रेणी के पद ही शामिल किये गये हैं, लेकिन नगर निगम भोपाल में ही द्वितीय श्रेणी के पदों पर परीक्षा आयोजित की जा रही है। नगरीय प्रशासन विभाग के जुलाई 2015 मई 2022 एवं दिसम्बर 2022 के राजपत्रों में भी भर्ती नियमों का हवाला दिया गया है। जिसमें द्वितीय श्रेणी के पद लोक सेवा आयोग एवं तृतीय/चतुर्थ श्रेणी के पद ईएसबी से भरे जाने का उल्लेख किया गया है। आवेदकों ने चेतावनी दी है कि ईएसबी द्वारा निगम भोपाल के सहायक यंत्री पद की भर्ती परिक्षा निरस्त नहीं की जाती है तो वे ईएसबी, सामान्य प्रशासन विभाग के खिलाफ कोर्ट जाएंगे।

20 आईपीएस के तबादले, धार और अशोकनगर में नए एसपी

चार डीआईजी को प्रमोशन के 9 माह बाद मिली नई पोस्टिंग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने सोमवार को 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इस सूची में 18 डीआईजी और 2 एसपी स्तर के अधिकारियों के नाम शामिल हैं। लंबे समय से अटकी हुई डीआईजी स्तर के अधिकारियों की तबादला सूची में 2010 बैच के चार अधिकारी विजय कुमार खत्री, विनीत कुमार जैन, मनोज कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह के नाम शामिल हैं। ये सभी अधिकारी इसी साल 1 जनवरी को प्रमोशन पाकर डीआईजी बने थे और तब से नई पदस्थापना का इंतजार कर रहे थे। ट्रांसफर लिस्ट के अनुसार धार और अशोकनगर जिलों के एसपी बदले गए हैं। मयंक अवस्थी धार के नए एसपी होंगे, जबकि अशोकनगर के पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी राजीव कुमार मिश्रा को सौंपी गई है। ये दोनों अफसर 2012 बैच के हैं। इसके अलावा मोनिका शुक्ला को भोपाल में एडिशनल सीपी क्राइम एवं मुख्यालय की जिम्मेदारी दी गई है।

नई पदस्थापना पाने वाले अधिकारियों की सूची

नाम	पूर्व पद	नवीन पद
ललित शाक्यवार	डीआईजी, छतरपुर	डीआईजी पीएचक्यू
मुकेश श्रीवास्तव	डीआईजी बालाघाट	डीआईजी मानवाधिकार आयोग
सुनील कुमार पांडे	डीआईजी सागर	डीआईजी पीएचक्यू
ओमप्रकाश त्रिपाठी	डीआईजी भोपाल ग्रामीण	डीआईजी एसएएफ मध्यक्षेत्र
मनोज कुमार सिंह	डीआईजी रतलाम	डीआईजी लोकायुक्त भोपाल
मनोज कुमार श्रीवास्तव	एडिशनल सीपी, इंदौर	डीआईजी पीआरटीएस इंदौर
मोनिका शुक्ला	डीआईजी रेल, भोपाल	एडिशनल सीपी, भोपाल शहर
निमिष अग्रवाल	डीआईजी इंदौर ग्रामीण	डीआईजी रतलाम
डी कल्याण चक्रवर्ती	डीआईजी छिंदवाड़ा	डीआईजी पीएचक्यू
पंकज श्रीवास्तव	एडिशनल सीपी, भोपाल	डीआईजी पीएचक्यू
राजेश कुमार सिंह	डीआईजी पीआरटीएस	एडिशनल सीपी, इंदौर
हेमंत चौहान	डीआईजी एससीआरबी	डीआईजी रीवा
विजय कुमार खत्री	एसएसपी रेडियो भोपाल	डीआईजी छतरपुर
विनीत कुमार जैन	एसपी अशोकनगर	डीआईजी बालाघाट
मनोज कुमार सिंह	एसपी धार	डीआईजी इंदौर ग्रामीण
राकेश कुमार सिंह	कमांडेंट एसआईएसएफ	डीआईजी छिंदवाड़ा
राजेश सिंह	डीआईजी रीवा	डीआईजी भोपाल ग्रामीण
शशीन्द्र चौहान	कमांडेंट 32 वीं बटा. उज्जैन	डीआईजी सागर
मयंक अवस्थी	एआईजी स्पेशल ब्रांच	एसपी धार
राजीव कुमार मिश्रा	एआईजी महिला सुरक्षा	एसपी अशोकनगर

चौधरी-जीतू भी संभालेंगे जिलों की जिम्मेदारी

संगठन को मैदानी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए कांग्रेस सक्रिय

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र कांग्रेस जमीनी जमावट के लिए अपने वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी देने की तैयारी में है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी सहित

दूसरे बड़े नेताओं को जिलों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, जहां उन्हें हर विधानसभा में कांग्रेस को जीत दिलानी होगी। कांग्रेस ने रणनीति को बदला है। संगठन सृजन अभियान के तहत जहां जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की गई हैं,वहीं अब बड़े नेताओं को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी की जा रही है। बताया गया है कि प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी जहां प्रदेश संगठन के साथ को मजबूत बनाने के साथ-साथ नेताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए काम करेंगे, तो वहीं उन्हें भी किसी एक जिले को व्यक्तिगत तौर पर गोद लेना होगा। जहां पर वो सक्रिय होंगे और वहां की सभी विधानसभा सीटों पर कांग्रेस कैसे मजबूत बने, इसके लिए चौधरी को अपनी भूमिका का निर्वाहन करना होगा। कामोवेश प्रदेश अध्यक्ष जीत पटवारी की भी भूमिका कुछ ऐसी ही होगी। इनके अलावा पार्टी के कई पूर्व सांसद, केन्द्र और प्रदेश सरकार में मंत्री रहे नेताओं को भी ऐसी ही जिम्मेदारी सौंपी जाएंगी।

जिलाध्यक्ष बने नेता होंगे दायित्व से मुक्त

संगठन सृजन अभियान के तहत जिन नेताओं को कांग्रेस ने जिलों की कमान सौंपी है, उन्हें जल्द ही मुक्त किया जाएगा। इनमें पूर्व मंत्री और गुना जिले के जिलाध्यक्ष जयवर्धन सिंह, प्रियव्रत सिंह से पीसीसी द्वारा सौंपे गए दायित्व वापस होंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष रहे प्रियव्रत सिंह, यूथ कांग्रेस का प्रभार संभालने वाले जयवर्धन सिंह के अलावा प्रदेश महामंत्री जनित उईके से एससी विभाग का प्रभार जहां वापस लिया जाएगा,तो वहीं बाल कांग्रेस के प्रभार देख रही प्रतिमा रघुवंशी और निलय डागा से सेवादल की जिम्मेदारी वापस ली जाएगी।

पचमढ़ी में होगा प्रशिक्षण

इधर कांग्रेस एक बार फिर से अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए पचमंढ़ी में शिविर लगा सकती है। हालांकि अब तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। लेकिन चर्चा है कि इस महीने की 25 तारीख से 5 अक्टूबर तक कांग्रेस अपने जिलाध्यक्षों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करेगी। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी शामिल होंगे। इनके अलावा दूसरे नेता भी इस प्रशिक्षण शिविर में जिलाध्यक्षों को कांग्रेस का रोडमैप समझाने पचमंढ़ी आ सकते है। इसके अलावा शिविर में कार्यकर्ताओं को बूथ की ताकत, सोशल मीडिया का इस्तेमाल, कार्यकर्ताओं के साथ जुड़ाव और नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल बैठाने को लेकर मार्गदर्शन दिया जाएगा। इन कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन को लेकर भी जरुरी जानकारी दी जाएगी।

पृष्ठ एक और तीन के शेष

नेपाल में 'जेन जी'...
नहीं झुकना चाहिए। इस बयान के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन में तनाव बढ़ गया है। नेपाली कांग्रेस के मंत्रियों ने बैठक से वॉकआउट कर दिया।
इससे पहले नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों से कहा था कि वे
1. नेपाल में लोकल ऑफिस खोलें। 2. लोकल शिकायत निवारण अधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त करें। 3. सरकार को आवश्यक डेटा मुहैया कराएं। 4. विवादित कंटेंट हटाने की जिम्मेदारी लें। कंपनियों का तर्क है कि नेपाल का यूजर बेस छोटा है और इतनी लागत उन पर भारी पड़ेगी। अगर वे यहां नियम मान लें तो अन्य छोटे देशों में भी दबाव बढ़ेगा। यही वजह रही कि उन्होंने समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया।
नेपाल का संविधान और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देते हैं। लेकिन जिस तरह पुलिस ने बल का प्रयोग किया और प्रदर्शनकारी हिंसा पर उतरे, उसने देश को गहरे संकट में धकेल दिया है। यह पहली बार है जब नेपाल की जनरेशन-जी इतनी बड़ी संख्या में लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए सड़क पर उतरी है। उनका कहना है कि सरकार उनकी आवाज दबा रही है और बोलना भी अपराध बना दिया गया है। सोमवार सुबह संसद भवन के बाहर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जमा होते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। युवाओं ने नारेबाजी करते हुए गेट तोड़ने की कोशिश की। पुलिस ने पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, लेकिन भीड़ पर काबू नहीं पा सकी। इसके बाद पुलिस ने रबर बुलेट और असली गोलियां चलाईं। एक घायल युवक को साथी प्रदर्शनकारी खुद कंधों पर उठाकर अस्पताल ले जाते देखे गए। आंदोलन में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। कई छात्राओं ने 'भ्रष्टाचार बंद करो' जैसे नारे लिखी तख्तियां थाम रखी थीं। स्कूल ड्रेस पहने हुए छात्र सड़क पर बैठकर सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे।

दीपक नए जनसंपर्क...
इंदौर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उनके स्थान पर सीएम सचिवालय के उपसचिव आशीष तिवारी अब कटनी के नए कलेक्टर होंगे। बड़वानी की कलेक्टर सुश्री गुंचा सनोबर को मंत्रालय में उपसचिव बनाया गया है, जबकि श्रीमती जयति सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन को बड़वानी जिले की कमान सौंपी गई है। श्रीमती प्रीति यादव आयुक्त नगर निगम जबलपुर को आगर -मालवा का कलेक्टर बनाया गया है। इंदौर के नए कलेक्टर शिवम वर्मा होंगे। वे इंदौर नगर निगम के आयुक्त थे। इसी तरह इंदौर संभाग के मौजूदा कमिश्नर दीपक सिंह को विकअ सह सचिव मध्यप्रदेश निर्वाचन आयोग बनाया गया है। जबकि अब तक इस जिम्मेदारी को निभा रहे अभिषेक सिंह को गृह सचिव बनाया गया है। मौजूदा समय में गृह सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे आशीष भार्गव की नई पदस्थापना अभी नहीं की गई है। इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी बदले गए हैं। यहां पदस्थ सीईओ रामप्रकाश अहिरवार को जबलपुर नगर निगम का कमिश्नर बनाया गया है। जबकि नगरीय प्रशासन एवं विकास के अपर आयुक्त परीक्षित संजय राव झाड़े को आईडीए का नया सीईओ बनाया गया है।

एनडीए को बढ़त; बीजद...
उनके पक्ष में जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने बीजद और बीआरएस के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि यह कदम लोकतांत्रिक विपक्ष को कमजोर करने वाला है। दूसरी ओर भाजपा का तर्क है कि बीजद और बीआरएस ने अपने विवेक से निर्णय लिया है और इसे विपक्ष की विफलता के रूप में देखा जाना चाहिए।

तैयारी | 72 यूनिट से मांगा ब्यौरा, ज्वाइन न करने वाले आवेदकों को अब नहीं मिलेगा मौका

1360 खाली पदों पर वेटिंग लिस्ट से होगी आरक्षकों की भर्ती

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) 2023 में हुई पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में सफल होने के बाद भी ज्वाइन न करने वाले आवेदकों के स्थान पर वेटिंग लिस्ट से भर्ती करेगा। चयन एवं भर्ती शाखा ने इसकी तैयारी कर ली है। यह भी तय कर लिया गया है कि ज्वाइन न करने वाले आवेदकों को अब और मौके नहीं दिए जाएंगे। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा के तहत चयन एवं भर्ती शाखा ने 6420 आरक्षकों की मेरिट लिस्ट बनाई थी। इसके अलावा कोर्ट के आदेश पर ओबीसी के 13 प्रतिशत पदों की रिजर्व लिस्र्ट भी बनाई गई थी। इस साल मार्च में जारी रिजल्ट के बाद अब तक केवल 5000 उम्मीदवारों ने ही अपनी ज्वाइनिंग दी और शेष 1420 उम्मीदवारों में से 1360 ने बार-बार रिमाइंडर के बाद भी न तो ज्वाइनिंग दी और न ही किसी तरह का आवेदन पीएचक्यू को भेजा। इसके बाद अब पीएचक्यू ने फैसला लिया है कि इन पदों पर वेटिंग लिस्ट के जरिए नियुक्तियां दी जाएंगी। पीएचक्यू ने अब प्रदेश की सभी 72 पुलिस और एसएएफ इकाईयों से खाली पदों का विवरण मांगा है, जहां इन आरक्षकों को आमद देनी थी।

रोस्टर के हिसाब से बनेगी वेटिंग लिस्ट

वेटिंग लिस्ट में आरक्षण के रोस्टर का पालन किया जाएगा। जिस वर्ग के आरक्षक के पद रिक्त होंगे उन्ही वर्गों के आवेदकों को वेटिंग लिस्ट से नियुक्ति दी जाएगी। इसके अलावा ओबीसी के 13 प्रतिशत रिजर्व पदों के लिए जारी सूची यथावत रहेगी। अगर कोर्ट इन पदों पर नियुक्ति का आदेश देगा तो इस रिजर्व लिस्ट के आवेदकों को भी ज्वाइन करा दिया जाएगा।

मार्च में परिणाम लेकिन घोटाले की भी गूंज

पुलिस मुख्यालय ने 2023 में कांस्टेबल के 7090 पदों को भरने के लिए मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी) के जरिए परीक्षा आयोजित की थी। इस साल मार्च में परीक्षा परिणाम जारी करने के साथ ही ईएसबी ने 6420 आवेदकों की लिस्ट जारी की थी। इसके अलावा ओबीसी के 13 प्रतिशत पदों की एक रिजर्व लिस्ट भी बनाई थी। इस साल मार्च में परिणाम जारी होने के बाद इस परीक्षा में आधार कार्ड के अपडेशन के जरिए फर्जीवाड़ा उजागर हुआ था। इस मामले में प्रदेश भर में 35 एफआईआर दर्ज कर दो दर्जन आरोपी गिरफ्तार किए गए थे। घोटाला उजागर होने के बाद पीएचक्यू ने सभी चयनित आवेदकों को उनकी यूनिटों में आधार अपडेट हिस्ट्री अपने दस्तावेजों के साथ जमा कराने को कहा था। इसके बाद लगभग 1360 से अधिक उम्मीदवार न तो ज्वाइन करने आए और न ही उन्होंने पुलिस विभाग द्वारा भेजे गए रिमाइंडरों का जवाब दिया। इसके बाद पीएचक्यू के आला अफसरों ने इन पदों पर वेटिंग लिस्ट के जरिए भर्ती करने का फैसला ले लिया। वेटिंग लिस्ट से भर्ती की प्रक्रिया जल्द ही शुरू करने का दावा पीएचक्यू के अफसरों ने किया है, हालांकि इसके लिए समय सीमा नहीं बताई गई है। इन 1420 में से 60 उम्मीदवार पहले से ही अन्य स्थानों पर कार्यरत हैं, जिन्होनें वर्तमान पद से मुक्त होने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। जानकारी के अनुसार केवल एसएएफ की बटालियनों में ही 1000 से ज्यादा पदों पर चयनित आरक्षकों ने ज्वाइनिंग नहीं दी है।

नेपाल में नई पीढ़ी की नाराजगी का विस्फोट

काठमांडू, जेएनएन। काठमांडू की सड़कों पर सोमवार को वह नजारा देखने को मिला, जिसने पूरे नेपाल की राजनीति और समाज को हिला दिया। संसद भवन से लेकर राष्ट्रपति निवास तक, और पोखरा से लेकर विराटनगर तक, हजारों की संख्या में युवा सड़कों पर उतरे। यह सिर्फ एक आंदोलन नहीं था, बल्कि नेपाल की नई पीढ़ी की नाराजगी का विस्फोट था। सवाल-जवाब के रूप में समझते हैं कि यह विरोध क्यों भड़का, किस तरह फैला और इसका असर कितना घातक रहा।

युवा ही क्यों नेतृत्व कर रहे हैं?

नेपाल की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा युवा है। देश की कुल आबादी का 20.8 फीसदी हिस्सा 16 से 25 साल के बीच है। करीब 90 फीसदी लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप युवाओं की रोजमर्रा का हिस्सा बन चुके हैं। सरकार ने अचानक 26 प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने से छात्रों, युवा पेशेवरों और छोटे कारोबारियों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई। यही वजह रही कि यह विरोध ऑनलाइन असहमति से सड़कों पर आंदोलन में बदल गया।

सरकार का पक्ष क्या है?

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का कहना है कि राष्ट्रीय संप्रभुता और गरिमा किसी की तरह की नाराजगी से ऊपर है। संचार मंत्रालय का कहना है कि सोशल मीडिया कंपनियों को मंत्रालय में पंजीकरण, शिकायत निवारण अधिकारी की नियुक्ति, अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति और नेपाल में संपर्क कार्यालय खोलने के लिए 7 दिन का समय दिया गया था।

हिंसा कितनी घातक हुई?

राज्य टीवी के मुताबिक, पुलिस कार्रवाई में 22 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक घायल हुए। पुलिस ने आंसू गैस, रबर की गोलियां और लाठियां चलाईं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने अंधाधुंध गोलीबारी की। अधिकारियों का कहना है कि बल का इस्तेमाल तभी हुआ जब भीड़ हिंसक हो गई।

विरोध कैसे फैला?

शुरुआत काठमांडू से हुई, लेकिन जल्द ही यह पोखरा, विराटनगर और भरतपुर तक फैल गया। सोमवार को हजारों युवाओं ने संसद परिसर की बैरिकेडिंग तोड़ दी। एक एम्बुलेंस को आग के हवाले कर दिया गया। दंगा-रोधी पुलिस पर पत्थरबाजी हुई। इसके बाद सरकार ने कर्फ्यू का ऐलान किया।

आंदोलन की जड़ क्या है?

ताजा वजह थी सरकार का फैसला। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, एक्स, रेडिट सहित 26 प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध। आरोप था कि ये कंपनियां नेपाल में पंजीकरण नहीं करा रहीं और इनका इस्तेमाल घृणा फैलाने, गलत सूचना और धोखाधड़ी के लिए हो रहा है। दिलचस्प है कि टिकटॉक और वाइबर जैसी कुछ कंपनियों ने नियम मान लिए और वे अब भी चालू हैं।

प्रदर्शनकारी क्या कह रहे हैं?

प्रदर्शन के आयोजकों ने इसे 'जनरेशन-जी का आंदोलन' बताया है। युवाओं का कहना है कि सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाकर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी और आजादी पर सीधा हमला किया है। नारों में गूंज रहा था- 'सोशल मीडिया पर बैन बंद करो, भ्रष्टाचार रोको।'एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'यह नेपाल की नई पीढ़ी का आंदोलन है।' कई छात्र अपने स्कूल और कॉलेज की यूनिफॉर्म में प्रदर्शन में शामिल हुए और संसद परिसर तक जा पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

भारत पर टैरिफ लगाना बिल्कुल सही: जेलेंस्की

कीव, जेएनएन। भारत और अमेरिका के रिश्ते इस समय बेहद कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रूस से लगातार तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी का टैरिफ लगाया है। इस तरह अमेरिका ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत पर अमेरिकी टैरिफ का समर्थन किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ट्रंप के टैरिफ का समर्थन करते हुए कहा कि रूस से लगातार डील कर रहे देशों पर टैरिफ लगाने का आइडिया बहुत सही है। आपने पीएम मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग की मीटिंग देखी होगी। क्या भारत पर टैरिफ लगाने की ट्रंप की योजना उल्टी पड़ गई है? इस पर जेलेंस्की ने कहा कि रूस से लगातार तेल खरीद रहे देशों पर टैरिफ लगाने का आइडिया एकदम सही है। दरअसल यूक्रेनी राष्ट्रपति से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया चीन दौरे को लेकर सवाल किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन समिट के लिए चीन गए थे।

पर्यावरणविदों ने विनाशकारी बताकर रोक की मांग की

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय जलवायु और पर्यावर्णीय न्याय मंच ने हरियाणा की महत्वाकांक्षी अरावली चिड़ियाघर सफारी पार्क परियोजना को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए केंद्र और राज्य सरकार को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री को भेजे गए इस ज्ञापन में परियोजना को अरावली के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र, स्थानीय समुदायों और वन्यजीवों के लिए एक गंभीर खतरा बताया गया है। एनएसीईजे जो जमीनी स्तर के आंदोलनकारियों, पारिस्थिति-कीविदों और कानूनी विशेषज्ञों का एक अभा मंच ने परियोजना के पर्यावरणीय परिणामों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम और नूंह जिलों में फैली 10,000 एकड़ अरावली भूमि पर दुनिया का सबसे बड़ा क्यूरेटेड सफारी पार्क बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य जैव विविधता का संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देना है। परियोजना की योजना में पशु बाड़ों के अलावा होटल, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस, मनोरंजन पार्क, कृत्रिम झीलें और एक सफारी क्लब जैसे बड़े पैमाने पर व्यावसायिक निर्माण शामिल हैं।

130 किमी की रफ्तार से बढ़ रहा हवाई में किको तूफान

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के हवाई राज्य में शक्तिशाली तूफान के खतरे के बीच प्रशासन ने इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। श्रेणी 4 का तूफान 'किको' अब द्वीप समूह के नजदीक आ रहा है। मौसम सेवा ने बताया कि तूफान होनोलूलू से लगभग 1,205 मील पूर्व-दक्षिण-पूर्व में स्थित था। तूफान की हवाओं की रफ्तार 130 मील प्रति घंटे थी और यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की दिशा में 25 मील प्रति घंटे की गति से बढ़ रहा था। तूफान सप्ताह के मध्य तक यह पूर्वी हवाई द्वीप समूह में अपने चरम स्तर पर पहुंच सकता है। हवाई इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया कि किको तूफान मंगलवार और बुधवार को हवाई द्वीप के उत्तर से गुजरने की संभावना है। हालांकि इसके सीधे प्रभाव का खतरा कम होता दिख रहा है, लेकिन नए पूर्वानुमानों पर नजर बनाए रखना जरूरी है। सोमवार को लहरें उठेंगी और सोमवार रात और मंगलवार को पूर्व की ओर स्थित तटों पर चरम पर पहुंच जाएंगी, जिससे खतरनाक लहरें उठ सकती हैं। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि बिग आइलैंड पर तट से टकराने से पहले यह तूफान पहले श्रेणी 2 और फिर श्रेणी 1 में कमजोर हो जाएगा।

जम्मू-कश्मीर और पंजाब में बाढ़ ने मचाई तबाही, आपदा को अवसर बनाने की फिराक में पाकिस्तान

बाढ़ की आड़ में पाकिस्तानी आंतकी भारत में घुसपैठ की फिराक में, हाई अलर्ट पर बीएसएफ

नई दिल्ली, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर और पंजाब में इन दिनों बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस बाढ़ ने जहां लोगों की जीना मोहाल कर दिया। वहीं पाकिस्तान इस आपदा में भी अपने नापाक मंसूबों से बाज़ आता नहीं दिख रहा है। एक खुफिया रिपोर्ट पाकिस्तान के खतरनाक मंसूबों का पर्दाफाश किया है। सूत्रों के मुताबिक, सीमा पार बैठे आतंकी संगठन इस आपदा को घुसपैठ के अवसर में बदलने की साजिश रच रहे हैं। खुफिया एजेंसी से मिली इस जानकारी के बाद बीएसएफ को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दरअसल बाढ़ के पानी ने सीमा सुरक्षा बल की करीब 100 चौकियों को नुकसान पहुंचाया है। जम्मू रीजन में लगभग 30 किलोमीटर और पंजाब रीजन में करीब 80 किलोमीटर तक बाढ़ का पानी फेंसिंग में घुस गया, कई जगहों पर सुरक्षा घेरे को नुकसान हुआ है। जहां फेंसिंग टूटी है, वहां अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा बल की कोशिश है कि पाकिस्तान की ओर से किसी भी घुसपैठ की कोशिश को समय रहते नाकाम किया जा सके।

सर्चलाइट से रखी जा रही नजर

बाढ़ का फायदा उठाकर पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ की किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए बीएसएफ ने अब दोनों क्षेत्रों में बाड़ और सीमा चौकियों को बहाल करने के लिए अभियान शुरू किया है ताकि जवान फिर से वहां तैनात हो सकें। इन इलाकों में अंतरराष्ट्रीय सीमा की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के साथ ड्रोन, बड़ी सर्चलाइट से नजर रखी जा रही है और नावों से गश्त की जा रही है। पानी कम हो रहा है और बीएसएफ कर्मी जल्द ही वहां तैनात हो जाएंगे। केवल निचले इलाकों में ही पानी जमा रहेगा। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि तीन दिनों में हालात सामान्य होने लगेंगे।

100 चौकियां क्षतिग्रस्त

मानसून के चलते हो रही बारिश की वजह से भारत-पाकिस्तान सीमा पर 30 किमी बाड़बंदी को भारी नुकसान पहुंचा है। कई जगह पर बाड़ टूट गई है। इस वजह से सीमा सुरक्षा बल को दर्जनों चौकियां खाली करनी पड़ी हैं। अमृतसर, गुरदासपुर और फिरोजपुर सेक्टर में 30 किमी बाड़ेबंदी को नुकसान हुआ है। बीएसएफ पंजाब में 553 किमी की पहरेदारी करती है। बाढ़ से बीएसएफ की करीब 100 चौकियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

पाकिस्तान रेंजर्स ने भी चौकियां खाली कीं

बाढ़ से हालात पाकिस्तान की तरफ भी गंभीर हैं। रावी नदी ने जीरो लाइन के दोनों ओर बाढ़ ला दी है। पाकिस्तान रेंजर्स ने भी अपनी चौकियां खाली कर दी हैं। पाक रेंजर्स को अपनी पोस्ट छोड़कर पीछे हटना पड़ा है। सरहद के उस पार भी पानी ही पानी नजर आ रहा है।

आउटपोस्ट छोड़ बनाई सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस

सीमा पर बाढ़ की वजह से बीएसएफ जवानों को बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) से एक किलोमीटर तक पीछे हटना पड़ गया है। कुछ चौकियों की छतों पर चढ़कर बीएसएफ के जवान देश की सुरक्षा कर रहे हैं लेकिन कुछ बीओपी की तरफ बाढ़ का पानी इतना अधिक भर गया है कि वहां बीओपी की छतों पर भी नहीं ठहरा जा सकता। ऐसे में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ पोस्ट छोड़कर जवानों को पीछे हटकर एक और डिफेंस लाइन बनानी पड़ी है। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के डीआईजी एके विद्यार्थी ने कहा कि गुरदासपुर में हमारी लगभग 30 से 40 चौकियां पानी में डूब गईं। सभी जवानों और उपकरणों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। अमृतसर, गुरदासपुर और फिरोजपुर सेक्टर में लगभग 30 किलोमीटर बॉर्डर फेंसिंग को नुकसान हुआ है।

भारत-ईयू व्यापार वार्ता तेज

कतर सहित कई देशों के साथ समझौते जल्द होंगे पूरे

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के व्यापार समझौते को लेकर बातचीत इस सप्ताह तेज होने वाली है। सूत्रों के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू) की टीम नई दिल्ली पहुंच चुकी है और आज से औपचारिक रूप से वार्ता शुरू हो गई है। इसके साथ ही भारत अन्य द्विपक्षीय साझेदारों के साथ भी बातचीत की नई दौर में प्रवेश करेगा। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त से मुलाकात कर मुक्त व्यापार समझौते के लिए चल रही चर्चाओं की समीक्षा करेंगे। वहीं न्यूजीलैंड, चिली और पेरू के साथ व्यापार वार्ता अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। कतर के साथ वार्ता भी जल्द पूरी होने वाली है और दोनों पक्षों द्वारा अगले महीने की शुरुआत में प्रस्तावित एफटीए के लिए विचारार्थ शर्तों पर निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। मंत्री गोयल अक्टूबर के पहले सप्ताह में कतर की यात्रा कर सकते हैं।

पांच वर्षों में हुए कई व्यापार समझौते

भारत ने पिछले पांच वर्षों में कई व्यापार सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें 2021 में लागू भारत-मॉरीशस व्यापक आर्थिक सहयोग और भागीदारी समझौता, 2022 में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता और भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता, 2024 में भारत-यूरोपीय ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता, और 2025 में हस्ताक्षरित भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता शामिल है।

एसआईआर पर सुनवाई: आधार पहचान का प्रमाण, नागरिकता का नहीं: सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कहा- इसे 12वां दस्तावेज माना जाए

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार में चल रहे एसआईआर को लेकर दायर याचिकाओं पर अहम सुनवाई हुई। कोर्ट ने साफ कहा कि 'आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं।' साथ ही चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि मतदाता पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के रूप में मान्यता दी जाए। अभी तक एसआईआर प्रक्रिया में 11 दस्तावेज ही स्वीकार्य हैं।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि आधार कार्ड को लेकर यदि कोई शंका है तो चुनाव आयोग जांच कर सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि 'कोई भी नहीं चाहता कि अवैध प्रवासी मतदाता सूची में शामिल हों। केवल वास्तविक भारतीय नागरिकों को ही वोट देने का

अधिकार होगा।' फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नाम दर्ज कराने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा।

जस्टिस बागची ने नोटिस देखकर सवाल उठाया कि इसमें सिर्फ 11 दस्तावेजों का ही उल्लेख क्यों है, जबकि कोर्ट ने इसे एक 'उदाहरणात्मक सूची' कहा था। उन्होंने टिप्पणी की कि 'पासपोर्ट और जन्म प्रमाणपत्र को छोड़कर कोई भी दस्तावेज नागरिकता का निर्णायक सबूत नहीं है।' सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि 10 जुलाई को कोर्ट ने आयोग को आधार को मान्य दस्तावेज मानने का आदेश दिया था, लेकिन अभी भी 65 लाख से अधिक मतदाताओं के लिए आधार स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

याचिकाकर्ताओं की दलील

याचिकाकर्ताओं ने अदालत में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर मतदाताओं के नाम मनमाने तरीके से हटाए जा रहे हैं। इस तरह लाखों नागरिक अपने मतदान अधिकार से वंचित हो सकते हैं। उनका तर्क था कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की मूल भावना को प्रभावित करेगा। इसके जवाब में चुनाव आयोग ने कहा कि 'सूची से फर्जी नाम हटाना और केवल पात्र नागरिकों को शामिल करना उसकी जिम्मेदारी है।

पति संग मीटिंग में पहुंचीं सीएम, विवाद

आप-कांग्रेस बोले-दिल्ली में 'फुलेरा पंचायत' की सरकार

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अपने पति मनीष गुप्ता के साथ पहुंचीं। खुद सीएम रेखा गुप्ता ने इस मीटिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं, जिनमें उनके पति अधिकारियों के साथ बैठे नजर आए। मनीष गुप्ता एक कारोबारी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। इस घटना ने राजधानी की राजनीति में हलचल मचा दी है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी पर परिवारवाद और असंवैधानिक व्यवहार के आरोप लगाए हैं। आप ने एक्स पर सीएम की तस्वीर के साथ पंचायत वेब सीरीज का एक सीन पोस्ट किया और लिखा— दिल्ली में फुलेरा पंचायत की सरकार। आप नेता संजय सिंह ने कहा-प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में दो मुख्यमंत्री बनाए हैं। रेखा गुप्ता आधिकारिक मुख्यमंत्री हैं, जबकि उनके पति सुपर मुख्यमंत्री। भाजपा ने महज छह महीने में दिल्ली का कबाड़ा कर दिया है।

पूर्व विधायक ने तेजस्वी की पत्नी पर की अश्लील टिप्पणी

पटना, जेएनएन। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी में नेता लगातार भाषाई मर्यादा लांघ रहे हैं और अब पूर्व विधायक और आरजेडी नेता राजबल्लभ यादव तेजस्वी यादव की पत्नी को लेकर ही विवादित बयान दिया। उन्होंने तेजस्वी यादव की पत्नी की तुलना जर्सी गाय से कर डाली। राजबल्लभ यादव आरजेडी की ही एक विधायक के पति भी हैं, जिसको लेकर विवाद बढ़ गया है। राजबल्लभ यादव ने नारदीगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विवादित बयान दिया था। उन्होंने तेजस्वी की शादी को लेकर सवाल उठाते हुए उनकी पत्नी की तुलना 'जर्सी गाय' से कर डाली थी। उनके इस बयान ने न सिर्फ नवादा बल्कि पूरे बिहार में राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। राजद के नेताओं ने इसे नारी समाज का अपमान बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। और राजबल्लभ यादव को फिर से जेल भेजने की मांग की है।

तेजस्वी पर बोला बड़ा हमला : राजबल्लभ यादव ने अपनी सभा में कहा कि तेजस्वी यादव हमेशा जाति की बात करते हैं, लेकिन उन्होंने खुद एक यादव लड़की से शादी नहीं की। अगर वह ऐसा करते तो यादव समाज की एक बेटी का भला होता। पूर्व आरजेडी विधायक ने यह भी कहा कि तेजस्वी यादव हरियाणा-पंजाब से 'जर्सी गाय' लेकर आए हैं। राजबल्लभ यादव के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। राजबल्लभ यादव ने कहा था कि तेजस्वी यादव सिर्फ यादव वोट के लिए जाति की बात करते हैं। उन्होंने तेजस्वी की पत्नी राजश्री के हरियाणा से होने का जिक्र करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसके साथ ही राजबल्लभ ने तेज प्रताप यादव के तलाक का भी जिक्र किया। तेज प्रताप का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि एक ने किया भी तो भगा दिया।

आरजेडी नेता ने की बयान की निंदा : आरजेडी के पूर्व विधायक कौशल यादव ने विभा देवी के पति और पूर्व राज्य मंत्री राजबल्लभ यादव के विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। कौशल यादव ने कहा कि राजबल्लभ यादव द्वारा लालू परिवार को लेकर दिया गया आपत्तिजनक बयान किसी भी उचित नही है। राजबल्लभ यादव ने तेजस्वी यादव की पत्नी पर अनुचित टिप्पणी की है।

पार्षद अनवर कादरी की रिमांड 12 तक बढ़ी

जागरण, इंदौर। पार्षद अनवर कादरी को सोमवार को इंदौर की बाणगंगा पुलिस ने रिमांड खत्म होने के बाद दूसरी बार कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने पुलिस की मांग पर कादरी का रिमांड 12 सितंबर तक बढ़ा दिया है। पुलिस का कहना है कि अनवर से अब तक कई अहम दस्तावेज और अकाउंट की डिटेल्स नहीं मिली है, जिन्हें लेकर आगे पूछताछ की जाएगी। पुलिस रविवार को अनवर कादरी को नागपुर से इंदौर लेकर लौटी थी, लेकिन वहां से कोई खास जानकारी हाथ नहीं लगी। वहीं पुलिस ने अनवर की बेटी आयशा को रिमांड खत्म होने के बाद जेल भेज दिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस ने अनवर और आयशा का आमना-सामना भी कराया, लेकिन कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई। इससे पहले कोर्ट ने अनवर को 5 दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंपा था।

दिलवाले दुल्हनिया... की छुटकी का सोनाक्षी से है खास रिश्ता?

मुंबई, जेएनएन। दिल वाले दुलहनिया की छुटकी पूजा रूपारेल दिलवाले दुलहनिया से पहले भी एक फिल्म में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकी थीं। मूवी में उनका छुटकी का रोल सबको काफी पसंद आया। कम लोग जानते हैं कि वह शत्रुघ्न सिन्हा की रिश्तेदार हैं। दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे, हिंदी सिनेमा की ऐसा कल्ट फिल्म है जिसे कई लोग शाहरुख खान की बेस्ट मूवी मानते हैं। इस फिल्म के गाने, डायलॉग्स यहां तक कि सपोर्टिंग एक्टर्स ने भी लोगों को दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। मूवी में काजोल की बहन बनीं पूजा रूपारेल ने छुटकी उर्फ मिस राजेश्वरी का रोल निभाया था। पूजा रूपारेल ने जब दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे में छुटकी का रोल निभाया, उस वक्त उनकी उम्र महज 13 साल थी। फिल्म में वह काजोल की बहन बनी हैं जिसे उनके होने वाले जीजाजी कुलजीत पसंद नहीं आते। फिल्म में पूजा रूपारेल का किरदार छोटा था लेकिन सबको पसंद आया। इंट्रेस्टिंग बात ये है कि पूजा ने पहली बॉलीवुड फिल्म की थी उसमें भी उनके साथ शाहरुख खान थे। यह मूवी थी किंग अंकल। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे कि बाद पूजा ने दिल से फिल्म में काम किया। इसमें भी शाहरुख खान थे। इसके बाद पूजा को इंडस्ट्री में कुछ खास काम नहीं मिला।

अध्ययन — डीएनए की रक्षा करने वाले टेलोमियर्स को बचाता है विटामिन

सनशाइन विटामिन रोक सकता है बुढ़ापा

विटामिन डी और टेलोमियर्स क्या है कनेक्शन?

विटामिन डी को सनशाइन विटामिन भी कहते हैं, हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। यह हड्डियों को मजबूत करता है। इम्यून सिस्टम को ताकत देता है। लेकिन नई स्टडी कहती है कि यह बुढ़ापे को भी धीमा कर सकता है। हमारे शरीर में 46 क्रोमोसोम्स होते हैं, जिनके सिरों पर टेलोमियर्स नाम की छोटी संरचनाएं होती हैं। ये टेलोमियर्स डीएनए को नुकसान से बचाते हैं, जैसे जूते के फीते की टोपी फीते को खराब होने से रोकती है। हर बार जब हमारी कोशिकाएं विभाजन करती हैं, टेलोमियर्स थोड़े छोटे हो जाते हैं। जब ये बहुत छोटे हो जाते हैं, तो कोशिकाएं मरने लगती हैं, जिससे कैंसर, दिल की बीमारी और गठिया जैसी उम्र से जुड़ी बीमारियां बढ़ सकती हैं। धूम्रपान, तनाव और सूजन टेलोमियर्स को और तेजी से छोटा करते हैं। लेकिन विटामिन डी इन टेलोमियर्स को बचाने में मदद करता है, जिससे कोशिकाएं लंबे समय तक स्वस्थ रहती हैं।

नई दिल्ली, जेएनएन। स्टडी में पता चला है कि विटामिन डी की गोलियां हमें लंबे समय तक स्वस्थ और जवान रख सकती हैं। यह हमारे डीएनए की रक्षा करने वाले टेलोमियर्स को बचाता है, जो बुढ़ापे से जुड़ी बीमारियों को रोकने में मदद करते हैं। विटामिन डी की यह स्टडी हमें बुढ़ापे को समझने की नई दिशा देती है। यह टेलोमियर्स को बचाकर हमें लंबे समय तक स्वस्थ रख सकता है। लेकिन अभी और रिसर्च की जरूरत है ताकि सही खुराक और इसके जोखिमों को समझा जा सके। तब तक, अच्छा खान-पान, व्यायाम और तनावमुक्त जीवन ही हमें जवान और स्वस्थ रखने का सबसे अच्छा तरीका है।

ऑगस्टा यूनिवर्सिटी, अमेरिका की एक स्टडी में 1031 लोगों को शामिल किया गया, जिनकी औसत उम्र 65 साल थी। इन लोगों को पांच साल तक देखा गया। आधे लोगों को रोज 2000 आईयू विटामिन डी की गोली दी गई। बाकी आधों को प्लेसिबो। शोधकर्ताओं ने उनके टेलोमियर्स को शुरू में, दो साल बाद और चार साल बाद मापा। नतीजे चौंकाने वाले थे। जिन लोगों ने विटामिन डी लिया, उनके टेलोमियर्स 140 बेस पेयर्स ज्यादा बचे रहे, जबकि प्लेसिबो ग्रुप में ऐसा नहीं हुआ। सामान्य तौर पर, टेलोमियर्स 10 साल में 460 बेस पेयर्स छोटे होते हैं। इसका मतलब है कि विटामिन डी बुढ़ापे को धीमा करने में सचमुच मदद कर सकता है।

स्टडी में क्या पता चला?

कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि बहुत लंबे टेलोमियर्स भी बीमारी का खतरा बढ़ा सकते हैं, जैसे कुछ तरह के कैंसर। इसका मतलब है कि टेलोमियर्स की लंबाई का एक सही संतुलन होना चाहिए, जिसे हम अभी पूरी तरह नहीं समझते। इसके अलावा, विटामिन डी की सही खुराक पर भी सहमति नहीं है। इस स्टडी में 2000आईयू रोज दी गई, जो सामान्य सलाह (600आईयू 70 साल से कम उम्र वालों के लिए और 800आईयू बुजुर्गों के लिए) से ज्यादा है। खुराक हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है, जैसे उनकी मौजूदा विटामिन डी की मात्रा, खान-पान और अन्य पोषक तत्वों पर निर्भर करता है। ज्यादा मात्रा में विटामिन डी लेना खतरनाक भी हो सकता है, जैसे किडनी में पथरी या कैल्शियम का जमाव। इसलिए, बिना डॉक्टर की सलाह के ज्यादा खुराक नहीं लेनी चाहिए।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

80,787

+77

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
M&M	3,708.00	4.00%
Tata Motors	719.95	3.77%
Eicher Motors	6,805.00	3.37%
Bajaj Auto	9,390.00	3.36%
JSW Steel	1,112.30	2.81%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Trent	5,311.00	-3.93%
Asian Paints	2,532.10	-1.85%
Dr Reddys Labs	1,249.80	-1.44%
Nestle	1,191.60	-1.40%
SBI Life Insura	1,780.20	-1.39%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	88.260
€ यूरो	103.15
¥ येन	0.5997
£ पौंड	119.23

ट्रम्प टैरिफ से 0.5 प्रतिशत कम हो सकती है भारत की जीडीपी ग्रोथ

अगर टैरिफ अगले साल तक खिंचता है, तो असर और बड़ा होगा: नागेश्वरन

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 50 प्रतिशत टैरिफ से इस साल भारत की जीडीपी ग्रोथ 0.50 प्रतिशत तक कम हो सकती है। ये बात देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कही। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह समय पर निर्भर करेगा, अगर ये टैरिफ इस साल ज्यादा देर तक बने रहे तो जीडीपी पर 0.5 से 0.6 फीसदी का असर पड़ सकता है। हालांकि, नागेश्वरन ने उम्मीद जताई कि ये टैरिफ ज्यादा दिनों तक नहीं चलेंगे, लेकिन अगर ये अगले वित्त वर्ष में भी जारी रहा तो विकास की गति पर बड़ा खतरा मंडराएगा। बता दें कि यह टैरिफ अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 27 अगस्त को लागू किया था। इनमें 25 फीसदी का सेकेंडरी टैरिफ शामिल है। साथ ही 25 फीसदी का जुर्माना, जो भारत के रूसी कच्चे तेल खरीदने के चलते लगाया गया है। ट्रंप का यह कदम भारत के लिए चुनौती पैदा कर रहा है। हालांकि, नागेश्वरन ने साफ कहा कि अभी भी देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

टेक्सटाइल और ज्वेलरी सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के अनुसार, यह नया टैरिफ भारत के लगभग 5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट को प्रभावित कर सकता है। 50 प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका में बिकने वाले कपड़े, जेम्स-ज्वेलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे। इससे इनकी मांग में 70 प्रतिशत की कमी आ सकती है। चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे कम टैरिफ वाले देश इन सामानों को सस्ते दाम पर बेचेंगे। इससे भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी कम होगी। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही(अप्रैल-जून) में भारत की जीडीपी ग्रोथ सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत से बड़कर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ये पिछली 5 तिमाही में सबसे ज्यादा है। मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और एग्रीकल्चर सेक्टर के बेहतर परफॉर्मेंस की वजह से जीडीपी में ये उछाल आया है।

दबाव के बावजूद उम्मीदें बरकरार: नागेश्वरन

इन दिक्कतों के बीच भी नागेश्वरन ने कहा कि भारत का वास्तविक जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 26 में 6.3 से 6.8 फीसदी रहेगी। ये सरकारी अनुमान के मुताबिक है। पहले तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी बढ़ी। ये एक साल से ज्यादा समय में सबसे तेज रफ्तार है। नागेश्वरन ने इसे सकारात्मक संकेत बताया। उन्होंने जीडीपी में हुए हालिया बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने अनुमान लगाया कि जीडीपी की नई व्यवस्था से जीडीपी में 0.2 से 0.3 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। बता दें कि लालकिले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादे को पूरा करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में जीडीपी सुधारों की घोषणा की थी। अब चार स्लैब के बजाय जीडीपी में 5 फीसदी और 18 फीसदी के दो स्लैब ही होंगे। साथ ही सिन गुड्स पर फ्लैट 40 फीसदी की दर होगी। ये बदलाव व्यापार को आसान बनाएंगे और चीजों के दाम घटने से लोगों को खरीदारी में आसानी होगी। नागेश्वरन ने कहा कि इस साल 4.4 फीसदी का राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सरकार को रिकॉर्ड डिविडेंड दिया है। संपत्ति बिक्री से भी राजस्व की कमी पूरी होगी। ये सब मिलकर अर्थव्यवस्था को सहारा देंगे। टैरिफ का दबाव है लेकिन सुधारों से रास्ता साफ दिख रहा है।

भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए भारत है तैयार: गोयल

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला है। गोयल ने एक दशक पहले दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से लेकर अब शीर्ष पांच में शामिल होने तक के भारत के सफर पर प्रकाश डाला। विज्ञान भवन में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लेटिनम जयंती समारोह में बोलते हुए गोयल ने कहा कि भारत 2014 में दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से आगे बढ़कर 2025 में शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। आने वाले दो-ढाई वर्षों में, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। गोयल ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने में एक जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन की बड़ी चुनौती के सामने, भारत एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक की भूमिका निभा रहा है। वैश्विक स्थिरता प्रयासों में भारत शीर्ष तीन देशों में शामिल रहा है।

स्वदेशी प्राथमिकता बढ़ाने पर दिया जोर: उन्होंने देश में ही उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण और बिक्री की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों से स्वदेशी वस्तुओं के प्रति अपनी प्राथमिकता बढ़ाने का आग्रह किया। गोयल ने कहा कि हमें आज दुनिया द्वारा भारत में दिखाए जा रहे विश्वास को बनाए रखना चाहिए।

भारत ने 7.8 प्रतिशत की जीडीपी का रिकॉर्ड बनाया

मंत्री ने हालिया आर्थिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली तिमाही में भारत की जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उन्होंने एक रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि 2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा । जीएसटी सुधार से देश और आम आदमी को मिलेगा लाभ गोयल ने नए अवसर पैदा करने के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों को श्रेय दिया।

इन आईएएस और आईपीएस के हुए तबादले

क्र.	अधिकारी का नाम(बैच)	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1.	डॉ. सुदाम पंढरीनाथ खाड़े (2006)	सचिव, जनसंपर्क विभाग तथा आयुक्त	आयुक्त, इंदौर संभाग, इंदौर
2.	दीपक सिंह (2007)	आयुक्त, इंदौर संभाग	सह-सचिव, मप्र राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल
3.	अभिषेक सिंह (2009)	सह-सचिव, मप्र राज्य निर्वाचन आयोग	सचिव, मध्यप्रदेश शासन, गृह विभाग
4.	आशीष सिंह (2010),	कलेक्टर, जिला इंदौर	सह-आयुक्त, उज्जैन संभाग
5.	दीपक कुमार सक्सेना (2010)	कलेक्टर, जिला जबलपुर	सह-आयुक्त, जनसंपर्क मध्यप्रदेश
6.	शिवम वर्मा (2013),	आयुक्त, नगर पालिक निगम, इंदौर	कलेक्टर, जिला इंदौर
7.	राघवेन्द्र सिंह (2013)	कलेक्टर, आगर मालवा	कलेक्टर, जबलपुर
8.	दिलीप कुमार यादव (2014)	कलेक्टर, जिला कटनी	आयुक्त, नगर पालिक निगम, इंदौर
9.	गुंचा सनोबर (2015)	कलेक्टर, बड़वानी	उप सचिव, मप्र शासन
10.	आशीष तिवारी (2016)	उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय	कलेक्टर, जिला कटनी
11.	जयति सिंह (2016)	सीईओ, जिला पंचायत उज्जैन	कलेक्टर, जिला बड़वानी
12.	प्रीति यादव (2016)	आयुक्त, नगर पालिक निगम, जबलपुर	कलेक्टर, जिला आगर मालवा
13.	डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े (2017)	अपर आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास	उप सचिव, मप्र शासन
14.	रामप्रकाश अहिरवार (2018)	मुख्य कार्यपालन अधिकारी, इंदौर	आयुक्त, नगर पालिका निगम, जबलपुर

क्र.	अधिकारी का नाम(बैच)	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1.	श्री रियाज इकाबाल भापुसे (2011)	पुलिस उपायुक्त जोन3 नगरीय पुलिस भोपाल	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेडियो भोपाल
2.	विवेक सिंह भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक रीवा	पुलिस उपायुक्त जोन-2 नगरीय पुलिस भोपाल
3.	शैलेंद्र सिंह चौहान भापुसे (2012)	सेनानी 13 वाहिनी बिस बल ग्वालियर	पुलिस अधीक्षक रीवा
4.	श्री कुमार प्रीतक भापुसे (2012)	सेनानी 12 वाहिनी बिसवाल भोपाल	पुलिस उपयाक्त जोन-2 नगरीय पुलिस इंदौर
5.	श्री शिवदयाल भापुसे (2012)	सेनानी 14वाहिनी बिसवल ग्वालियर	पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ
6.	श्री रघुवंश कुमार भापुसे (2012)	सेनानी 5वी वाहिनी बिसवाल मुरैना	पुलिस अधीक्षक. जिला अलीराजपुर
7.	श्री प्रमोद कुमार सिन्हा भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक ग्रामीण भोपाल	सेनानी 13 वाहिनी बिसवल भोपाल
8.	श्री विजय कुमार भगवानी भापुसे (2012)	सहा. पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय, भोपाल	पुलिस अधीक्षक उमरिया
9.	श्री निश्चिय झारिया भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक बैतूल	सेनानी 5वाहिनी विसबल मुरैना
10.	श्री संतोष कोरी भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर	पुलिस अधीक्षक सीधी
11.	श्री गुरकरण सिंह भापुसे (2014)	पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम	सेनानी 24 वी वाहिनी विसबल जावरा रतलाम
12.	श्री साईकृष्ण एस थोटा भापुसे (2012)	पुलिस अधीक्षक पन्ना	पुलिस अधी. नर्मदापुरम
13.	श्री अशुतोष भापुसे (2014)	पुलिस अधीक्षक सतना	पुलिस उपायुक्त जोन-1 नगरीय पुलिस भोपाल
14.	श्री धर्मराज मीना भापुसे (2015)	पुलिस अधीक्षक खरगौन	सेनानी 32वीहिनी विसबल उज्जैन
15.	श्री हंसराज सिंह भापुसे (2016)	पुलिस उपायुक्त जोन-3 नगरीय पुलिस इंदौर	पुलिस अधीक्षक सतना
16.	श्रीमती निवेदिता नायडु भापुसे (2016)	पुलिस अधीक्षक उमरिया	पुलिस अधीक्षक पन्ना
17.	श्री सुनील तिवारी भापुसे (2016)	सहा. पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल	सेनानी 36 वाहिनी विसबल बालाघाट
18.	श्री वीरेंद्र जैन भापुसे (2016)	पुलिस अधीक्षक श्योपुर	पुलिस अधीक्षक बैतूल
19.	संजीव कुमार सिन्हा भापुसे (2016)	सहा. महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल	सेनानी 14वाहिनी विसबल ग्वालियर
20.	श्रीराम शरण प्रजापति भापुसे (2016)	सहा. पुलिस महानिरीक्षक एसपीआरवी पु.मु. भोपाल	पुलिस अधीक्षक ग्रामीण भोपाल
21.	श्री पदम बिलोचन शुक्ल भापुसे (2016)	पुलिस अधीक्षक झाबुआ	पुलिस अधीक्षकरेल इंदौर
22.	श्री राजेश व्यास भापुसे (2016)	पुलिस अधी. अलीराजपुर	पुलिस उपायुक्त आ.सूचना एवं नगरीय सुरक्षा इंदौर
23.	श्री सुनील कुमार अग्रवाल भापुसे (2016)	पुलिस अधीक्षक मैहक	पुलिस अधीक्षक श्योपुर
24.	श्री संजय कुमार अग्रवाल भापुसे (2016)	पुलिस उपायुक्त जोन-2 नगरीय पुलिस भोपाल	सहा. पु. महानिरीक्षक मप्र पुलिस अका. भौंरी
25	श्री अवधेश प्रताप सिंह भापुसे (2016)	सेनानी 36वी वाहिनी विसबल बालाघाट	पुलिस. अधीक्षक मैहर
26.	श्री रवींद्र वर्मा भापुसे (2017)	पुलिस अधीक्षक सीधी	पुलिस अधीक्षक खरगौन
27.	श्री अभिनव चौकसे भापुसे (2018)	पुलिस अधीक्षक हरदा	पुलिस उपायुक्त जोन-3 नगरीय पुलिस भोपाल
28	श्री शशांक भापुसे (2019)	पुलिस उपायुक्त जोन-1 नगरीय पुलिस भोपाल	पुलिस अधीक्षक हरदा
29.	श्री आयुष गुप्ता भापुसे (2021)	अति. पु. अधीक्षक जिला छिंदवाड़ा	अति. पु. अधीक्षक जिला बैतूल
30.	श्रीमती विदिता डागर भापुसे (2021)	अति. पुलिस अधीक्षक जिला छतपुर	अति. पु. अधीक्षक जिला ग्वालियर

बाजार पर नजर

पड़ोसी देश के साथ अडानी की डील से चढ़ा शेयरों का भाव

नई दिल्ली, जेएनएन। बिजनेस टायकून गौतम अडानी की अगुवाई वाली कंपनी अडानी पावर के शेयर में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर 4.74 परसेंट उछलकर 638.70 रुपये पर पहुंच गए. इस तेजी के पीछे एक वजह है। दरअसल, कंपनी ने पड़ोसी देश भूटान में 570 मेगावाट के हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए वहां की सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्प के साथ एक डील की है। वांगछू प्रोजेक्ट में पावर प्लांट और इससे संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 6000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। प्रोजेक्ट पर काम 2026 में शुरू होने की उम्मीद है, जिसे पांच साल के भीतर पूरा करने का टारगेट है। बेशक, इस हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से भूटान में बिजली की बढ़ती मांग पूरी होगी, खासकर सर्दियों के दिनों में। इसके अलावा, इसके जरिए भारत में भी बिजली का निर्यात किया जाएगा।

साइकिल-खिलौने तो सस्ते महंगी हो सकती हैं किताबें

नई दिल्ली, जेएनएन। हाल में जीएसटी रिफॉर्म के बाद उसे पहले के चार स्लैब की जगह पर अब दो स्लैब कर दिया गया है, जो 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएगा। इसके बाद अधिकतर चीजों के दाम कम हो जाएंगे। लेकिन जीएसटी काउंसिल के फैसले से किताबों की कीमत बढ़ सकती है। इसकी खास वजह ये है कि जिस कागज पर किताबें छपती हैं, उस पर जीएसटी की दरें 12 प्रतिशत से अब बढ़कर 18 प्रतिशत कर दी गई हैं। किताब के प्रकाशकों की मानें तो सरकार के इस कदम का सीधा बोझ छात्रों के पॉकेट पर पड़ने वाला है क्योंकि किताब की कीमतें अब महंगी होने जा रही हैं। हालांकि, सरकार के इस कदम के विरोध में किताब के कारोबारियों ने लेटर लिखकर अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखी हैं। जीएसटी काउंसिल की बैठक में एक तरफ जहां स्टेशनरी के सामान जैसे नक्शे, नोटबुक, रबर, रजिस्टर, पेंसिल और ड्राइंग पर पूरी तरह से जीएसटी खत्म कर दिया गया है। इन सामानों पर पहले 12 प्रतिशत की दर से जीएसटी चार्ज किया जाता था।

भारत-इजरायल ने साइन की बाइलेट्रल इन्वेस्टमेंट ट्रीटी, आर्थिक और निवेश संबंधों को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और इजरायल ने नई दिल्ली में एक बड़ा समझौता किया। दोनों देशों ने आपसी आर्थिक और वित्तीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए बाइलेट्रल इन्वेस्टमेंट ट्रीटी पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजरायल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने साइन किए। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी शेयर करते हुए बताया कि यह समझौता दोनों देशों के निवेशकों के लिए नए अवसर खोलेगा। इजरायल के वित्त मंत्रालय ने कहा कि नई इन्वेस्टमेंट ट्रीटी से भारत और इजरायल के निवेशकों को बराबर का मौका मिलेगा। यह आपसी निवेश को बढ़ावा देने का काम करेगी।

यह समझौता खास इसलिए भी है क्योंकि इजरायल पहला आर्थिक सहयोग और विकास संगठन देश है जिसके साथ भारत ने नई इन्वेस्टमेंट ट्रीटी साइन की है। यह समझौता भारत के नए मॉडल पर आधारित है, जिसे निवेश समझौतों के लिए तैयार किया गया है। बता दें कि आर्थिक सहयोग और विकास संगठन देश अमीर और विकसित देशों का एक समूह है, जो आपस में मिलकर अर्थव्यवस्था और व्यापार को बेहतर बनाने का काम करते हैं। हालांकि, समझौते की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि इस ट्रीटी के तहत दोनों देशों के निवेशकों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर सुरक्षा मिलेगी। साथ ही नॉन-डिस्क्रिमिनेटरी ट्रीटमेंट और स्वतंत्र आर्बिट्रेशन की सुविधा भी दी जाएगी। इजरायल इससे पहले भी यूएई और जापान जैसे देशों के साथ 15 से ज्यादा इन्वेस्टमेंट ट्रीटी साइन कर चुका है। इजरायल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच इन दिनों भारत के तीन दिन के दौरे पर हैं। इस विजिट का मकसद दोनों देशों के बीच आर्थिक और वित्तीय संबंधों को मजबूत करना है।

सेंसेक्स 76 अंक चढ़ा निफ्टी 24,800 के नीचे, ऑटो शेयर चमके

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑटो स्टॉक्स में लगातार जारी तेजी और मेटल स्टॉक्स में खरीदारी के दम पर भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन को बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि कारोबार के आखिरी कुछ घंटों में बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी ने अपनी अधिकांश बढ़त गंवा दी। अमेरिका के कमजोर लेबर डाटा ने फेडरल रिजर्व क तरफ से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को बढ़ा दिया। इससे बाजार के सेंटीमेंट्स पर पॉजिटिव असर हुआ।

हुंडई, टाटा और निसान ने घटा दी गाड़ियों की कीमत

ग्राहकों को 4 लाख रुपये से ज्यादा तक का फायदा

नई दिल्ली, जेएनएन। जीएसटी में हुई कटौती का असर दिखाई देने लगा है। ऑटोमोबाइल कंपनियों हुंडई मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स और निसान ने अपनी गाड़ियों के दाम कम कर दिए हैं। हुंडई ने अपनी सभी गाड़ियों के दाम में 2.4 लाख रुपये तक की कमी की है। टाटा मोटर्स ने अपने कमर्शियल गाड़ियों के दाम 4.65 लाख रुपये तक घटा दिए हैं। हुंडई ने बताया कि 22 सितंबर से नई कीमतें लागू हो जाएंगी। जीएसटी की नई दरें इसी दिन से लागू हो रही हैं। कंपनी ने कहा है कि इस त्योहारी सीजन में ग्राहकों को 73,808 रुपये से लेकर 2.4 लाख रुपये तक की बचत होगी। यह बचत गाड़ी के मॉडल पर निर्भर करेगी।

हुंडई ने अलग-अलग मॉडल के हिसाब से कीमतें कम की हैं। वेरना सेडान की कीमत 60,640 रुपये तक कम हुई है। वहीं, प्रीमियम टक्सन की कीमत 2.4 लाख रुपये तक कम हुई है। कंपनी का कहना है कि आने वाले त्योहारों के सीजन में ग्राहक 73,808 रुपये से लेकर 2.4 लाख रुपये तक की बचत कर सकते हैं। यह बचत गाड़ी के मॉडल पर निर्भर करेगी।

टाटा ने किया ऐलान

टाटा मोटर्स ने भी कहा है कि वे जीएसटी में हुई कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को देंगे। कंपनी ने अपनी कमर्शियल गाड़ियों के दाम 22 सितंबर से कम कर दिए हैं। कीमतें 30,000 रुपये से लेकर 4.65 लाख रुपये तक घटाई गई हैं। टाटा मोटर्स ने पहले ही अपनी पैसेंजर गाड़ियों के दाम कम करने का ऐलान कर दिया था।

प्रदेश में गठित किया जाएगा इलेक्ट्रिक वाहन संवर्धन बोर्ड

इलेक्ट्रिक वाहन नीति बनाने वाला पहला राज्य

विसं, भोपाल। मप्र में जल्दी इलेक्ट्रिक वाहन संवर्धन बोर्ड का गठन किया जायेगा। यह अंतर विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने और विभिन्न मुददों का समाधान निकालने के लिए जिम्मेदार होगा। मध्यप्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य होगा। प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग में आदर्श राज्य बनाने और इस क्षेत्र में उत्कृष्ट उदाहरण स्थापित करने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिए सरकार मप्र की इलेक्ट्रिक वाहन नीति में रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिया जायेगा। चार्जिंग और स्वैपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर लगाने में तेजी लाने के प्रयासों को भी प्रोत्साहन दिया जायेगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन परिवहन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये तैयार हो रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन नीति बनाने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राच्य है। जलवायु परिवर्तन से लड़ने के वैश्विक जनादेश और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण लक्ष्यों को हासिल करना मध्यप्रदेश की प्राथमिकता है।

कॉलेजों में शुरू होंगे ईवी संबंधित पाठ्यक्रम

ईवी उदयोग के लिए कार्यबल तैयार करने इंजीनियरिंग कालेजों और आईटीआई में ईवी संबंधित पाठ्यक्रम भी शुरू किये जायेंगे। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन को ईवी मॉडल सिटी के रूप में स्थापित किया जायेगा। बताया गया है कि इसके लिए प्रदेश 2070 तक भारत को अपने शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपनी भागेदारी को निभाएगा।

यात्रियों को सुविधा

इटारसी, भोपाल और बीना के लोग कर सकेंगे सफर

भोपाल स्टेशन से गुजरेंगी 3 जोड़ी छठ स्पेशल ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। रेलवे द्वारा दीवाली व छठ पूजा के दौरान विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों से यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को सीट मिलना आसान होगा। छठ पूजा स्पेशल ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल और बीना रेलवे स्टेशन से होकर गुजरेंगी। जिसका फायदा इन स्टेशनों के यात्रियों को होगा।

मुंबई-गोरखपुर-मुंबई स्पेशल

गाड़ी संख्या 01079 स्पेशल 26 सितंबर से 30 नवंबर तक रात 10:30 बजे मुम्बई (सीएसएमटी) से प्रस्थान कर अगले दिन 10 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01080 स्पेशल 28 सितंबर से 2 दिसंबर के बीच गोरखपुर से 11.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात के 12.40 बजे मुम्बई (सीएसएमटी) पहुंचेगी। यह ट्रेन कुल 66 फेरे लगाएगी। इसमें एक वातानुकूलित 10 स्लीपर, 5 सामान्य श्रेणी, 3 थर्ड एसी, 2 एसएलआर सहित कुल 20 कोच होंगे।

ठहराव: दादर सेन्ट्रल, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाण, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई (झांसी), उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद।

पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल एक्सप्रेस

गाड़ी संख्या 01415 स्पेशल 27 सितंबर से 30 नवंबर तक 6.50 बजे पुणे से प्रस्थान कर अगले दिन 4 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01416 स्पेशल 28 सितंबर से 1 दिसंबर के बीच गोरखपुर से शाम 5.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 3.15 बजे पुणे पहुंचेगी। इस ट्रेन में एक वातानुकूलित, 6 स्लीपर, 6 सामान्य श्रेणी, 4 थर्ड एसी, 2 एसएलआर सहित कुल 18 कोच होंगे।

ठहराव: दौंड कोर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड़, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी, कानपुर सेन्ट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती।

नागपुर-समस्तीपुर-नागपुर स्पेशल

गाड़ी संख्या 01207 स्पेशल 24 सितंबर से 26 नवंबर तक बुधवार 10.40 बजे नागपुर से प्रस्थान कर गुरूवार 9.30 एवं गाड़ी संख्या 01208 स्पेशल 25 सितंबर से 27 नवंबर के बीच समस्तीपुर से गुरूवार रात 11.45 बजे प्रस्थान कर शनिवार 7 बजे नागपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में एक वातानुकूलित, 6 स्लीपर, 6 सामान्य श्रेणी, 4 थर्ड एसी, 2 एसएलआर सहित कुल 18 कोच होंगे।

ठहराव: बैतूल, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी, कानपुर सेन्ट्रल, ऐशबाग, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर।

कैबिनेट बैठक आज, कई प्रस्तावों पर लगेगी मुहर

पीएम के 17 सितंबर के प्रवास पर भी होगी चर्चा

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक मंगलवार 9 सितंबर को होगी। इसमें शिक्षकों को चौथा क्रमोन्नति वेतनमान देने के प्रस्ताव पर मुहर लग सकती है। मंत्रालय में पूर्वान्ह 11:15 बजे से कैबिनेट की बैठक आहुत की जाएगी। बैठक में सीएम 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के धार जिले के प्रवास को लेकर मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ चर्चा कर सकते हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने जन्मदिन पर मप्र के प्रवास पर रहेंगे। वे बदनावर के भैंसोला में पीएम मित्रा टेक्सटाइल पार्क का भूमिपूजन करेंगे। पीएम सेवा पखवाड़े का भी शुभारंभ करेंगे। 2,158 एकड़ पर विकसित हो इस परियोजना में अब तक 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

320 प्लॉट हो रहे विकसित: पार्क में फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन के विजन पर आधारित है। कताई, बुनाई, प्रसंस्करण, रंगाई, छपाई और परिधान निर्माण की श्रृंखला स्थापित की जाएगी। इस टेक्सटाइल पार्क में 320 प्लॉट विकसित किए जा रहे हैं। इनमें 111 बड़े औद्योगिक प्लॉट 100 से 300 एकड़ तक के होंगे, जबकि 104 प्लॉट माइक्रो, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए निर्धारित हैं। पहले चरण में आंतरिक विकास कार्यों पर 750 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। लॉजिस्टिक्स के लिए 30.70 हेक्टेयर में 11 प्लॉट, प्लग एंड प्ले यूनिट के लिए 27.38 हेक्टेयर में 81 यूनिट, 7.77 हेक्टेयर में 6 कमर्शियल और 33.59 हेक्टेयर में 7 रेसिडेंशियल प्लॉट विकसित किए जाएंगे।

सीएलसी से 21 कोर्स में आज प्रवेश देगा डीटीई

भोपाल। तकनीकी शिक्षा विभाग मंगलवार को छठवीं सीएलसी में कालेज पहुंचने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश देगा। इंजीनियरिंग, एमबीए, बीबीए, बीसीए समेत 21 कोर्स में प्रवेश मिलेंगे। प्रदेश में सभी कोर्स की दो लाख 71 हजार सीटों में से करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इंजीनियरिंग में सबसे ज्यादा सीटें 74 हजार 722 सीटें हैं, जिसमें 45 हजार 700 विद्यार्थियों के प्रवेश हुए हैं।

शासकीय योजनाओं की जानकारी से वित्तीय स्थिति को कर सकते हैं मजबूत : संतोष मिश्र

ग्राम पंचायत इटहा कला में वित्तीय साक्षरता सैचुरेशन कैंप का हुआ आयोजन

मऊगंज ब्यूरो

ग्राम पंचायत इटहा कला जनपद पंचायत नईगढ़ी के सचिव यज्ञ नारायण साहू द्वारा वित्तीय साक्षरता सामुदायिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि असिस्टेंट काउंसलर वित्तीय साक्षरता (आरोह फाउंडेशन) संतोष कुमार मिश्र अध्यक्ष ग्राम पंचायत की सरपंच कृष्णा पटेल, विशिष्ट अतिथि ग्राम पंचायत की वरिष्ठ पंच हीरा कली पटेल एवं गांव के वरिष्ठ नागरिक छोटेलाल पटेल उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम का सफल संचालन ग्राम पंचायत की रोजगार सहायक नेहा पटेल ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मिश्र ने सर्वप्रथम गांव की उपस्थिति जनता का अभिवादन किया।

शासन की विभिन्न योजनओं की दी जानकारी

श्री मिश्र ने सरकार की विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार जानकारी दी , जैसे बैंक में खाता का महत्व, बैंक में खाता इसलिए खोलना आवश्यक है क्योंकि सरकार द्वारा ऐसी व्यवस्था की गई है कि हितग्राही के खाते में डायरेक्ट राशि जाए, बैंक में खाता का इसी से कुछ पैसे की बचत भी होती है, लोग खाता खोल लेते हैं, बहुत जनधन के खाते खोले गए थे परंतु कई वर्षों से लेन-देन नहीं हुए और वह खाते बंद पड़े हैं इसलिए आप सभी से विनम्र अनुरोध है की खाता की रीकेवाईसी करा कर उसे चालू कर लें, यदि लेन-देन नहीं कर पा रहे हैं तो आवेदन देकर खाता को बंद कर सकते हैं, खाते में नॉमिनी का महत्व जब खाते में नॉमिनी होना आवश्यक है जिससे प्रक्रिया पूरा करने के बाद ही पैसे मिल पाते हैं। इसलिए अपने रहते हुए अपने खाता में नॉमिनी का फॉर्म अवश्य भर दें ताकि आपके ना रहने पर नॉमिनी को तुरंत पैसा ट्रांसफर कर दिया जाए । खाते में मोबाइल का महत्व हर खाता धारक को अपने खाते में मोबाइल नंबर दर्ज करा देना चाहिए ताकि कोई भी राशि आने पर या निकालने पर आपको मैसेज के माध्यम से जानकारी मिल जाए।

खाता सुरक्षित रखने सैचुरेशन कैंप हो रहे आयोजित

इसी तरह से सरकार द्वारा जन सुरक्षा अभियान के तहत सेचुएशन कैंप चलाए जा रहे हैं सरकार की मंशा है की हर खाता में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, और जीवन ज्योति बीमा जरूर हो जाए क्योंकि जब किसी गरीब परिवार की आकस्मिक दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है तो नॉमिनी को कोई आर्थिक मदद नहीं मिल पाती इसलिए यह दोनों बीमा आवश्यक है।

बुढ़ापे की लाठी है अटल पेंशन योजना

इसी तरह से अटल पेंशन योजना जिसको बुढ़ापे की लाठी कही जाती है। 18 साल से 40 साल के बीच का हर महिला पुरुष अपने खाते से कर सकता है और 60 वर्ष पूरा होने पर पेंशन के रूप में जीवन पर्यंत मिलेगा। उसके मृत्यु के पश्चात नॉमिनी को और पति-पत्नी दोनों के न रहने पर 850000 बच्चों को बैंक के माध्यम से दिए जाएंगे, जो की बहुत बड़ी राशि है और एक गरीब परिवार के लिए बहुत बड़ी मदद होगी।

योजनाओं को जानना आवश्यक

योजनाएं बहुत है उसको जानना बहुत आवश्यक है और जानने के बाद ही लाभ लेने में सरलता होती है वर्तमान में साइबर फ्रॉड की बहुत घटनाएं हो रही हैं, लोग कभी जिला पंचायत के नाम पर कभी बैंक के कर्मचारी बनाकर फोन लगाते हैं और आप ओटीपी या अपनी गोपनीय जानकारी दे देते हैं और आपके खाते से आपकी गाढ़ी कमाई निकल जाती है, इसलिए कोई अजनबी व्यक्ति आपके पास फोन लगता है और आपसे कोई भी को अपनी जानकारी मांगता है। कृपया आप कतई शेयर न करें।

सरपंच ने जताया आभार : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती पटेल ने कहा की आज मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इतना सुंदर आयोजन हमारे ग्राम पंचायत में हुआ और सर द्वारा हमारे हितग्राहियों को अच्छी जानकारी बताई गई, हम चाहेंगे कि बैंक से जुड़कर आप अधिक से अधिक लाभ लें ताकि सरकार की मंशा पूरी हो और सर के बताने का भी मतलब सिद्ध हो।

ये रहे मौजूद : कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रोजगार सहायक नेहा पटेल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुषमा पटेल, ज्ञानवती साकेत, शिवकली पटेल, प्रमिला नामदेव सहायिका गीता पटेल, सीमा साकेत, निर्मला नामदेव एवं आशा कार्यकर्ता अर्चना पटेल, पुष्पा पटेल, पंचवती पटेल, नीता नामदेव, सुचेता तिवारी, राहुल कुमार नामदेव, कुलदीप नामदेव, विद्यासागर नामदेव, विनोद कुर्मी अमृतलाल साकेत, गेंदलाल पटेल, राजेंद्र पटेल इत्यादि सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे।

सिद्धार्थ के विधानसभा क्षेत्र में 19 सितंबर को आ रहा हूं : सीएम

त्योंथर ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 7 सितंबर को देवतालाब आगमन पर संबोधित सभा में घोषणा की है कि वह 19 सितम्बर को त्योंथर आएंगे। पहले 17 सितम्बर को पीएम मोदी व पूर्व विस अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी की जयंती पर सीएम को त्योंथर आना था। जिस पर देवतालाब की सभा से मोहन यादव ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री हमारे अपने प्रदेश में आ रहे है। इसलिए, 19 तारीख को सिद्धार्थ भाई के यहां विधानसभा में आ रहा हूं, मुख्यमंत्री ने मंच पर मौजूद त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज का करतल ध्वनि से अभिनन्दन भी कराया।

तराई क्षेत्र में ब्राउन शुगर का बढ़ता जाल कॉलेज छात्र भी चपेट में : आरोप

जवा ब्यूरो । तराई क्षेत्र में नशे का सफेद जहर कहे जाने वाला ब्राउन शुगर तेजी से पैर पसार रहा है। बड़े शहरों से निकलकर यह घातक नशा अब गांव-कस्बों तक पहुंच चुका है। संवाददाता को स्थानीय लोगों ने बताया कि जवा थाना क्षेत्र के कई इलाकों में ब्राउन शुगर (बीएस) का जमकर सेवन हो रहा है। यही हाल पनवार थाना क्षेत्र का है, जहां यह जहर खुलेआम बिक रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पनवार क्षेत्र के दियवांचा स्थित बिरसा मुंडा महाविद्यालय के पास यह जहर आसानी से उपलब्ध है। संवाददाता से लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि कॉलेज के छात्र तक इस नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं। कोरेक्स जैसी पुरानी लतें अब कम हो चुकी हैं और उनकी जगह ब्राउन शुगर ने ले ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलेज परिसर के आसपास नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है और पुलिस-प्रशासन इस पर अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। अगर समय रहते इस पर नकेल नहीं कसी गई तो क्षेत्र का युवा वर्ग नशे की गहराई में डूबता चला जाएगा।

मऊगंज भाजपा जिला अध्यक्ष ने जताया आभार

मऊगंज। मऊगंज भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ.राजेंद्र मिश्रा ने देवतालाब में आयोजित जनसभा एवं विकास कार्यों के लोकार्पण के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा मऊगंज जिले को विकास की कई सौगात देने एवं देवतालाब मंदिर सहित क्षेत्र के विकास के लिए 400 करोड़ से अधिक विकास कार्यों की सौगात देने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल, जिला संगठन प्रभारी के के तिवारी सहित मऊगंज जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी बूथ समिति के अध्यक्ष जिले के गणमान्य नागरिकों का आभार ज्ञापित करते हुए कहा है कि मऊगंज जिले के विकास के लिए समर्पित देव तालाब विधायक गिरीश गौतम के आह्वान पर सभा में पहुंचकर मऊगंज जिला के विकास के साक्षी बने और अपना आशीर्वाद पार्टी को दिया, जिसके लिए सभी का हृदय से आभार ज्ञापित करता हूं और आशा करता हूं कि ऐसे ही सहयोग आप भारतीय जनता पार्टी को देते रहेंगे।

चाकघाट में खाद पाने कई दिनों से लग रही है लंबी कतार

किसान हो रहे हैं परेशान

चाकघाट, नि.प्र.। चाकघाट अंचल के किसानों को खेतों में खाद के लिए अभी भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को समय पर एवं आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल रहा है। नगर परिषद चाकघाट कार्यालय जैसे प्रांगण में किसानों की लाइन लगी हुई है। सोमवार को उन किसानों को लाउड स्पीकर से बुलाया जा रहा है जिन्होंने 4 सितंबर को नाम दर्ज कराया था, उन्हे 8 सितंबर को टोकन मिल रहा है उसके बाद उन्हे खाद मिलेगी। आज भी किसानों को टोकन के लिए और नाम दर्ज करने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। मौके पर किसानों ने संवाददाता को बताया कि वे लोग चार-पांच दिनों से लगातार खाद के लिए आ रहे हैं किंतु उन्हें समय पर खाद नहीं मिल पा रही है। यूरिया खाद की यह समस्या इस अंचल में पहली बार यहां देखने को मिल रही है। यहां पुरुषों के साथ महिलाएं भी लाइन में लगकर खाद प्राप्त करने का प्रयास कर रही है।

पीने के पानी की नहीं है कोई व्यवस्था

चिलचिलाती धूप में जहां किसी तरह की छाया और पीने के लिए पानी की व्यवस्था नहीं है, ऐसे स्थान में धूप के नीचे खड़े किसान अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि खाद टोकन की लाइन में खड़े कई किसानों ने संवाददाता को बताया कि इस बार खाद इतना विलंब से मिल रही है, वह भी बड़ी मुश्किल से मात्र दो बोली उपलब्ध हो रही है। खेतों को आवश्यकता अनुसार पर्याप्त खाद उपलब्ध ही नहीं हो पा रही है जिससे धान की खड़ी फसल सूखने के कगार पर आ गई है। यहां खाद के लिए जिस ढंग से किसान परेशान हो रहे हैं उससे किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी असंतोष व्याप्त है। किसानों ने जल्द ही इस समस्या से निजात दिलाने प्रशासन से मांग की है।

अधिवक्ता संघ जवा का चुनाव 16 सितंबर को

जवा ब्यूरो। अधिवक्ता संघ जवा के निर्वाचन की प्रक्रिया जोरों पर चल रही है। मतदान 16 सितंबर 25 को संपन्न होगा। चुनाव संपन्न कराने हेतु निर्वाचन अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता राजनाथ जायसवाल को बनाया गया है, जबकि सहायक निर्वाचन अधिकारी कृष्णकांत अग्निहोत्री को बनाया गया है, जिनकी देखरेख में चुनाव संपन्न होगा। संवाददाता को लोगों ने बताया कि अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष के लिए तीन उम्मीदवारों के बीच जोर आजमाइस है जिसमें शिवमणि त्रिपाठी, जटाशंकर द्विवेदी एवं राधेश्याम तिवारी चुनाव मैदान में हैं। जबकि सचिव पद के लिए श्रवण कुमार चौरसिया एवं शिव बहादुर सिंह हैं। शेष पद हेतु एक ही उम्मीदवार होने से इनका निर्विरोध चुना जाना तय है जिसमें उपाध्यक्ष के लिए रामरतन गुप्ता, सह सचिव के लिए सिद्धनाथ यादव, कोषाध्यक्ष के लिए रुद्र प्रताप सिंह तोमर, ग्रंथपाल के लिए कमल चंद्र शर्मा एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी के लिए दिनेश सिंह गहरवार का एक एक पर्चा ही दाखिल किया गया है । मतदान सम्पन्न होने के बाद उसी दिन मतों की गिनती होगी।

अल्ट्राटेक बेला प्लांट के खिलाफ किसान-मजदूरों का धरना जारी

आंचलिक डेस्क। अल्ट्राटेक बेला प्लांट की तानाशाही और मनमानी रवैये के खिलाफ किसान और मज़दूर सड़कों पर उतर आए। कई घंटों अल्ट्राटेक बेला प्लांट के गेट पर ज़मीन पर बैठकर धरना प्रदर्शन करते रहे। धरने की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और मौके पर डिप्टी कलेक्टर, लेबर इंस्पेक्टर, चौराहटा टी आई चौकी प्रभारी नौबस्ता पुलिस सहित प्रशासनिक अमला पहुंचा। धरना स्थल पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और विभिन्न दलों के नेताओं ने भी पहुँचकर किसानों-मज़दूरों का समर्थन किया। इनमें प्रमुख रूप से पूर्व जनपद अध्यक्ष लालमन पांडे, विधायक प्रतिनिधि अनिल त्रिपाठी, आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव भक्तराज सिंह, कम्युनिस्ट नेता गिरिजेश सिंह सेंगर, कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सोहगौरा पूर्व जनपद सदस्य प्रदीप त्रिपाठी,, बोलगढ़ सरपंच लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी, नौबस्ता सरपंच अनीश सिंह, बैजनाथ सरपंच संतोष मिश्रा, मधेपुर सरपंच प्रतिनिधि प्रभुनाथ कोल, तिघरा सरपंच प्रतिनिधि नंदलाल शुक्ला, पूर्व सरपंच भागवत शुक्ला, मंडलम अध्यक्ष अशोक प्यासी, विनोद कोल, सुरेश उपाध्याय, जनपद सदस्य प्रतिनिधि गणेश साकेत, पंकज त्रिपाठी, रवि साकेत, मंगलेश्वर सिंह, राकेश सिंह, बंसी यादव, बालेंद शुक्ला, शरद यादव और रजनीश दहिया सहित आज सैकड़ो लोग शामिल हुए। इस दौरान वक्ताओं ने कंपनी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अल्ट्राटेक प्रबंधन किसानों की ज़मीन का शोषण कर रहा है और मजदूरों के हक को नज़रअंदाज कर रहा है। दूसरे प्रदेश से मजदूर बुला के उनको काम दे रहा है और यहां के मजदूरों को गेट पर चस्पा कर रखा की 100 किलोमीटर दूर का चाहिए। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। धरने में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, किसानों और मजदूरों की उपस्थिति से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल रहा।

नशे की मंडी बनता जा रहा बैकुंठपुर

बड़ी हरदी निप्र.। बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के आसपास का इलाका नशे की मंडी साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने संवाददाता को बताते हुए आरोप लगाया कि क्षेत्र में कई नशे के सौदागर नशे का कारोबार पान गोमतियों, किराना दुकान की आड़ में चला रहे है तो कई मेडिकल स्टोरों और छुटमुट क्लिनिकों की आड़ में चला रहे हैं। नशे के इन सौदागरों ने अपनी कमाई की लालच में कई छोटे-छोटे प्वाइंट बनाये हुए हैं।, बैकुंठपुर क्षेत्र में इन दिनों गांजा, कोरेक्स, ब्राउन शुगर जैसे घातक अवैध नशे का बेरोकटोक कारोबार के भी आरोप लगाए। लोगों ने संवाददाता को बताया कि नशे के तस्कर दिन भर टू व्हीलर व फोर व्हीलर गाड़ियों में गांव गांव तक नशीली सामग्री पहुंचा रहे, वही शराब की पैकारी भी चरम पर है। लोगों ने संवाददाता को यह भी बताया कि बैकुंठपुर नगर में हर किस्म का नशा गली, मोहल्ले में बिक रही है। इसके साथ ही सट्टा कारोबार फल-फूल रहा है। आधा दर्जन जगहों में सट्टा पर्ची काटी जा रही है, ओपन, क्लोज और रनिंग के नाम से चर्चित है। स्थानीय लोगों ने कहा कि नशे से कितने बैकुंठपुर नगर के घर बर्बाद हो गए और कितने सजा काट रहे है तो कुछ युवा जिद में कितनी बार जेल हो जाए फिर भी नशा का कारोबार नहीं छोड़ते, जेल से बेल मिलने के बाद फिर से नशे की गिरफ्त में आ जाते है।

तिवनी गांव में अवैध तालाब गहरीकरण से करोड़ों का नुकसान : प्रकाश तिवारी

गंगेव, नि.प्र.। रीवा जिले के तिवनी गांव में एक तालाब के अवैध गहरीकरण ने स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी में डाल दिया है। इस कार्य से सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, प्राइमरी स्कूल, कन्या हायर सेकंडरी स्कूल और पशु चिकित्सालय बुरी तरह प्रभावित होने के आरोप हैं। गांव के निवासी प्रकाश तिवारी ने संवाददाता को बताया कि तिवनी में स्वर्गीय श्रीनिवास तिवारी हायर सेकंडरी स्कूल के बगल में ही अन्य स्कूल और पशु चिकित्सालय स्थित हैं। तालाब का अवैध गहरीकरण इनकी बाउंड्री से सटाकर किया गया, जिससे हायर सेकंडरी स्कूल जर्जर हो गया है। प्राचार्य ने जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर शिकायत की है। वहीं, पशु चिकित्सालय पिछले दो महीनों से जलमग्न है, जिससे पशुपालकों को भारी दिक्कत हो रही है। गहरीकरण के दौरान जलापूर्ति की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे गांव में 2-3 महीनों से जल संकट बना हुआ है। जल संसाधन विभाग ने भी इस संबंध में पत्राचार किया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।उन्होंने संवाददाता को बताया कि तिवनी हायर सेकंडरी स्कूल में खेल मैदान की कमी है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने यहां क्रिकेट स्टेडियम की घोषणा की थी और ग्राम सभा ने प्रस्ताव पास कर उसी स्थान पर खेल मैदान बनाने की मंजूरी दी थी। लेकिन उसी जगह पर अवैध रूप से तालाब गहरा कर दिया गया। पूर्व में ग्राम सभा का एक प्रस्ताव भी पास हुआ था, जिसमें सैकड़ों लोगों ने स्कूल क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए हस्ताक्षर किए थे। प्रकाश तिवारी ने जिला आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर इस मामले में जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आयुक्त ने कार्यवाही का आश्वासन दिया है, लेकिन तिवारी ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे न्यायालय की शरण लेंगे।

रामायण पाठ एवं भजन कीर्तन का हुआ आयोजन

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना नगर सीधी रोड के निवासी पूर्व शिक्षक श्याम नारायण गुप्ता के पुत्र भाजपा नेता चंद्रकेतु गुप्ता ने अपने निवास पर लक्ष्मी नारायण कमेटी के द्वारा रामायण का पाठ एवं सुंदर-सुंदर भजन की प्रस्तुति की गई एवं उनके बड़े पुत्र भाग्य गुप्ता द्वारा भगवान श्री का रामायण पाठ एवं आरती की गई। इस भजन कीर्तन रामायण पाठ में मुख्य रूप से अखिलेश गुप्ता, विट्ठल दास गुप्ता, श्याम नारायण गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, मनोज गुप्ता, नारायण दास गुप्ता, अर्जुन दास गुप्ता, उत्तम दास गुप्ता , बृज किशोर गुप्ता, भोलेनाथ गुप्ता, सनी सब्जी वाले लाल गुप्ता, कंजू गुप्ता , पीयूष गुप्ता, अगनू गुप्ता, सचिन गुप्ता एवं टिंकल गुप्ता आदि भक्त उपस्थित रहे।

शांभवी पांडेय राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता हेतु चयनित

जवा ब्यूरो। श्रीनिवास तिवारी विद्या सदन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगवां में अध्यनरत कक्षा छठवीं की छात्रा शांभवी पांडेय का वॉलीबॉल अंडर 14 आयु वर्ग बालिका टीम में जगह प्राप्त कर, अंबाह जिला मुरैना में 8 सितंबर से 11 सितंबर तक आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हो गई। चयनित छात्रा विद्यालय के संस्थापक शिव बालक पांडेय की पौत्री है, विद्यालय के डायरेक्टर दिनेश द्विवेदी एवं प्राचार्य ओंकार प्रसाद द्विवेदी सहित सभी शिक्षकों ने छात्रा को शुभकामनाएं दी है तथा क्षेत्रीय जनों ने खेल विधा हेतु विद्यालय की ओर से किए जा रहे नियमित प्रयासों की सराहना करते हुए छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना भी किया गया।

एचआईवी/एड्स एवं यौन संचारित रोगों के बताये कारण एवं निदान

नईगढ़ी, नि.प्र.। म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के निर्देशानुसार संपूर्ण सुरक्षा केंद्र मेडिकल कॉलेज रीवा द्वारा 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सघन जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार 08 सितंबर 2025 को ऋषिराज कुलम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मऊगंज में एचआईवी/एड्स जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को एसएसके मैनेजर पुष्पराज विश्वकर्मा ने एचआईवी/एड्स एवं यौन संचारित रोगों के फैलने के कारणों और उनके बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही टीबी और वर्ष 2017 एक्ट के संबंध में विस्तार से बताया। विद्यार्थियों को अधिक जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1097 के बारे में भी बताया गया।

इनकी रही उपस्थिति : इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर विकास सिंह, प्राचार्य, एसएसके मैनेजर पुष्पराज विश्वकर्मा, एसएसके ओआरडब्ल्यू लवकुश वर्मा, एसएसके ओआरडब्ल्यू जैनेंद्र श्रीवास्तव, समाजसेवी रामरतन मिश्रा, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

चेक पॉइंट एक का चेकिंग स्थान परिवर्तित कराने उठी मांग

हनुमना, नि.प्र.। मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के मध्य में आकस्मिक चेक पॉइंट लगता है। संवाददाता से बात करते हुए ट्रक ड्राइवर दलबीर सिंह, रामकुमार पाल, धनंजय पाल, योगेंद्र गुप्ता आदि ड्राइवर यूनियन ने बताया कि मध्य प्रदेश में परिवहन चेक पोस्ट की जगह कभी-कभी मार्ग में चेक प्वाइंट लगाया गया है, इसमें सभी गाड़ियों के कागजात को चेक किया जाता है। मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश जाने पर मार्ग में बहुत ही ज्यादा निचला स्तर यानी (ढलान) होने के कारण वाहनों को खड़ा करने में समस्याएं भी होती है। हम लोग अपनी-अपनी गाड़ी के कागजात यहां पर उपस्थित अधिकारी को चेक कराकर जाते हैं और इसी के साथ हनुमना चेक पॉइंट 1 मे सेंटर लाइन की सड़क का निचला स्तर यानी ढलान होने के कारण गाड़ियों की रफ्तार ज्यादा तेज रहती है जिससे गाड़ी को चेक कराने में काफी परेशानी और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है तथा कई बार दुर्घटना भी हो चुकी है। ट्रक ड्राइवर ने बताया कि पूर्व में जिस तरह गाड़ी बगल के रास्ते से जाने और आने के लिए सड़क बना हुआ है वहां पर सड़क भी बराबर है, गाड़ी खड़े करने के लिए जगह भी है, शौचालय और पानी की व्यवस्था भरपूर है। जनहित को देखते हुए ट्रक ड्राइवर एवं सामाजिक लोगों द्वारा कमिश्नर रीवा, जिला कलेक्टर मऊगंज से यह मांग है कि चेक पॉइंट एक को स्थान परिवर्तन करते हुए बगल में बने हुए शासकीय भवन में चेकिंग पॉइंट का संचालन किया जाए।

नगर परिषद् में बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने दिए निर्देश

गुढ़ (नि.प्र)। नगर परिषद अध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह की उपस्थिति में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के.एन. सिंह द्वारा विभागीय समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में विभागीय कार्यों सहित सभी सरकारी योजनाओं एवं नगर की सफाई व्यवस्था की अनिवार्य रूप से जानकारी प्राप्त की गई। बैठक में नालियों की सफाई हेतु स्वच्छता प्रभारी को निर्देशित किया गया। नगर की प्रकाश व्यवस्था के तहत सभी स्ट्रीट लाइटों को सुधारने अथवा नई लगाकर अनिवार्य रूप से चालू करने के निर्देश दिए गए। नगर के अधूरे विकास कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने और प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के अधूरे निर्माण कार्य पूर्ण कराने पर जोर दिया गया। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक नशामुक्ति एवं स्वच्छता अभियान चलाने, अभियान से जुड़े कर्मचारियों की सुरक्षा हेतु ड्रेस एवं उपकरण वितरित करने का निर्णय लिया गया। सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही सब्जी मंडी में किए गए अतिक्रमण हटाकर, सुलभ कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य प्रारंभ कराने, बाढ़ का कारण बन रहे अतिक्रमणों को हटाने, उच्च न्यायालय में प्रचलित प्रकरणों का निराकरण कराने, लोक सेवा केंद्र से प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने तथा लोक अदालत में समेतिक कर, जल कर, संपत्ति कर सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समिति प्रबंधक पर पूर्व फौजी के साथ मारपीट के लगे आरोप

थाना जनेह में दर्ज हुई एफआईआर

त्योंथर ब्यूरो। जनपद पंचायत त्योंथर अंतर्गत ग्राम पंचायत डोड़किया समिति प्रबंधक प्रमोद ओझा पर पूर्व फौजी के साथ मारपीट के आरोप लगे हैं। मामला जनपद पंचायत त्योंथर अंतर्गत ग्राम पंचायत डोड़किया का है जहां निवासी पवन ओझा भूतपूर्व सैनिक के परिवार के साथ बीते दिवस समिति प्रबंधक सोहरवा द्वारा अपने कुछ गुर्गों के साथ मारपीट करने के आरोप हैं। संवाददाता को पीड़ित ने बताया कि नाली सफाई को लेकर भूतपूर्व सैनिक ने ग्राम पंचायत डोड़किया सरपंच विनीता ओझा से नाली साफ़ सफाई को लेकर शिकायत किया था और सैनिक द्वारा यह कहा गया था कि यदि आप मेरा निवेदन स्वीकार नहीं करेंगी तो मैं आपकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन एवं जनपद सीईओ से करूगा। यह बात कहकर जैसे ही फ़ौजी अपने घर पहुंचा पीछे से सरपंच का बेटा समिति प्रबंधक प्रमोद ओझा ने अपने गुर्गों के साथ फ़ौजी के घर पर चढ़ाई करके धावा बोला दिया, लाठी डंडे से फ़ौजी के बेटा, बेटी एवं पत्नी के साथ मारपीट कर दिया, जिससे फौजी के बेटे को गंभीर चोटें आई एवं बेटी के हाथ में भी चोटें आई, साथ ही पढ़ाई कर रही बेटी का 30,000/-रू का टैबलेट मोबाइल भी तोड़ दिया। इसके बाद पीड़ित फौजी ने अपने घायल परिवार के साथ जनेह थाना पहुंचकर मामला दर्ज कराना चाहा परंतु पुलिस समिति प्रबंधक के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने में हिला हवाली करती रही। दो दिन बीत जाने के बाद पीड़ित फौजी को जब पुलिस से न्याय नहीं मिला, तब पीड़ित फौजी ने अपने भूतपूर्व सैनिक संगठन कमांडो सेना से संपर्क कर घटना से कमांडो अरुण गौतम को अवगत कराया। बीते दिवस शाम 05:30 बजे 70 से 80 भूतपूर्व सैनिकों एवं कमांडो सेना कार्यकर्ता के साथ जनेह थाने का घेराव किया। घेराव उपरांत थाना प्रभारी जनेह कन्हैया सिंह बघेल ने शाम 05:32 बजे आरोपी समिति प्रबंधक प्रमोद ओझा सहित अन्य दो के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए।

सेमरिया नगर को स्वच्छ रखने दुकानदारों को बांटी डस्टबिन

नगर परिषद अध्यक्ष एवं सीएमओ ने चलाया सतत जनजागरुकता अभियान

सेमरिया, नि.प्र.। सेमरिया नगर परिषद् में इन दिनों नए अध्यक्ष गीता अविनाश सोनी एवं नगर परिषद सीएमओ निधि सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष मुरली धर शर्मा का नगर को स्वच्छ, साफ-सुथरा बनाने हेतु निरंतर नगर के दुकानदारों से संवाद किया जा रहा है। लोगों द्वारा स्वच्छता की बातें तो की जाती थी किंतु एक शुरुआत की जरूरत थी। इसी तारतम्य में नप अध्यक्ष एवं सीएमओ, पार्षद, कर्मचारियों के साथ मिलकर नगर को स्वच्छ बनाए रखने हेतु जन आंदोलन बनाया जा रहा है। इस बीच नगर परिषद अध्यक्ष एवं सीएमओ द्वारा नगर के दुकानदारों को डस्टबिन बांटे गए, साथ ही समझाइस भी दी गई की वह अपना कचरा इन डस्टबिन में ही डालें। नप अध्यक्ष एवं सीएमओ द्वारा नव निर्मित सब्जी मंडी सहित वार्ड 10 के मुक्ति धाम का भी निरीक्षण किया गया एवं संबंधित ठेकेदारों से कार्य को निश्चित समय सीमा पर पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान अविनाश सोनी अध्यक्ष प्रतिनिधि, मुरलीधर शर्मा रन्नू भइया उपाध्यक्ष, विजय गुप्ता पार्षद वार्ड क्रमांक 8, कृष्णपाल सिंह पार्षद प्रतिनिधि वार्ड क्रमांक 10, ललित गौतम ,अशोक द्विवेदी, राजू गौतम सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एशिया कपः खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत

अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच मुकाबला आज, भारत बनाम यूएई मैच कल

दुबई, जेएनएन। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम मंगलवार से शुरू होने वाले एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में पाकिस्तान और श्रीलंका के मौजूदगी के बावजूद खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच अबू धाबी में होने वाले मैच से होगी, लेकिन सभी की निगाहें दुबई पर टिकी होंगी, जहां सितारों से सजी भारतीय टीम बुधवार को अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात पर बड़ी जीत हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। एशिया कप इससे पहले टी-20 विश्व कप के लिए ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इसके बावजूद भारतीय टीम एशिया में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारत का एशिया कप में रिकॉर्ड अच्छा रहा है और इस बार तो पूरा शक्ति संतुलन उसके पक्ष में झुका हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में उसे हराना किसी भी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

भारत नौवां खिताब जीतने उतरेगा

नौवीं बार महाद्वीपीय खिताब जीतने से (सात बार वनडे और वर्ष 2016 में एक बार टी-20 प्रारूप में) न तो सूर्यकुमार को और न ही गंभीर को कोई अतिरिक्त श्रेय मिलेगा, लेकिन ट्रॉफी से कम कुछ भी आलोचनाओं को आमंत्रित करेगा, क्योंकि साढ़े चार महीने बाद भारत और श्रीलंका टी-20 विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेंगे। सूर्यकुमार की टीम विश्व कप से पहले लगभग 20 मैच खेलेगी, जिसमें एशिया कप का फाइनल भी शामिल है। भारत इन मैच से विश्व कप के लिए सही संयोजन तैयार करना चाहेगा। सूर्यकुमार अब तक शानदार कप्तान रहे हैं और उनका जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है, लेकिन अब नेतृत्व समूह में उप-कप्तान शुभमन गिल होंगे। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि टी-20 कप्तान और टेस्ट कप्तान किस तरह एकमत होकर एक ही राग अलापते हैं।

गावस्कर, शास्त्री, सहवाग कमेंट्री पैनल में

भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री और वीरेंद्र सहवाग के साथ-साथ पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण एशिया कप के लिए सोनी स्पोर्ट्स के बहुभाषी कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री, गावस्कर, संजय मांजरेकर, रॉबिन उथप्पा, बाजिद खान, वकार यूनिस, वसीम अकरम, रसेल अर्नोल्ड और साइमन डूल उन कमेंटेटरों में शामिल हैं, जिन्हें प्रसारण के विश्व फीड के लिए चुना गया है। सहवाग, इरफान पठान, अजय जडेजा, पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर और सबा करीम हिंदी कमेंटेटरों के पैनल में प्रमुख नामों में शामिल हैं। गावस्कर ने कहा, सूर्यकुमार यादव के गतिशील नेतृत्व में टीम इंडिया एशिया कप के मंच पर कदम रख रही है।

ग्रुप-ए : भारत, पाकिस्तान, ओमान, यूएई

ग्रुप-बी : बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, हांगकांग

परिवर्तन के दौर से गुजर रही पाकिस्तान-श्रीलंका की टीमें

जिस तरह से भारतीय बल्लेबाजों ने टी-20 बल्लेबाजी को नया स्वरूप प्रदान किया है तथा आईपीएल के अनुभव को देखते हुए पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी टीमों के लिए उसकी बराबरी करना मुश्किल हो गया है, जो डेढ़ दशक पहले तक बराबरी पर थीं। इसलिए एशिया कप में दिलचस्पी इस बात को लेकर कम है कि इसे कौन जीत सकता है, बल्कि इस बारे में अधिक है कि भारत को कौन रोक सकता है। पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों की टीम परिवर्तन के दौर से गुजर रही हैं और उनके लिए भारत की मजबूत टीम का सामना करना मुश्किल होगा। पाकिस्तान ने अपने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम में नहीं चुना है। उसकी सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और हसन अली आक्रामक भारतीय बल्लेबाजी के सामने कैसी गेंदबाजी करते हैं। पाकिस्तान ने त्रिकोणीय सीरीज के कम स्कोर वाले फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हरा दिया, जहां शारजाह की धीमी पिच पर उसके स्पिनरों का दबदबा रहा। इस जीत से निश्चित तौर पर उसका आत्मविश्वास बढ़ा होगा। चरिथ असलांका की कप्तानी में श्रीलंका का प्रदर्शन भी बुरा नहीं है, लेकिन क्या वे टूर्नामेंट में छह से सात मैच जीतने की निरंतरता बनाए रख पाएंगे, यह एक बड़ा सवाल है। बांग्लादेश पूरे टूर्नामेंट में चुनौती बरकरार रखने के लिए पर्याप्त आक्रामक नहीं है।

अफगान का सामना कमजोर हांगकांग से

टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान और हांगकांग की टीमें आमने-सामने होंगी। हांगकांग उन तीन टीमों में शामिल है, जिन्होंने इस टूर्नामेंट में 2024 एसीसी पुरुष प्रीमियर कप के जरिए क्वालिफाई किया है। हांगकांग ने एशिया कप के लिए पांचवीं बार और टी-20 प्रारूप में दूसरी बार क्वालिफाई किया है। वहीं अफगानिस्तान की टीम भी हाल ही में यूएई में एक त्रिकोणीय सीरीज खेलने के बाद मैदान पर उतरेगी। उस सीरीज में उन्होंने पाकिस्तान को भी हराया था। अफगानिस्तान की टीम इस एशिया कप टूर्नामेंट की अहम टीमों में से एक कही जा सकती है। हांगकांग की टीम को बड़ी टीमों के साथ खेलने का बड़ा अनुभव नहीं है, लेकिन उनके पास अंशुमन रथ हैं, जो एक बहुत ही काबिल बल्लेबाज हैं और पीछे कई टीमों के गेंदबाजों को परेशान कर चुके हैं। हांगकांग को भी हल्के में आंकना गलत ही होगा क्योंकि अक्सर जिन टीमों की पहचान नहीं होती हैं वे जब बड़े टूर्नामेंट में खेलती हैं तो कई बार बड़ा उलटफेर कर जाती हैं। हांगकांग की टीम ने अपनी पिछले पांच मैचों में तीन में जीत हासिल की है।

नेशन्स कप में तीसरे स्थान पर

फुटबॉलः भारत ने इतिहास में पहली बार ओमान को हराया

हिसोर (ताजिकिस्तान), जेएनएन। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने सोमवार को ओमान को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर सीएएफए नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। भारत ने पश्चिम एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वी को इतिहास में पहली बार शिकस्त दी। भारतीय टीम ने किसी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में ओमान को पहली बार हराया है। नियमित और अतिरिक्त समय के बाद मुकाबला 1-1 से बराबर था, जिसके बाद नतीजे के लिए शूटआउट का सहारा लिया गया। भारत को उदांता सिंह ने बराबरी दिलाई, जबकि इससे पहले यहमादी ने ओमान की ओर से गोल किया था। शूटआउट में बेहतर रैंकिंग वाली टीम ओमान ने अपने शुरुआती दो मौके गंवा दिए, जबकि गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी को रोककर तीसरे-चौथे स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में भारत की जीत सुनिश्चित की। शूटआउट में भारत की ओर से लालियनजुआला छांगटे, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल दागे, जबकि अनवर अली और उदांता सिंह गोल करने में नाकाम रहे। दोनों टीम ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहीं थी, जिससे उन्हें तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलने का मौका मिला। भारत ने 2000 से ओमान के खिलाफ नौ मैच में से छह गंवाए हैं।

यूएस ओपन के फाइनल में सिनर को हराकर बने किंग, नंबर एक रैंकिंग हासिल की

अल्काराज ने जीता छठा ग्रैंड स्लैम

जेएनएन, न्यूयॉर्क

कार्लोस अल्काराज ने एक बार फिर यूएस ओपन के साथ ही दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनेर पर भी अपनी बादशाहत साबित कर दी। अल्काराज ने सिनर पर अपना दबदबा बरकरार रखते हुए चार सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज कर यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल का खिताब जीता और विश्व में नंबर एक रैंकिंग भी हासिल की। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच यूएस ओपन का फाइनल फ्रेंच ओपन में चैंपियनशिप का फैसला करने वाले उनके मुकाबले जितना लंबा, रोमांचक और नाटकीय नहीं था, जहां अल्काराज चैंपियन बने थे। यह विंबलडन के फाइनल जितना सार्थक और कथानक आधारित भी नहीं था, जहां सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार का बदला चुकता किया था। फिर भी रविवार को दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज की नंबर एक सिनर पर 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से जीत वाकई अहम रही। अल्काराज ने गत चैंपियन पर अपनी श्रेष्ठता फिर से स्थापित की, एटीपी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और टेनिस प्रशंसकों को उनके अगले मुकाबले का बेसब्री से इंतजार करने पर मजबूर कर दिया। अल्काराज का यह छठा ग्रैंड स्लैम खिताब है। मैच की शुरुआत लगभग आधे घंटे देर से हुई, जबकि हजारों प्रशंसक आर्थर ऐश स्टेडियम के बाहर फंसे रहे और उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा से गुजरना पड़ा, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैच देखने के लिए प्रायोजक के सुइट में बैठे थे। अल्काराज ने पहला सेट जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन सिनर ने दूसरे सेट में वापसी करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मैच के रोमांचक होने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन अल्काराज ने अगले दो सेट में सिनर को कोई मौका नहीं दिया और मैच को एक तरह से एकतरफा बना दिया। अल्काराज ने दोगुने विनर्स (42-21) के साथ मैच समाप्त किया, जिससे मैच में उनके दबदबे का पता चलता है।

“मैं आपको (सिनर) अपने परिवार से ज्यादा देख रहा हूं। कोर्ट साझा करना, लॉकर रूम साझा करना, सब कुछ बहुत अच्छा लगता है। विंबलडन की हार के बाद ही मैंने अपनी तैयारी शुरू कर दी थी। मैंने उस मैच को देखा और अपने कोच के साथ मिलकर अपनी गलतियों पर काम किया। मुझे खुशी है कि मैं यहां ट्रॉफी जीतने में सफल रहा।

-कार्लोस अल्काराज

- दो घंटे 42 मिनट की इस जीत से स्पेन के 22 वर्षीय अल्काराज ने इटली के 24 साल के सिनर के खिलाफ अपना रिकॉर्ड भी और बेहतर कर दिया। इन दोनों के बीच जितने मुकाबले खेले गए हैं उनमें अल्काराज का रिकॉर्ड 10-5, ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 6-4 और अमेरिकी ओपन में 2-1 हो गया है।
- ये दोनों खिलाड़ी टेनिस के इतिहास में एक ही सत्र में लगातार तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में एक दूसरे का सामना करने वाले पहले दो पुरुष खिलाड़ी हैं। यह इस सत्र में दोनों के बीच खेला गया पांचवां फाइनल मुकाबला था, जिनमें से चार में अल्काराज भारी पड़े। इनमें से तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल थे, जिनमें से दो में अल्काराज चैंपियन बने। उन्होंने इनमें से दो खिताब हार्ड कोर्ट और दो क्ले कोर्ट पर जीते, जबकि सिनेर को विम्बलडन की घास पर सफलता हासिल हुई थी।

“मैं उन्हें पूरा श्रेय देता हूं, क्योंकि उन्होंने मेरी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। उन्होंने महत्वपूर्ण अवसरों पर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और जब जरूरत थी तब अंक हासिल किए। आपने मुझसे बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। मैंने आज अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता था।

-यानिक सिनेर

सिराज प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट, हेनरी-सील्स से टक्कर

दुबई, जेएनएन। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को सोमवार को इंग्लैंड दौरे के पांचवें और अंतिम टेस्ट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार (आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ) के लिए नामांकित किया गया। सिराज के साथ न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स भी इस सूची में शामिल है। सिराज ने इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज के सभी मैचों को खेला और 23 विकेट चटकाए। जून के अंत में शुरू यह सीरीज अगस्त की शुरुआत में खत्म हुई। सिराज ने पांचों टेस्ट में 185.3 ओवर डाले और अपनी रफ्तार कम किए बिना युवा और कम अनुभव वाले भारतीय टीम को 2-2 से ड्रॉ करने में मदद की। आईसीसी ने कहा, सिराज ने अगस्त में सिर्फ एक मैच खेला, लेकिन उस मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी उन्हें नामांकन दिलाने के लिए काफी थी। इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के अंतिम टेस्ट में इस भारतीय तेज गेंदबाज ने 21.11 की औसत से नौ विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने बहुत दृढ़ संकल्प के साथ आक्रमण का नेतृत्व किया। सीरीज के शुरुआती चार मैच खेलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 46 से अधिक ओवर डाले।

मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी फाइनल के लिए टीम में चार बदलाव किए

मुंबई, जेएनएन। मध्य क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी फाइनल के लिए टीम में चार बदलाव करते हुए विदर्भ के तेज गेंदबाज नचिकेत भूटे और मध्य प्रदेश के कुमार कार्तिकेय सिंह को टीम में शामिल किया है। भूटे विदर्भ टीम के अपने साथी यश ठाकुर की जगह लेंगे, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिकेय को हर्ष दुबे की जगह चुना गया है। मध्य क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने मध्य प्रदेश के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर अजय सिंह कुकना को खलील अहमद और मानव सुथार की जगह टीम में शामिल किया है। ठाकुर, दुबे, खलील और सुथार को भारत-ए टीम में शामिल किए जाने के बाद टीम में बदलावों की घोषणा की गई। मध्य क्षेत्र की टीम पांच दिवसीय दलीप ट्रॉफी फाइनल में 11 से 15 सितंबर तक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर दक्षिण क्षेत्र से भिड़ेगी।

मध्य क्षेत्र टीमः रजत पाटीदार (कप्तान), आयुष पांडे, दानिश मालेवार, शुभम शर्मा, संचित देसाई, यश राठौड़, नचिकेत भूटे, कुमार कार्तिकेय सिंह, आदित्य ठाकरे, उपेंद्र यादव, अजय सिंह कुकना, अक्षय वाडकर, दीपक चाहर, कुलदीप सेन और सारांश जैन।

मैदान से हटकर

खुद को अच्छा दिखाना है, तो अपने काम से दिखाइए : धनश्री

एमएक्स प्लेयर के नए रिएलिटी शो राइज एंड फॉल में क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा ने हिस्सा लिया। अभी शो को शुरू हुए तीन दिन ही हुए हैं और शो ट्रेंड कर रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि धनश्री ने शो में अपने रिश्ते और इज्जत पर खुलकर बातें की हैं। उन्होंने कहा कि वह तलाक से पहले भी अपने पार्टनर की इज्जत करती थीं और आगे भी करती रहेंगी। नयनदीप रक्षित ने धनश्री से सवाल किया, आपने जो इंटरव्यू दिया, उससे आप खुश हो? इस पर धनश्री बोलीं, नहीं! मुझे कुछ टॉपिक्स पर बात नहीं करनी थी। देखो, दो लोग हैं और उनके बीच अगर किसी बात पर झगड़ा हुआ और फिर हमने तय किया कि इसे खत्म करना है, तो अपनी बात पर रहो न। सबके हाथ में अपनी इज्जत होती है और शादीशुदा होने के बाद पार्टनर की इज्जत भी आपके हाथ में होती है। धनश्री ने कहा, चाहती तो मैं भी उसके बारे में बहुत कुछ बोल सकती थी। तुम्हें क्या लगता है मेरे पास बातें नहीं थीं कहने के लिए? लेकिन वो मेरे पति थे। मैंने तब भी उनकी इज्जत की जब मैं शादी के बंधन में बंधी थी और आज भी उनकी इज्जत करती हूं। उन्होंने यह भी जोड़ा, अगर आपको खुद को अच्छा दिखाना है तो अपने काम से दिखाइए। किसी और को नीचा दिखाकर अपनी इमेज सुधारने का कोई मतलब नहीं है। इस पर सुहाना ने कहा, तुम तो अपना काम कर ही रही हो, तुमको क्या लेना-देना है? धनश्री ने जवाब दिया, नहीं! मैं उस बारे में बात कर रही हूं जो हुआ। हम सबको पता है क्या हुआ। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप कितना नेगेटिव पीआर करते हो या पब्लिक में जाकर क्या बोलते हो। ये आपकी मदद नहीं करेगा। आपका टाइम वेस्ट करेगा। और इमेज क्लीन क्यों करनी है जब कोई कुछ बोल ही नहीं रहा है? रिश्ता था न, एक पॉइंट पर तो था न, तो उसकी इज्जत करो। क्यों बार-बार बात करनी है उसके बारे में।

(जेएनएन)

तेज गेंदबाज विडलर चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया-ए के भारत दौरे से बाहर

मेलबर्न, जेएनएन। क्वींसलैंड के तेज गेंदबाज कैलम विडलर सोमवार को आंशिक स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण ऑस्ट्रेलिया-ए के आगामी भारत दौरे से बाहर हो गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया के चोटिल तेज गेंदबाजों की बढ़ती सूची में एक और नाम जुड़ गया। इस 19 साल के खिलाड़ी से पहले टेस्ट कप्तान पैट कमिंस, लान्स मौरिस और ब्रॉडी काउच भी चोटिल होने के कारण चयन की दौड़ से बाहर हैं। दोनों देशों की ए टीम के बीच सीरीज 30 सितंबर से शुरू होगी।

विडलर ने पेशेवर क्रिकेट में पिछला मुकाबला मार्च में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शेफील्ड शील्ड 2024-25 के फाइनल के रूप में खेला था और तब उन्होंने अपनी टीम की हार के दौरान पांच विकेट चटकाए थे। क्वींसलैंड के हाई परफोर्मेंस महाप्रबंधक जो डावेस ने बताया, कैलम को ट्रेनिंग के दौरान पीठ में दर्द हुआ और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना दी। दुर्भाग्य से स्कैन में स्ट्रेस फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है इसलिए उन्हें कुछ समय ठीक होने में लगेगा और फिर रिहैबिलिटेशन की योजना शुरू करनी होगी।

उन्होंने कहा, वह स्वाभाविक रूप से बहुत निराश हैं, लेकिन मानते हैं कि चोटें खेल का हिस्सा हैं। हम उनके साथ मिलकर काम करेंगे। विडलर के हटने से पहले ऑस्ट्रेलिया-ए ने 16 सितंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज के लाल गेंद के चरण से मौरिस और काउच को भी चोटों के कारण खो दिया था।

महिला एशिया कपः भारत ने सिंगापुर को 12-0 से हराया, सुपर-4 में पहुंचा

हांगझोउ (चीन), जेएनएन। नवनीत कौर और मुमताज खान की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को एशिया कप के पूल-बी मैच में सिंगापुर को 12-0 से रौंदा। इसके साथ ही भारत ने सुपर-4 मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली। नवनीत (14वां, 18वां, 28वां मिनट) और मुमताज खान (दूसरा, 32वां और 38वां मिनट) के अलावा, नेहा (11वां मिनट, 38वां मिनट) ने दो-दो गोल किए, जबकि नेहा (11वां मिनट), लालरेम्सियामी (13वां मिनट), शर्मिला देवी (45वां मिनट) और रुतुजा पिसल (52वां मिनट) ने भी भारत के लिए गोल दागे। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज भारत ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया था, जबकि गत चैंपियन जापान के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। सिंगापुर विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर है। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग ले रही हैं और दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें सुपर चार चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर चार की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी। एशिया कप विजेता टीमें बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले 2026 महिला विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।

भारतीय हॉकी टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे 10 लाख

पटना, जेएनएन। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एशिया कप 2025 जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रत्येक सदस्य को 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। भारत ने राजगीर में पुरुष हॉकी एशिया कप के फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि राजगीर स्थित खेल परिसर में पहली बार आयोजित एशिया कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार जीत दर्ज की। मुख्यमंत्री ने लिखा, एशिया कप 2025 की विजेता भारतीय टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख रुपए और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ सदस्य को 5 लाख रुपए का मानदेय दिया जाएगा। भारतीय टीम इससे पहले 2017 में ढाका में, 2007 चेन्नई में और 2003 में कुआलालंपुर में आयोजित एशिया कप पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर चुकी है।

आईसीसी और डब्ल्यूसीए के बीच खिलाड़ियों की इमेज राइट्स को लेकर हो सकता है टकराव

आईसीसी जल्द लॉन्च करेगा मोबाइल क्रिकेट गेम

नई दिल्ली, जेएनएन। आईसीसी और वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूसीए) के बीच खिलाड़ियों की इमेज लाइसेंसिंग राइट्स लेकर विवाद शुरू हो सकता है। पूरा मामला एक नए मोबाइल क्रिकेट गेम से जुड़ा है, जिसे आईसीसी जल्द लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

आईसीसी ने अप्रैल में पहली बार इस योजना के बारे में अपने सदस्यों को जानकारी दी थी। इसके बाद जुलाई में सिंगापुर में हुई एजीएम में कुछ सदस्य बोर्डों ने यह इच्छा जताई कि वे इन अधिकारों के मामले में सीधे अपने खिलाड़ियों से बात करना चाहते हैं। डब्ल्यूसीए खिलाड़ियों का वैश्विक संगठन है और वे इसे एक उल्लंघन बता रहा है। यह उस समझौते के संदर्भ में है, जो उसने आईसीसी के साथ किया था। उन्होंने आईसीसी और कुछ सदस्य बोर्डों पर खिलाड़ियों के नाम, छवि और समानता के अधिकार सहमति से तय शर्तों से परे अपने पास रखने का आरोप लगाया है। आईसीसी की यह योजना खेल को विकसित करने के लिए है, ताकि 2028-2031 चक्र में प्रसारण अधिकारों की कीमत में संभावित गिरावट की भरपाई हो सके। भारत में मोबाइल गेमिंग एक तेजी से बढ़ता हुआ बाजार है।

डब्ल्यूसीए के तीन कंपनियों के साथ समझौते

डब्ल्यूसीए पहले ही इस क्षेत्र में आ चुका है और उसने तीन कंपनियों के साथ लाइसेंसिंग समझौते किए हैं, जिनमें रियल क्रिकेट भी शामिल है। यह सौदा अगस्त 2024 में घोषित किया गया था। डब्ल्यूसीए का रियल क्रिकेट के साथ समझौता 250 से अधिक पेशेवर क्रिकेटरों के नाम, छवि और समानता को शामिल करेगा। लेकिन अन्य मोबाइल गेमिंग समझौतों से खिलाड़ियों को मिलने वाली सालाना रॉयल्टी की भुगतान प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। डब्ल्यूसीए का दावा है कि भारत में कई कंपनियां खिलाड़ियों के अधिकारों का इस्तेमाल बिना अनुमति और बिना उन्हें राजस्व दिए कर रही हैं और इन्हीं राजस्व अधिकारों की रक्षा और पालन कराने के लिए डब्ल्यूसीए काफी गंभीर है।

राइफल और पिस्टल मिश्रित टीम विश्व कप आज से शुरू

निंगबो (चीन), जेएनएन। भारत के मिश्रित टीम राइफल और पिस्टल निशानेबाज मंगलवार से शुरू हो रहे आईएसएसएफ विश्व कप में भाग लेंगे। राइफल और पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धाएं निंगबो ओलंपिक खेल केंद्र पर होंगी। भारत ने 24 सदस्यीय टीम भेजी है, जिसमें राष्ट्रीय रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान के निशानेबाज भाग लेंगे। पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन और ओलंपियन रमिता जिंदल जूनियर विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता उमामहेश मेदिनेनी के साथ खेलेंगी, जबकि पूर्व नंबर एक दिव्यांश सिंह पंवार एयर राइफल मिश्रित टीम वर्ग में मेघना एम सज्जनार के साथ उतरेंगे। अर्जुन बबूता और आर्य बोस ने म्युनिख विश्व कप में इस वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। एयर पिस्टल मिश्रित टीम में ओलंपियन रिदम सांगवान और निशांत रावत उतरेंगे, जबकि अमित शर्मा इसमें सुरभि राव के साथ चुनौती पेश करेंगे। सुरूचि सिंह और सौरभ चौधरी की भारतीय जोड़ी ने इस साल लीमा में इस वर्ग में स्वर्ण और ब्यूनस आयर्स विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। भारतीय राइफल जोड़ियों का सामना दुनिया के नंबर एक और दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेंग लिहाओ और 16 वर्ष की पेंग शिन्लू से होगा।

डीएलसीसी की बैठक कल

रीवा। जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक 10 सितंबर को कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की गयी है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में अपरान्ह 4 बजे से आयोजित बैठक में संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गयी है। बैठक में जून तिमाही तक की प्रगति की समीक्षा की जायेगी।

संभागीय टीएल बैठक आज

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद 9 सितम्बर को सुबह 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय में टीएल पत्रों की समीक्षा करेंगे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण तथा अन्य विषयों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम दौरे के बाद रीवा डीआईजी का तबादला, अब हेमंत चौहान को कमान

जागरण, उरीवा। मऊगंज के गड़रा कांड के बाद डीआइजी साकेत पाण्डेय का स्थानांतरण हुआ था, इसके बाद डीआइजी के रूपम में राजेश सिंह चंदेल की पदस्थापना हुई थी। अभी 6 माह भी नहीं बीते थे की डीआइजी राजेश सिंह चंदेल को अब भोपाल स्थानांतरित कर दिया गया है। सीएम के मऊगंज दौरे के 24 घंटे बाद हुए फेरबदल के बाद प्रशानिक गलियारों में तरह-तरह की अटकले लगाई जा रही है। पीएचक्यू से जारी आदेश के मुताबिक डीआइजी राजेश सिंह चंदेल को रीवा रेंज से स्थानांतरित कर डीआइजी ग्रामीण रेंज भोपाल भेजा गया है, वहीं रीवा जोन के लिए 2010 बैच के आइपीएस हेमंत चौहान को पदस्थापना संबंधी आदेश जारी किए गए है।

विशेष सामान्य सभा की बैठक आज

रीवा। जिला पंचायत रीवा की विशेष सामान्य सभा की बैठक 9 सितंबर को दोपहर 3 बजे से जिले पंचायत सभागार में आयोजित की गयी है। बैठक में पीएमजीएसवाई चार की प्राथमिकता सूची सीएनसीपीएल पर चर्चा, शासन द्वारा संचालित अन्य नवीन योजनाओं पर चर्चा सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जायेगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बैठक में सभी संबंधितों से उपस्थिति का अनुरोध किया है।

सरकार की योजना से गरीबों को मिली बड़ी राहत

39 दिन में 132 शवों को नि:शुल्क पहुंचाया गया घर

1 अगस्त से शुरू हुई है सेवा, सरकार ने रीवा-मऊगंज को दिए हैं 6 वाहन

जागरण, रीवा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर शासकीय अस्पताल में उपचार के दौरान या अन्य किसी कारण से मृत व्यक्ति के शव को सम्मान के साथ उसके घर तक पहुंचाने के लिए निःशुल्क शव वाहन की सुविधा 1 अगस्त से उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत रीवा जिले में 4 वाहन व मऊगंज जिले में 2 वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। बीते 39 दिनों की बात करें तो रीवा और मऊगंज मिलाकर कुल 132 शवों को सीएम की इस सौगात के माध्यम से घर तक पहुंचाया गया है। जानकारी के आभाव में लोग अभी इस सुविधा का उपयोग उस स्तर पर नहीं कर पा रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस सुविधा को भी 108 एम्बुलेंस के तरह ही 108 पर कॉल करके उपयोग किया जा सकता है। 108 पर कॉल करके जानकारी दी जाती है और इसके बाद परिजनों को शव वाहन निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है।

जिला अस्पताल में 68 मरीजों को मिली सेवा

बता दें कि रीवा जिले को 4 शव वाहन दिए गए हैं, जिसमें दो शव वाहन जिला अस्पताल व दो शव वाहन मेडिकल कॉलेज को दिए गए हैं। वहीं मऊगंज जिले को दो शव वाहन दिए गए हैं। अभी तक बीते 39 दिनों में सबसे अधिक 68 शवों को घर तक पहुंचाने का कार्य जिला अस्पताल के दोनो शव वाहनों ने किया। वहीं मेडिकल कॉलेज के दोनों वाहनों को अभी 55 केस मिले हैं। मऊगंज में संख्या काफी कम है, यहां 9 शवों के लिए ही कॉल किया गया। रीवा में अगस्त माह में 80 कॉल व सितंबर माह में 43 कॉल निःशुल्क शव वाहन सेवा के लिए पहुंचे हैं। वहीं मऊगंज में मात्र 9 कॉल अगस्त में आए हैं और सितंबर में अभी एक भी कॉल नहीं आया है। इस प्रकार से रीवा और मऊगंज के 6 वाहनों से अब तक 132 शवों को घर सम्मान के साथ निःशुल्क पहुंचाया गया है।

इस प्रकार से मिलता है लाभ

बता दें कि मरीज की मौत के बाद उसका शव घर तक ले जाने के लिए पहले प्राइवेट शव वाहन करना पड़ता था जिससे मृतक के परिजनों को शव के लिए भी शव वाहन चालकों से सौदेबाजी करनी पड़ती थी। कई तरह की समस्याएं गरीब परिवारों को होती थी। जिसके बाद अब मुख्यमंत्री द्वारा निःशुल्क शव वाहन की सुविधा शुरू की गई है। इस योजना में जिले की शासकीय संस्था में रोगी अथवा दुर्घटना पीड़ित की उपचार के दौरान मृत्यु होने पर मृतक को उसके निवास स्थल, शमशान घाट तक निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। शासन के प्राप्त निर्देशानुसार शव वाहन का संचालन जिले की सीमा के अंदर किया जाएगा। विभाग द्वारा शव वाहन का संचालन राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय चिकित्सा संस्थानों में हुई मृत्यु के प्रकरणों में उपयोग किया जाएगा। निजी चिकित्सालय, निवास स्थल एवं अन्यत्र किसी भी स्थान में हुई मृत्यु के प्रकरण में शव वाहन उपलब्ध कराए जाने की पात्रता नहीं होगी।

> निःशुल्क शव वाहन रीवा में 4 व 2 वाहन मऊगंज के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। रीवा में अब तक 123 कॉल सुविधा के लिए की गई। वहीं मऊगंज में 9 शवों को घर तक पहुंचाया गया है। जानकारी मिलने पर तत्काल सेवा उपलब्ध कराई जाती है।
>
> **डॉ.ऋषिराज गौतम, नोडल अधिकारी 108 सेवा**

अस्पताल के तीसरी मंजिल से गिरे मरीज की मौत, सप्ताह में इस तरह की दूसरी घटना

जागरण, रीवा। संजय गांधी अस्पताल के तीसरी मंजिल से गिरने से एक मरीज की मौत हो गई। करीब एक सप्ताह पूर्व भी इसी तरह की एक घटना सामने आई थी जिसमें गुप्ता परिवार के मरीज की जान चली गई थी। घटना के बाद अमहिया पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि मरीज दिल सिंह निवासी खैरा वॉशरूम गया हुआ जो तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई। फिलहाल उसने आत्महत्या की या फिर वह अनहोनी का शिकार हो गया, पुलिस इसकी जांच कर रही है। मामले के संबंध में जानकारी देते हुए मृतक मरीज दिल सिंह की पत्नी उर्मिला सिंह ने बताया कि उनके पति को सांस फूलने की बीमारी थी। जिसके चलते उन्हें रविवार को तृतीय तल स्थित आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया था। वो उन्हें वॉशरूम लेकर गई जिस पर उन्होंने बोला की वो बिस्तर बना दे, मैं आ रहा हूं, जिसके बाद वो वार्ड में चली गई। जब कुछ देर तक वो वापस नहीं लौटे तो उनकी खोजबीन शुरू की, तभी सूचना मिली की कोई मरीज अस्पताल से नीचे गिर गया है। जब वो मौके पर पहुंची तो दिल सिंह की मौत हो चुकी थी। हफ्ते भर में संजय गांधी के तृतीय फ्लोर से गिरने की यह दूसरी घटना सामने आई है। लगातार दो घटनाएं सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा किए जा रहे सुरक्षा के दावों को लेकर भी सवाल उठ रहे है।

एटीएम बदलकर युवक से फ्रॉड 30 हजार रुपए की लगी चपत

पड़रा स्थित एसबीआई के एटीएम बूथ की घटना

जागरण, रीवा। एटीएम बदलकर फ्रॉड कर ठगी करने वाला गैंग शहर में एक बार फिर सक्रिय हो गया है। बीते वर्ष भी इस तरह का मामला समान थाना क्षेत्र में सामने आया था, जिसके बाद आरोपी पुलिस के हाथ लगे थे। ताजा मामला शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रा स्थित एटीएम बूथ में सामने आया है। एटीएम बूथ में पैसे निकालने गए पीड़ित का एटीएम कार्ड बदलकर बदमाशों ने चंद मिनट के अंदर 30 हजार रुपए पार कर दिए। घटना के संबंध में पीड़ित अवधेश पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि वह एसबीआई एटीएम बूथ में पैसे निकालने गए थे, जहां 5 हजार रुपए निकालने के बाद जब वह बाहर निकले तो वहां पहले से मौजूद युवकों ने पर्ची लेने को कहा, ऐसे में उन्होंने एटीएम मशीन में फिर से अपना कार्ड लगाया और बैलेंस पर्ची लेकर बाहर निकल आए । इसी बीच बदमाशों ने बातों ही बातो में शातिराना तरीके से उनका एटीएम कार्ड बदल लिया और पीड़ित जैसे ही एटीएम बूथ से कुछ ही दूर पहुंचता है तभी उसके मोबाइल पर एक-एक कर तीन बार 10-10 हजार रुपए निकालने के मैसेज आ गए। इन मैसेज को देखते ही युवक के होश उड़ गए और जब वह वापस लौटकर एटीएम बूथ पहुंचे तो बदमाश गायब दिखे। फिलहाल पीड़ित ने बैंक से संपर्क कर एटीएम को लॉक करा दिया है साथ ही घटना की शिकायत सिविल लाइन थाना में दर्ज कराई है।

ज्यादा प्रॉफिट का लालच देकर 13 लाख रुपए की धोखाधड़ी

रीवा। शहर के अमहिया थाना में करीब तीन माह पूर्व पीड़ित युवक ने अपने साथ हुई 13 लाख रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत विजय गुप्ता के खिलाफ दर्ज करवाई थी। जिसके बाद न्याय की मांग को लेकर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग करते हुए मदद की गुहार लगाई है। पीड़ित ज्ञानेश्वर प्रसाद अहिरवार निवासी पीटीएस ने आरोप लगाया कि वह अपना पैसा बैंक में एफडी करने जा रहा था, लेकिन उसका संपर्क विजय गुप्ता से हुआ जो अधिक प्रॉफिट का लालत देकर एग्रीमेंट करवाया और 13 लाख रुपए ले लिए। उसने कहा था कि जिस तरह आपका पैसा बैंक में सुरक्षित रहता है उसी तरह यहां भी रहेगा लेकिन फायदा अधिक होगा। साथ ही यह भी आश्वस्त किया था कि जब पैसा वापस लेना चाहेंगे तो मिल जाएगा। जब वो पैसा मांगने लगे तो पहले तो तरह-तरह की समस्याएं बताते हुए आजकल करने लगा, वहीं इसके बाद पैसा देने से इंकार कर दिया, साथ ही धमकी दी की पैसा नहीं मिलेगा जिससे जहां शिकायत करनी है कर दो। पीड़ित ने परेशान होकर मामले की शिकायत अमहिया थाना में दर्ज करवाई थी लेकिन वह अब तक नहीं पकड़ा गया। पीड़ित युवक के मुताबिक उससे मोबाइल पर लगातार बात होती है, जिस पर वह रिपोर्ट वापस लेने की धमकी दे रहा है। पुलिस अगर चाहे तो सायबर सेल की मदद से वह पकड़ा जा सकता है लेकिन कार्रवाई नहीं हुई जिससे वह आर्थिक रूप से परेशान है। तंग आकर उसने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर की है साथ ही पूरे मामले की जांच कर आरोपी की खिलाफ कार्रवाई कर पैसा वापस दिलाने की मांग की है।

सांसद निधि से बनी सड़क की ट्रैक्टर से कर दी जुताई

गंगेव जनपद के डगरदुआ का मामला, सरपंच ने गढ़ पुलिस से की शिकायत

रीवा। गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगेव जनपद पंचायत के डगरदुआ गांव में सांसद निधि से बनाई गई सड़क को ट्रैक्टर से जुताई करवाकर नष्ट कर दिया गया। घटना की शिकायत महिला सरपंच ने गढ़ पुलिस से की है। पीड़ित सरपंच आरती सेन ने बताया है कि डगरदुआ के ग्राम कोलहा में प्रधानमंत्री सड़क का निर्माण हरिजन बस्ती तक करवाया गया था। आरोप है कि हरीश द्विवेदी निवासी कोलहा ने अपने ट्रैक्टर से जुताई कर नष्ट कर दिया। बताया गया कि उक्त सड़क का निर्माण सांसद निधि से करवाया गया था। पीड़ित सरपंच ने मामले की जांच कराकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

सड़क पर आए मवेशी से टकराया बाइक सवार गंभीर

रीवा। गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सड़क पर अचानक आए गौवंश से बाइक सवार टकराकर हादसे का शिकार हो गया। घटना में बाइक सवार को गंभीर चोट पहुंची जिसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बृजवासी गुप्ता पिता बालभद्र गुप्ता निवासी गढ़ 8 सितंबर को रात करीब 8 बजे टिकुरी के पास सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। बताया गया कि वो बाइक से गढ़ से रीवा तरफ जा रहे थे, जैसे ही वो टिकुरी के पास पहुंचे, सड़क पर अचानक आए मवेशी से उनकी जोरदार टक्कर हो गए। आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायल को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़ भिजवाया जहां चिकित्सकों द्वारा घायल का उपचार किया जा रहा है।

आवारा कुत्तों ने किया गौवंश का शिकार, खतरनाक हो रहे स्ट्रीट डॉग

जागरण, रीवा। शहर में स्टीट डॉग बाइट का एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आवारा कुत्तों के झुंड ने एक गौवंश को अपना शिकार बना लिया। बताया गया कि एक दुकान के सामने बैठी बछिया पर अचानक कुत्तों ने हमला कर दिया, बछिया पीड़ा से रम्भाती रही लेकिन किसी ने मदद नहीं की । कुत्तों ने कुछ ही देर में गौवंश का पूरा शरीर खा डाला, सिर्फ कुछ हड्डियां ही छोड़ी। घटना बीती रात चोरहटा थाना क्षेत्र के गोड़हर मोहल्ले की है। बताया गया कि दुकानदार जब सुबह पहुंचा तो उसने गौवंश की हड्डियां और खून देखा। जिसके बाद उसने सीसीटीवी कैमरा चेक किया तो उसके होश उड़ गए। बताया गया कि सीसीटीवी कैमरे में आवारा कुत्ते गौवंश को अपना शिकार बनाते दिखाई दिए हैं। बताया गया कि आसपास बड़ी संख्या में गौवंश रहते हैं साथ ही कई आवारा कुत्तों का झुण्ड भी आसपास रहता है, जिसने बछिया को अपना शिकार बना लिया।

धान उपार्जन समीक्षा बैठक 17 को

रीवा। खरीफ विपणन 2025-26 में धान उपार्जन तथा उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण की संभागीय समीक्षा बैठक 17 सितम्बर को आयोजित की जा रही है। अपर मुख्य सचिव खाद्य रश्मि अरूण शमी बैठक में आगामी फसल की तैयारी, धान उपार्जन की तैयारी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली से खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करेंगी। बैठक में कमिश्नर रीवा, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर तथा कृषि, खाद्य, नागरिक आपूर्ति निगम, वेयरहाउस, सहकारी बैंक, मध्यप्रदेश विपणन संघ एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल रहेंगे।

तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को जाएगी द्वारका

रीवा। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के द्वारा रीवा जिले के 200 बुजुर्गों कों 25 अक्टूबर को द्वारिका और सोमनाथ की तीर्थयात्रा का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में प्रभारी अधिकारी धर्मस्व ने बताया कि तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को रीवा रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन 31 अक्टूबर को वापस लौटेगी। इसमें रीवा के 200 बुजुर्गों के साथ-साथ मऊगंज जिले के 179, सतना के 200 तथा मैहर जिले 200 बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थयात्रा कराई जाएगी। तीर्थयात्रियों को सहयोग देने के लिए प्रत्येक जिले से चार अनुरक्षक भी उनके साथ जाएंगे। आवेदक बुजुर्ग को आयकर दाता नहीं होना चाहिए।

बकरियों के खून से लाल हुआ रीवा- सीधी मार्ग

एक दर्जन बकरियों को कुचलते हुए निकल गया वाहन

गुढ़ थाना क्षेत्र के बदवार के पास हुई घटना

जागरण, रीवा। तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पर सामने आई बकरियों को कुचल दिया, जिससे रीवा-सीधी मार्ग खून से लाल हो गया। घटना गुढ़ थाना क्षेत्र के बदवार बस स्टैण्ड के पास की है। हादसे में दस बकरियों की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक दुर्घटना के बाद वाहन चालक सहित फरार हो गया। जानकारी दी गई कि सड़क से गुजर रही बकरियों के झुंड को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन रौंदते हुए निकल गया, जिससे वाहन की चपेट में आई बकरियों के चीथड़े उड़ गए। घटना सोमवार सुबह उस समय हुई जब बकरियों का झुंड सड़क से गुजर रहा था। बताया गया कि इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने बकरियों को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि रीवा सीधी मार्ग में बने टनल के चलते वाहन तेज गति से गुजरते हैं, तेज रफ्तार के कारण ही टनल और बदवार के बीच आए दिन मवेशी सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं।

रोजाना सड़क पर जा रही मवेशियों की जान : शहर सहित जिलेभर में एनएच में मवेशियों की जान जा रही है। सूरज ढलने के बाद सड़कों पर मवेशियों की जमघट लग जाती है। इसके चलते जहां वाहन सवार दुर्घटना का शिकार हो रहे है, तो वहीं बेजुबान जानवरों की भी अकाल मौत हो रही है। कहने को तो शासन प्रशासन गौशलाएं खोलने का दावा करता है लेकिन जिस अनुपात में सड़क पर आवारा गौवंश सहित जानवर दिखाई पड़ते है, वो जिम्मेदारों को असलियत का आइना दिखा रहे है, इसके बाद भी आवारा गौवंश को गौशालाओं तक पहुंचाने जिम्मेदारों के प्रयास नाकाफी दिखाई देते है। विदित हो कि इसके चलते जहां एक ओर किसानों की फसलें चौपट हो रहीं हैं तो वहीं दूसरी ओर दुर्घटनाओं का ग्राफ भी बढ़ रहा है।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com